SHARVIL BOOKS

N.E.P. 2020

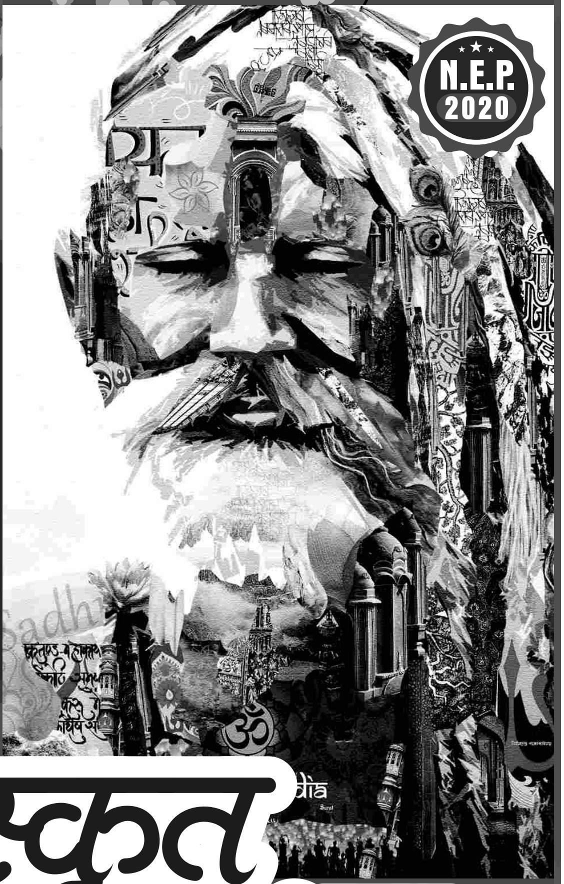

रचनात्मक कार्य
प्रतिध्वनि
जीवन मूल्य
भाषा बोध
शिक्षण निर्देश
मानक वर्तनी
जीवन कौशल

संस्कृत साधना

6–8

लेखक :
गिरीश वशिष्ठ
एम० ए० (संस्कृत), शिक्षा शास्त्री

1 गोदुग्धं बुद्धिवर्धकम्

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्ननाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. बुद्धिवर्धकम् आहारं गोदुग्धम् अस्ति। ख. दधि कृशताम् अपहरति।
ग. तक्रम् उदररोगान् दूरी करोति। घ. नवनीतं बुभुक्षां वर्धयति।
ङ. वयं दधिं नक्तं न भुञ्जीत्।
च. अतिमात्रं गृहीतम् आहारं विषं भवति।

2. रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. **दधि** नक्तं न भुञ्जीत।
ख. अतिमात्रं गृहीतम् **अमृतम्** अपि विषं भवति।
ग. वयं नानाविधम् **आहारं** खादामः।
घ. **तक्रम्** उदररोगाणां दूरीकरोति।
ङ. इदं तृषां शमयति क्षुधां च **वर्धयति**।
च. **तक्रम उदररोगे पाण्डु रोगे** च इदं विशेषण हितकरम्।

3. निम्नलिखितेभ्यः वाक्येभ्यः क्रियापदानि चित्वा लिखत।

उत्तरम्– क. खादामः। ख. शमयति, वर्धयति।
ग. करोति। घ. वर्धयति, नाशयति, करोति।
ङ. पोषयति। च. नाशयति।

4. विलोमपदानि लिखत।

उत्तरम्–

शीतं	= **उष्णं**	पोषयति	= **नाशयति**	मधुरं	= **कटुः**
अमृतम्	= **विषं**	दूरी करोति	= **उत्पाद्यति**	नाशयति	= **पोषयति**
विषं	= **अमृतं**	लाभकरं	= **हानिकारकं**		

5. सन्धि विच्छेदं कुरुत।

उत्तरम्–

नानाविधम्	= **नाना + विधम्**	बुद्धिवर्धकं	= **बुद्धि + वर्धकं**
उदररोगान्	= **उदर + रोगान्**	विधिपूर्वकं	= **विधि + पूर्वकं**
सहस्त्रगुणितं	= **सहस्त्र + गुणितं**	मात्रानुसारं	= **मात्रा + अनुसारं**

6. संस्कृते अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. वयं नाना विधम् आहारं खादामः। ख. दधि सर्वथा लाभपद्रम् अस्ति।
ग. इदं कृशताम् दूरी करोति। घ. दधि नक्तं न भुञ्जीत्।

7. हिन्द्याम् अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. गाय का दूध बुद्धि को बढ़ाने वाला होता है।
ख. छाछ (मट्ठा) पेट के रोगों को दूर करता है।
ग. छाछ पीलिया रोग में विशेष रूप से लाभदायक है।
घ. घी हजार गुणा लाभदायक होता है।

ङ. मक्खन हृदय को मजबूत करता है।

च. उचित मात्रानुसार भोजन करना चाहिए।

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

2 असत्यस्य परिणामः

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. गोपालकस्य नाम रामः आसीत्।

ख. वने व्याघ्राः सिंहाः बहवः हिंसकाः पशवः बहवः पक्षिणश्च वसन्ति स्म।

ग. गोपालकस्य सहायतार्थं बहवः कृषकाः आगच्छन्।

घ. ''सिंह! सिंहः! परित्राणाय! परित्राणाय!'' इति शब्दं गोपालकः अकारोत्।

ङ. सिंहः गोपालकं (रामं) कृतवान्।

च. गोपालकः असत्यवादनस्य फलं प्राप्तवान्।

2. रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. तस्य नाम **रामः** आसीत्।

ख. गोपालकस्य वचनं **श्रुत्वा** बहवः कृषकाः आगच्छन्।

ग. अहं तु केवलम् **उपहासं** करोमि।

घ. **अपरास्मिन्** दिने अपि रामः तदैव **अकरोत्**।

ङ. तस्य स्वरं **श्रुत्वा** अपि **तत्र** न आगच्छन्।

3. वाक्यनिर्माणं कुरुत।

उत्तरम्–

आसीत्	=	एकस्मिन् वने एकः सिंहः **आसीत्**।
स्म	=	एकस्मिन् आश्रमें एकः ऋषिः वसति **स्म**।
सह	=	सीता रामेण **सह** वनं गतवती।
श्रुत्वा	=	गोपालकस्य वचनं **श्रुत्वा** बहवः कृषकाः तस्य रक्षार्थं आगतवन्तः।
अहं	=	**अहं** प्रतिदिन विद्यालयं गच्छामि।
तदैव	=	अपरास्मिन् दिने अपि गोपालकः **तदैव** अकरोत्।
मुहुर्मुहुः	=	एवं गोपालकः **मुहुर्मुहुः** उपहासं करोति स्म।

4. संस्कृते अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. रामः प्रतिदिनं वने गोपालकैः सह गच्छति स्म।

ख. तत्र वने बहवः पशवः, पक्षिणः, सिंहाः च वसन्ति स्म।

ग. एकदा रामः पशून चारयति स्म।

घ. सः उच्चै अवदत्—''सिंह, सिंह!, परित्राणाय! परित्रणाय।''

ङ. तदा सिंहः रामं हतवान्।

5. परस्परमेलनं कुरुत।

उत्तरम्–

तत्र	खूँखार
नित्वा	बोला
दृष्टवा	वहाँ
तदैव	खेत से
हिंसक:	वैसा ही
उवाच	लेकर
क्षेत्रात	देखकर

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

3 खागानां संसारः

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानां उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. मयूरस्य पक्षा: चित्रवर्णा सन्ति।

ख. मयूरस्य कण्ठ: अतीव मनोहर नील वर्ण च अस्ति।

ग. काक: कृष्णवर्ण: अस्ति।

घ. पिक: सुमधुरं कूजति।

ङ. शुक: मधुराणि फलानि खादति।

च. बक: श्वेतवर्ण: भवति।

छ. हंसस्य गति: शोभना अस्ति।

2. रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. मयूर: **उपवनेषु** वसति।

ख. पिक: **सुमधुरं** कूजति।

ग. पिकस्य स्वरो **मधुरो** भवति।

घ. हंसस्य गति: **शोभना** अस्ति।

ङ. मयूर: **सर्पं** भक्षयति।

च. हंस: **मत्स्यान्** भक्षयति।

छ. **हंस** नीरक्षीरविवेकी कथ्यते।

3. उचिते कथने (✓) चिह्नं नियोजयत।

उत्तरम्– क. (✓) ख. (✓) ग. (✓) घ. (✓) ङ. (✗) च. (✗)

4. विपरीतार्थक पदानि लिखत।

उत्तरम्–

सुन्दर:	=	**कुरूपम्**	कृष्ण:	=	**श्वेत: (शुक्ल:)**
खग:	=	**पशु:**	मधुर:	=	**कटु:**
शत्रु:	=	**मित्रम्**	शोभनं	=	**अशोभनं**

5. निमतेभ्य: शब्देभ्य: विशेषणानि चित्वा लिखत।

उत्तरम्–

सुन्दर: खग	=	**सुन्दर:**	मधुरं फल	=	**मधुरं**
नीलवर्ण: कण्ठ:	=	**नीलवर्ण**	सुमधुरं कूजति	=	**सुमधुरं**
अतीव मनोहर:	=	**अतीव**	शोभनं खग:	=	**शोभनं**
हरितवर्ण: शुक:	=	**हरितवर्ण:**	लोहिता चञ्चु	=	**लोहिता**
श्वेतवर्ण: हंस:	=	**श्वेतवर्ण:**	श्वेत: बक:	=	**श्वेत:**

6. उचित मेलन कुरुत।

उत्तरम्–

मयूरः	चञ्चुः लोहिता
पिकः	श्वेतः वर्णः
शुकः	मधुरम् कूजति
हंसः	सर्पम् भक्षयति
काकः	कृष्णः वर्णः

7. संस्कृते में अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. एषः पिकः अस्ति।

ख. मयूरः फलानि खादति।

ग. अयं मनुष्यस्य मित्रम् अस्ति।

घ. शुकस्य चञ्चुः लोहिता भवति।

ङ. हंसस्य वर्णः श्वेतः भवति।

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

4 जलमेव जीवनम्

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. नृपः वने आखेटाय गच्छति।

ख. सेवकाः जलम् अन्वेषयन्ति यतोहि राजा पिपासया व्याकुलः आसीत्।

ग. ग्रामीणः जलं लताकुञ्जे कूपात् आनयति।

घ. वारिणः किमपि मूल्यं नास्ति यतोहि तत् अमूल्यम् अस्ति।

ङ. ग्रामीणः पारितोषिकं अतः न स्वीकरोति यतोहि यदा ईश्वरः विना मूल्यं सर्वेभ्यः वारि यच्छति तु वारिणः पारितोषिकम् अहं किमर्थं गृहणयाम्।

2. रिक्त स्थानानि पूरयत

उत्तरम्– क. नृपः **आखेटाय** सेवकैः सह वनमगच्छत्। ख. ''भद्र! तव **घटे** किमस्ति?''

ग. ''वयं सर्वे **पिपासाकुलाः** स्मः।''

घ. ''कोऽपि वारिणः **मूल्यदानं** समर्थः नास्ति।

ङ. वारिणः **अपव्ययं** कदापि न करणीयम्।

3. विपरीतार्थक पदानि लिखत।

उत्तरम्–

नृपः	=	**रङ्कः (दरिद्रः)**	जलम्	=	**स्थलम्**
राजा	=	**रङ्कः**	अर्धं	=	**पूर्णं**
तदा	=	**यदा**	तव	=	**मम**
समीपे	=	**दूरे**	समर्थः	=	**अमसर्थः**
शुद्धं	=	**अशुद्धं**	स्बच्छं	=	**मलिनं**
असम्भवम्	=	**सम्भवम्**	ग्रामम्	=	**नगरं**

4. निम्नलिखितानां वाक्यानां संस्कृते अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. तस्मिन् सरोवरे पर्याप्तं जलमस्ति। ख. जले कमलानि विकसन्ति।

ग. राजा पिपासया व्याकुलः आसीत् जलं विना च सङ्कटे आसीत्।

घ. जलदानम् ईश्वरः सर्वेभ्यः करोति।

ङ. कोऽपि जनः जलस्य मूल्यदाने असमर्थः अस्ति।

5. निम्नलिखितानां क्रियानाम् उदाहरणानुसारं परिचयं ददत।

उत्तरम्–

	क्रियाः	उपसर्ग-धातुः	आत्मनेपदी या परस्मैपदी	लकारः	पुरुषः	वचनम्
क.	अगच्छत्	**गम्**	**परस्मैपदी**	**लङ्**	**प्रथमः**	**एकवचनम्**
ख.	प्रत्यागच्छत्	**प्रति + गम्**	**परस्मैपदी**	**लङ्**	**प्रथमः**	**एकवचनम्**
ग.	यच्छेयम्	**यच्छ्**	**परस्मैपदी**	**विधिलिङ**	**उत्तमः**	**एकवचनम्**
घ.	अपृच्छत्	**पृच्छ्**	**परस्मैपदी**	**लङ्**	**प्रथमः**	**एकवचनम्**
ङ.	आनयामि	**आ + नी**	**परस्मैपदी**	**लट्**	**उत्तमः**	**एकवचनम्**
च.	प्रयच्छति	**प्र + यच्छ्**	**परस्मैपदी**	**लट्**	**प्रथमः**	**एकवचनम्**

6. निम्नलिखितानां शब्दानां सन्धि-विच्छेदं कुरुत।

उत्तरम्–

क.	प्रत्यागच्छन्	=	**प्रति**	+	**अगच्छन्**
ख.	कोऽपि	=	**कः**	+	**अपि**
ग.	ततश्च	=	**ततः**	+	**च**
घ.	नैव	=	**न**	+	**एव**

7. निम्नलिखितानां वाक्यानां हिन्द्यां अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. राजा प्यास से व्याकुल था।

ख. यदि इस समय कोई भी मुझे जल दे दे तो उसे आधा राज्य भी दे दूँ।

ग. यह पानी कहाँ से ला रहे हो?

घ. महोदय! क्या कोई भी जल का मूल्य देने में समर्थ है?

ङ. पानी का अपव्यय कभी मत करो। पानी में दूषित वस्तुएँ भी मत फेंको।

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

5 ज्ञानगङ्गा

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविनः च आयुः, विद्या, यशः बलं च वर्धन्ते।

ख. कार्याणि उद्यमेन सिद्धयन्ति।

ग. परोपकारस्य विषये श्लोके लिखितं यत् वृक्षाः परोपकाराय फलन्ति, नद्यः परोपकाराय वहन्ति गावः परोपकाराय दुग्धं यच्छन्ति, इदं शरीरमपि परोपकाराय एव अस्ति।

घ. प्रियं सत्यं च ब्रूयात्।

ङ. विपत्तौ धैर्यम् उन्नतौ क्षमा, सदसि वाक्पटुता, युद्धे विक्रमः, यशसि विनयः, शास्त्रेषु रुचि: इति महात्मानां प्रकृति अस्ति।

2. निम्नलिखितान् श्लोकान् पूरयत।

उत्तरम्– क. उद्यमेन **हि सिद्ध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।**
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः।।

ख. परोपकाराय **फलन्ति वृक्षाः परोपकाराय वहन्ति नद्यः।**
परोपकाराय दुहन्ति गावः परोपकारार्थमिदं शरीरम्।।

3. संस्कृते अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. अभिवादनशीलस्य वृद्धसेविनश्च आयुः, विद्याः यशः, बलं च वर्धन्ते।

ख. सुप्तस्य सिंहस्य मुखे मृगः न प्रविशति। ग. नद्यः परोपकाराय वहन्ति।

घ. वृक्षाः परोपकाराय फलन्ति। ङ. अप्रियं सत्यं न ब्रूयात्।

4. निम्नलिखितानां वाक्यानां हिन्द्यामनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. प्रतिदिन बड़ों की सेवा करने वाले और अभिवादन करने वालों की।

ख. आयु, विद्या (ज्ञान), यश और बल ये चार चीजें बढ़ती हैं।

ग. पेड़ परोपकार के लिए फलते हैं, नदियाँ परोपकार के लिए बहती हैं।

घ. सत्य बोलना चाहिए, प्रिय (प्यारा) बोलना चाहिए, कड़आ सत्य नहीं बोलना चाहिए।

ङ. न ही प्रिय झूठ बोलना चाहिए, यही सनातन धर्म है।

6. निम्नलिखितानां श्लोकानां भावार्थं लिखत।

उत्तरम्– भावार्थ–

क. परिश्रम से ही कार्य सफल होते हैं अर्थात् पूरे होते हैं; केवल मनोकामना (इच्छा) करने से नहीं। क्योंकि सोए हुए शेर के मुँह में पशु स्वयं प्रवेश नहीं करते अर्थात् उसे परिश्रम ही करना पड़ता हैं।

ख. सत्य बोलना चाहिए, प्रिय (प्यारा) बोलना चाहिए कड़ुआ या कटु सत्य नहीं बोलना चाहिए और न ही प्रिय झूठ बोलना चाहिए यही सनातन धर्म है।

ग. पेड़ परोपकार के लिए फलते हैं, नदियाँ परोपकार के लिए ही बहती हैं। गायें परोपकार के लिए ही दुहती है (दूध देती हैं) यह शरीर परोपकार के लिए ही (बना) है।

7. सन्धिविच्छेद कुरुत

उत्तरम्–

परोपकारार्थमिदं	=	**परोपकारार्थम्**	+	**इदं**
सत्यमप्रियम्	=	**सत्यम्**	+	**अप्रियम**
नानृतम्	=	**न**	+	**अनृतम्**
चाभिरुर्चिव्यसनं	=	**च**	+	**अभिरुर्चिव्यसनं**
सिद्धिमिदम्	=	**सिद्धम्**	+	**इदम्**
आयुर्विद्या	=	**आयुः**	+	**विद्या**

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

6 अस्माकं राष्ट्रपुष्पम्

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. अस्माकं राष्ट्रपुष्पस्य नाम कमलम् अस्ति।

ख. कमलस्य उत्पत्ति पङ्के भवति।

ग. कमलस्य सौन्दर्यम् अद्भुतं भवति।

घ. पङ्केऽपि उत्पन्नं कमलं स्वगुणैः मानं प्राप्नोति।

ङ. कमलस्य वर्णः रक्तः भवति।

च. कमलस्य तिस्रः शिक्षाः सन्ति—वयं ज्ञानेच्छुकाः भवेम अज्ञानात् च दूरे तिष्ठेम्; संस्कारः प्रधानः गुणः प्रधानः, कुलं न तथा वयपि कमलमिव देशभक्ताः भवेम।

2. रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. कमलस्य **सौन्दर्यम्** अद्भुतं भवति। ख. कमले बहवः **गुणाः** सन्ति।

ग. **सूर्यस्य प्रकाशेन** एतत् विकसति। घ. कुलं प्रधानं न **संस्कारः** प्रधानः।

ङ. अयं गुणः देशभक्तिं सिद्धयति।

च. वयमपि कमलमिव **देशभक्ताः** भवाम।

3. निम्नलिखितानां वाक्यानां संस्कृते अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. कमलम् अस्माकं राष्ट्रीय पुष्पमस्ति।

ख. कमलस्य सौन्दर्यम् अद्भुतम् अस्ति। ग. प्रकाशे सह स्नेहः अस्ति।

घ. सूर्यस्य प्रकाशेन एतत् विकसति। ङ. वयम् अपि ज्ञानेच्छुकाः भवेम।

च. कुलं प्रधानं न,संस्कारः प्रधानः गुणः प्रधानः च।

छ. अयं गुणः देशभक्तिं सिद्धयति।

4. सम्यक्तया मेलयत।

उत्तरम्–

क.	पुष्पम्	**(ii)**	**लतायाम्**
ख.	तिलकम्	**(iii)**	**मस्तके**
ग.	कमलम्	**(iv)**	**जले**
घ.	सूर्यः	**(i)**	**आकाशे**

5. सन्धिविच्छेदं कुरुत।

उत्तरम्–

कमलमस्ति	=	**कमलम्**	+	**अस्ति**
अस्ताचलम्	=	**अस्त**	+	**अचलम्**
ज्ञानेच्छुकाः	=	**ज्ञान**	+	**इच्छुकाः**
भूत्वाऽपि	=	**भूत्वा**	+	**अपि**
स्थित्वाऽपि	=	**स्थित्वा**	+	**अपि**
वयमपि	=	**वयम्**	+	**अपि**

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

7 चतुरः श्रृगालः

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. श्रृगाल: प्रतिदिनं वने इतस्तत: भोजनम् अन्वेषयन् भ्रमति स्म मित्रै: सह च आलपति स्म।

ख. सिंह: गुहायां प्रविशति श्रृगालं च खादितुं विचारयति।

ग. शिलारूपणे सिंह: वदति यत् आगच्छ वत्स! स्वागतं, कथं चिरेण आगच्छसि इति।

घ. चतुर: श्रृगाल: आसीत् यतोहि स: चातुर्येण एव प्राणान् रक्षति।

ङ. यस्य बुद्धिः तस्य बलं भवति। इति कथाया: सन्देशं अस्ति।

2. रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. सिंह: गुहायां **श्रृगालस्य** प्रतीक्षां करोति।

ख. श्रृगाल: **उपाय:** चिन्तयति।

ग. सिंह: शिलारूपेण **सम्भाषणं** करोति।

घ. श्रृगाल: **सायंकाले** आगच्छति।

ङ. यदि अहम् **अनत:** प्रविशामि, मम **मृत्युः** निश्चित:।

3. निम्नलिखितानां वाक्यानां हिन्द्यामनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. वन में एक गीदड़ रहता था। ख. उस वन में एक बड़ी चट्टान थी।

ग. उसमें एक गुफा थी। घ. शाम के समय गीदड़ आता है।

ङ उसके मन में शंका होती है। च. जिसकी बुद्धि, उसका बल।

4. निम्नलिखितेषु वाक्येषु-प्रयुक्तानि रञ्जितपदानि संशोधयत।

उत्तरम्– क. श्रृगाल: **वने** इतस्तत: भ्रमति। ख. सिंह: **श्रृगालस्य** प्रतीक्षां करोति।

ग. श्रृगाल: तूष्णीं **अतिष्ठत्**। घ. अहं तु अद्य **क्षुधितः** मरिष्यामि।

ङ. सिंह: **शिलारूपेण** सम्भाषणं करोति।

5. एकस्मिन् शब्दे उत्तरं ददत।

उत्तरम्– क. शिला। ख. शिलायाम्। ग. गुहायाम्।

घ. सायंकाले। ङ. सिंह:

6. कोष्ठकात् उचितविभक्तिपदं चित्वा रिक्तस्थाने लिखत।

उत्तरम्– क. स: **मित्रैः** सह आलपति।

ख. सिंह: **गुहायां** प्रविशति।

ग. स: **श्रृगालस्य** प्रतीक्षां करोति।

घ. भो शिले! त्वं मम **स्वागतं** करोषि।

ङ. श्रृगाल: **गुहाया**: अभ्यान्तरे न गच्छति।

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

8 सत्यमेव जयते

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. धेनुः एकस्मिन् ग्रामे वसति स्म। ख. धेनुः सायं गृहम् आगच्छति स्म।
ग. 'त्वं गृहं गच्छ' इति व्याघ्रः अवदत्। घ. धेनुः सानन्दं गृहम् आगच्छत्।
ङ. धेनोः विजयः सत्यतया अभवत्।

2. रेखाङ्कितान् शब्दान् संशोधयत।

उत्तरम्– क. सीतया ख. परिश्रमं ग. कर्णाभ्यां
घ. तडागे। ङ. निर्धनेभ्यः च. श्रीकृष्णाय।

3. निम्नलिखितेषु प्रत्येकेषु वाक्येषु कर्ता, कर्मक्रियां परिचिनुत।

उत्तरम्–

वाक्यम्	कर्ता	कर्म	क्रिया
क. अहं मांसं खादिष्यामि।	**अहं**	**मांसं**	**खादिष्यामि**
ख. भवान् मां खादतु।	**भवान्**	**मां**	**खादतु**
ग. कः दुग्धं पास्यति?	**कः**	**दुग्धं**	**पास्यति**
घ. व्याघ्रः ताम् अत्यजत्।	**व्याघ्रः**	**ताम्**	**अत्यजत्।**
ङ. भवान् मां त्यजतु।	**भवान्**	**मां**	**त्यजुतः**
च. वत्सः वनं गच्छति स्म।	**वत्सः**	**वनं**	**गच्छति स्म**

4. उचितं शब्दं चित्वा रिक्त स्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. भवान् **विमानेन** लक्ष्मणपुरं गच्छतु।
ख. पितामहः **बालकेभ्यः** मोदकानि आनयत्।
ग. भवान् अत्र **शोभनां** वाटिकां पश्यतु।
घ. गङ्गा **हिमालयात्** निःसरति।
ङ. एतत् **गणेशस्य** मन्दिरम् अस्ति।
च. सूर्यः **पश्चिमदिशायाम्** अस्तं गच्छति।

5. निम्नलिखितानां वाक्यानां हिन्द्यामनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. एक वन में एक गाय थी।
ख. वह वन से दूर घास चरने के लिए जाती थी।
ग. अचानक रास्ते में एक बाघ आ गया।
घ. गाय निडर थी।
ङ. परंतु मैं फिर यहाँ आ जाऊँगी।

6. निम्नलिखितैः शब्दैः वाक्यानि रचयत।

उत्तरम्– क. एकः — वने **एकः** व्याघ्रः आसीत्।
ख. दुग्धम् — धेनोः **दुग्धं** मधुरं पौष्टिकं भवति।
ग. सत्यम् — **सत्यम्** एव जयति।
घ. विजयः — सत्यतया धेनोः **विजयः** अभवत्।

ङ. सानन्दम् धेनुः **सानन्दं** स्वगृहम् आगच्छत्।

7. संस्कृते अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. तस्याः एकः वत्स आसीत्। ख. अहं बुभुक्षितः।

ग. तव वचने कः विश्वासः? घ. व्याघ्रं विश्वासः न आसीत्।

ङ. सत्यबलेन तव विजयः अभवत्।

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

9 दुर्जनः परिहर्तव्यः

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. खलः सर्षप इव परच्छिद्राणि पश्यति।

ख. विद्ययाऽङ्कृतः दुर्जनः परिहर्तव्यः।

ग. गजः स्पृशन् हन्ति।

घ. पदे पदे दुर्जनः दशति।

ङ. दुर्जनानां सङ्गः सदा हानिकारकः भवति यतोहि दुर्वृत्तं सः करोति, फलं सङ्गस्थः भुङ्क्ते।

2. रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. दुर्जनः परिहर्तव्यः **विद्ययाऽलङ्कृतोऽपि** सन्।
मणिना भूषितः सर्पः **किमसौ न** भयङ्करः।।

ख. खलः करोति **दुर्वृत्तं नूनं फलति साधुषु**।
दशाननो—हरत् **सीतां बन्धनं स्यान्महोदधेः**।।

3. शब्दार्थान् मेल्यत।

उत्तरम्–

क.	पश्यति	(i)	कदम-कदम पर
ख.	परिहर्तव्य	(ii)	घिरा हुआ
ग.	पदे पदे	(iii)	बचना चाहिए
घ.	पश्यन्	(iv)	छूते हुए
ङ.	परिवृतः	(v)	देखता है।
च.	स्पृशन्	(vi)	देखते हुए भी

4. भावार्थं लिखत।

उत्तरम्– क. **भावार्थ** = विद्या से अलंकृत अर्थात् ज्ञानवान दुर्जन (दुष्ट व्यक्ति) से बचना चाहिए अर्थात दुष्टं की संगति को छोड़ देना चाहिए। क्या मणि से सुशोभित साँप भयंकर नहीं होता है? अर्थात् वह भी मृत्यु का कारण बन जाता है।

ख. **भावार्थ** = दुर्जन सरसों के दाने के समान दूसरों के छिद्रों अर्थात् कमियों को देखता है। किंतु अपनी बेलपत्थर के समान (बड़ी से बड़ी) कमी को देखते हुए भी नहीं देखता है।

5. **सन्धिविच्छेदं कुरुत।**

उत्तरम्– किमसौ = **किम् + असौ** पश्यन्नपि = **पश्यन् + अपि**

महोदधेः = **महा + उदधेः** अलङ्कृतोऽपि = **अलङ्कृत + अपि**

6. **निम्नलिखितानां शब्दानां विभक्तिं वचनञ्च लिखत।**

उत्तरम्–

	शब्दः		विभक्तिः	वचनम्
क.	सर्पः	=	**प्रथमा**	**एकवचनम्**
ख.	खलात्	=	**पञ्चमी**	**एकवचनम्**
ग.	गजौ	=	**प्रथमा/द्वितीया**	**द्विवचनम्**
घ.	नृपाय	=	**चतुर्थी**	**एकवचनम्**
ङ.	साधुषु	=	**सप्तमी**	**बहुवचनम्**

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

10 शरदोत्सवः

अनुशीलनम्

1. **निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।**

उत्तरम्– क. अस्माकं देशे सूर्यम् चन्द्रं वृक्षादीन् च देवरूपेण स्वीकृत्य पूजनस्य परम्परा अस्ति।

ख. अस्यां रात्रौ जनाः पायसं पचन्ति।

ग. शरद्-उत्सवस्य विषये इयं लोकमान्यता वर्तते यत् अस्यां रात्रौ चन्द्रेण स्वकिरणैः अमृतं किमपि विशिष्टं वा प्रसार्यते।

घ. सर्वैः सह प्रेम्णा व्यवहर्तव्यः इति अयम् उत्सवः सन्देशं प्रददाति।

2. **रिक्तस्थानानि पूरयत।**

उत्तरम्– क. अस्माकं देशः **प्रकृतिपूजकः** अस्ति।

ख. कवयः **चन्द्रस्य** वर्णनम् अवश्यमेव कुर्वन्ति।

ग. अस्यां रात्रौ चन्द्रः **स्वपूर्णकलाभिः** सह उदयति।

घ. सोत्साहं प्रेम्णा च इमम् उत्सवं **प्रतिवर्षं जनाः** आचरन्ति।

ङ. सर्वैः सह **प्रेम्णा** व्यवहर्तव्यः।

3. **संस्कृते अनुवादं कुरुत।**

उत्तरम्– क. अस्माकं देशः प्रकृतिपूजकः अस्ति।

ख. कवयः चन्द्रस्य वर्णनम् अवश्यमेव कुर्वन्ति।

ग. चन्द्रः स्वपूर्णकलाभिः सह उदयति।

घ. चन्द्रः प्रेम्णः आधारः अस्ति।

ङ. तस्मिन् शैतय, पावनत्वम, सौन्दर्यम् इत्यादयः अनेके गुणाः सन्ति।

4. **निम्नलिखितानां शब्दानां वाक्यप्रयोगं कुरुत।**

उत्तरम्– क. पूजकः = अस्माकं भारतदेशः प्रकृति**पूजकः** अस्ति।

ख. वर्णनम् = कवय: चन्द्रस्य **वर्णनम्** अवश्यं कुर्वन्ति।

ग. उत्सव: = अयम् **उत्सव:** प्रेम्ण: सन्देशं प्रददति।

घ. मिलित्वा = इमम् उत्सवं सर्वे जना: **मिलित्वा** सोत्साहम् आयोजयन्ति।

ङ. आधार: = शरद् उत्सव: प्रेम्ण: **आधार:** अस्ति।

5. प्रत्ययान् पृथक् कुरुत।

उत्तरम्– स्वीकृत्य	=	**ल्यप्**	अवलोकयितुम्	=	**तुमुन**
पक्त्वा	=	**क्त्वा**	मिलित्वा	=	**क्त्वा**

6. निम्नलिखितानां शब्दानामर्थान् लिखत।

उत्तरम्– अस्माकम्	=	**हमारा**	प्रेम्ण:	=	**प्रेम का**
अवलोकयितुम्	=	**देखने के लिए**	किरणै:	=	**किरणों से**

7. निम्नलिखितानां शब्दानां लिङ्गम्, वचनं विभक्तिं च लिखत।

उत्तरम्–

शब्द:		**लिङ्गम्**	**वचनम्**	**विभक्ति:**
क. देश:	=	**पुंल्लिङ्गम्**	**एकवचनम्**	**प्रथमा**
ख. अस्माकम्	=	**उभयलिङ्गम्**	**बहुवचनम्**	**षष्ठी**
ग. कलाभि:	=	**स्त्रीलिङ्गम्**	**बहुवचनम्**	**तृतीया**
घ. साहित्ये	=	**पुंल्लिङ्गम्**	**एकवचनम्**	**सप्तमी**
ङ. चन्द्रम्	=	**पुंल्लिङ्गम्**	**एकवचनम्**	**द्वितीया**

क्रियाकलाप:

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

11 चतुर: वानर:

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. वानर: जम्बूवृक्षस्य शाखायां वसति स्म।

ख. मकर: जम्बूफलानि स्वभार्यायै दत्तवान्।

ग. मकरस्य पत्नी मकरम् उक्तवती—''अहो! अति मधुराणि इमानि फलानि परम् अधुना अहं जम्बूफलानि न खादिष्यामि। अहं तु तस्य वानरस्य मधुरं हृदयं भक्षिष्यामि।''

घ. नदीमध्ये आगत्य मकर: अकथयत् यत्—''मित्र! मम भार्या त्वां गृहे निमन्त्रितवती। आगच्छ मम पृष्ठे उपविश, अहं त्वां नयामि।''

ङ. नदीमध्ये मकरस्य वार्तां श्रुत्वा वानर: स्वचातुर्येण प्राणान् रक्षति।

2. रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. तस्य **शाखायाम्** एक: वानर: वसति स्म।

ख. वानर: तस्मै **मकराय** पक्वानि **जम्बूफलानि** दत्तवान्।

ग. मम भार्या त्वां **गृहे** निमन्त्रितवती।

घ. मम हृदयं वृक्षस्य **शाखायाम्** अस्ति।

ङ. मकर: **निराशो** भूत्वा स्वगृहं गतवान्।

3. अधोलिखितानि वाक्यानि शुद्धानि कुरुत।

उत्तरम्– क. एकस्या: नद्या: तटे एका जम्बूवृक्ष: आसीत्।

ख. मकरस्य कृते पक्वानि फलानि सन्ति। ग. तस्य भार्या मकरं प्रति उक्तवती।

घ. मकर: वानरंरस्य पृष्ठे उपवेशयति। ङ. अहं त्वां तत्र नयामि।

4. निम्नलिखितानां शब्दानां पर्यायवाचीशब्दा: लिखत।

उत्तरम्–

क.	वृक्ष:	=	**तरु:**	**विटप्**	**शाखिन्**
ख.	वानर:	=	**मर्कट:**	**कपि:**	**हरि:**
ग.	गृहम्	=	**सदनम्**	**भवनम्**	**आलय:**
घ.	नदी	=	**सरिता**	**निर्झरिणी**	**तरङ्गिगी**
ङ.	भार्या	=	**पत्नी**	**कान्ता**	**सहधर्मिणी**
च.	मित्र	=	**सखा**	**सुहृदय**	**स्नेहित:**
छ.	गृहम्	=	**भवनम्**	**आलय:**	**सदनम्**

5. निम्नलिखितै: शब्दै: वाक्यानि रचयत।

उत्तरम्–

जम्बूवृक्ष:	=	मम उद्याने एक: **जम्बूवृक्ष:** अस्ति।
मकर:	=	एक: **मकर:** नद्या: तटम् आगत:।
नद्यावटे	=	एकस्या: **नद्यातटे** एक जम्बूवृक्ष आसीत्।
वानर:	=	जम्बूवृक्षस्य शाखायाम् एक: **वानर:** वसति स्म।
भक्षिष्यामि	=	अद्य अहं सेवफलम् **भक्षिष्यामि**।
इमानि	=	**इमानि** फलानि तु अति मधुराणि सन्ति।
त्वां	=	मकर: वानरम् अकथयत्—यत् मम भार्या **त्वां** गृहे निमन्त्रितवती।

क्रियाकलाप:

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

12 विद्यार्थी जीवनम्

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानां उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. छात्रजीवनं मानवजीवनस्य स्वर्णकालम् अस्ति।

ख. सर्वाणि सुखानि विहाय विद्याया अध्ययनमेव छात्रस्य कर्तव्यं भवेत्।

ग. आत्मविश्वास: विद्यार्थिन: जीवनस्य मुख्य: उद्देश्य: अस्ति।

घ. काकवत् चेष्टा, बकवत् ध्यानम्, श्वानवत् निद्रा, अल्पाहारं गृहत्यागं चेति पञ्चलक्षणानि सन्ति विद्यार्थिन:।

ङ. स्व कर्तव्यं पालयन् विद्यार्थी परमोन्नतिं प्राप्नोति।

2. रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. छात्रजीवनं मानवजीवनस्य **स्वर्णकालम्** अस्ति।

ख. **विद्याध्ययनं** विद्यार्थीजीवनस्य प्रथमं कर्तव्यम् अस्ति।

ग. आत्मविश्वासः विद्यार्थिनः मुख्य **उद्देश्यः** अस्ति।

घ. विद्यार्थी सदैव **काकवत्** चेष्टां कुर्यात्।

ङ. **अधिकाहारेण** आलस्यं भवति।

3. निम्नलिखितैः शब्दैः वाक्यानि रचयत।

उत्तरम्– क. निर्माणम् = छात्रजीवने एव मानवजीवनस्य **निर्माणं** भवति।

ख. सदैव = विद्याप्राप्त्ये छात्रः **सदैव** प्रयत्नशीलः तिष्ठेत्।

ग. सदुपयोगः = छात्रः सदा समयस्य **सदुपयोगः** कुर्यात्।

घ. आलस्यम् = **आलस्यं** छात्रस्य महान् शत्रुः अस्ति।

ङ. जीवनस्य = छात्रः**जीवनस्य** सुखानि विहाय विद्यां प्राप्नुयात्।

4. विलोमपदानि लिखत।

उत्तरम्– क. प्रथमम् = **अन्तिमम्** ख. सुखानि = **दुःखानि**

ग. सदुपयोगः = **दुरुपयोगः** घ. अल्पम् = **अधिकम्**

5. बहुवचने परिवर्तयत।

उत्तरम्– क. जीवनस्य = **जीवनानाम्** ख. काले = **समयेषु**

ग. गुरुणा = **गुरुभिः** घ. सुखम् = **सुखानि**

6. सन्धिविच्छेदं कुरुत।

उत्तरम्– क. स्वर्णकालम् = **स्वर्ग** + **कालम्**

ख. तेनैव = **तेन** + **एव**

ग. तस्याज्ञया = **तस्य** + **आज्ञया**

घ. दुरुपयोगः = **दुर्** + **उपयोगः**

7. संस्कृतेअनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. छात्र जीवनं मनुष्यस्य स्वर्णकालं भवति।

ख. अध्ययनकालः तपस्याकालः एवास्ति।

ग. समयस्य दुरुपयोगः कदापि न कर्तव्यः।

घ. छात्रः श्वानवत् निद्रास्थः भवेत्।

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

13 कल्पना चावला

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. 2003 तमे वर्षे फरवरी मासस्य प्रथमे दिने कोलम्बिया नाम अन्तरिक्षयानं दुर्घटनाग्रस्तम् अभवत्।

ख. भारतस्य प्रथमा वैज्ञानिक अभियन्त्री कल्पना चावला आसीत्।

ग. कल्पना चावलायाः अभिलाषा अन्तरिक्षयात्रिणी भवितुम् आसीत्।

घ. सा कोलम्बिका अन्तरिक्षयानेन यात्रां करोति स्म।

ङ. कल्पना अमेरिकादेशस्य कोलोरेडो विश्वविद्यालये शोध-कार्यम् अकरोत्।

2. रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. **दूरदर्शनं** तस्याः यात्रायाः अन्तिमचरणस्य **विवरणं** प्रसारयति।

ख. कल्पना चावला **स्वसहयात्रीभिः** सह अन्तरिक्षे अग्नेः **ज्वालासु** विलुप्ता जायते।

ग. कल्पना चावलायाः जन्म **करनाल** नगरे **1961** तमे वर्षे अभवत्।

घ. बाल्यकालात् एव **ग्रहाः नक्षत्राणि च** ताम् आकर्षयन्ति स्म।

ङ. सा **साफल्यस्य पथप्रदर्शिका** भास्करं नक्षत्रं वर्तते।

4. निम्नलिखितानां शब्दानां विभक्तिं वचनञ्च लिखत।

उत्तरम्–

	शब्दः	**विभक्तिः**	**वचनम्**
क.	मासस्य	**षष्ठी**	**एकवचनम्**
ख.	छात्राः	**प्रथमा**	**बहुवचनम्**
ग.	दूरदर्शनम्	**प्रथमा**	**एकवचनम्**
घ.	अन्तरिक्षे	**सप्तमी**	**एकवचनम्**
ङ.	बाल्यकालात्	**पञ्चमी**	**एकवचनम्**
च.	प्रथमे	**सप्तमी**	**एकवचनम्**

5. सन्धि-विच्छेदं कुरुत।

उत्तरम्–

क.	प्रत्यागमिष्यति	=	**प्रति**	+	**आगमिष्यति**
ख.	शोकाकुलम्	=	**शोक**	+	**आकुलम्**
ग.	विद्यालये	=	**विद्या**	+	**आलये**
घ.	परमाभिलाषा	=	**परम**	+	**अभिलाषा**
ङ.	अध्यवसायेन	=	**अधि**	+	**अवसायेन**
च.	सादरम्	=	**स**	+	**आदरम्**

6. निम्नलिखितानां शब्दानां वाक्येषु प्रयोगं कुरुत।

उत्तरम्–

क.	खलु	=	कल्पना चावला **खलु** अस्माकं कृते प्रेरणादायिका अस्ति।
ख.	सर्वदा	=	कल्पना चावलां **सर्वदा** ग्रहनक्षत्राणि आकर्षयन्ति स्म।
ग.	अद्य	=	**अद्य** उत्सवस्य वातावरणम् अस्ति।
घ.	अधुना	=	**अधुना** वृष्टिः भवति।
ङ.	अचिरम्	=	कल्पना चावलायाः यशः सर्वत्र **अचिरं** अप्रसार्यत्।
च.	सुयोग्या	=	कल्पना चावला **सुयोग्या**: महिला आसीत्।

7. समानार्थकान् शब्दान् मेलयत।

उत्तरम्–

क.	दिवसः	(i)	इच्छति
ख.	छात्रः	(ii)	इच्छा
ग.	पुत्री	(iii)	वासरः
घ.	वाञ्छति	(iv)	विद्यार्थी
ङ	अभिलाषा	(v)	सुता

(क–iii, ख–iv, ग–v, घ–i, ङ–ii)

8. **संस्कृते अनुवादं कुरुत।**

उत्तरम्– क. अहम् अन्तरिक्षयात्रिणी भविष्यामि।

ख. कल्पना चावला अग्नेः ज्वालासु विलुप्ता अभवत्।

ग. बाल्यकालात् एव तां ग्रहनक्षत्राणि आकर्षयन्ति स्म।

घ. सा स्वयोग्यताबले स्वप्नं साकारं कृतवती।

ङ. सा अस्माकं कृते मार्गदर्शिकाः इव अस्ति।

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

14 होलिकोत्सवः

अनुशीलनम्

1. **निम्नलिखितानां प्रश्ननाम् उत्तराणि लिखत।**

उत्तरम्– क. 'होली' इति प्रमुखोत्सवः प्रमुखः।

ख. अस्मिन् उत्सवे सर्वे जनाः परस्परं मिलित्वा तृणानि काष्ठानि च एकत्रीकृत्य रात्रौ होलिकादाहं कुर्वन्ति।

ग. प्रहलादः हिरण्यकश्यपस्य पुत्रः आसीत्।

घ. अग्नौ होलिका भस्मीभूता अभवत् यतोहि सा विष्णु भक्त प्रहलादं भस्मी कर्तुम् इच्छति स्म। भगवद् भक्तं न कोऽपि मारयितुं शक्नोति।

ङ. होलिकायाः द्वितीयदिवसे जनाः महता आमोदेन प्रमोदेन च रङ्गैः क्रीडित्वा होलिकोत्सवं सम्पादयन्ति।

च. होलिकायाः उत्सवः अतः धन्यः यतोहि वैरभावं विहाय सर्वे एव कण्ठग्राहं परस्पर मिलन्ति।

2. **सन्धिं कुरुत।**

उत्तरम्–

विविध	+	उत्सवः	=	**विविधोत्सवः**
हर्ष	+	उल्लासेन	=	**हर्षोल्लासेन**
महा	+	उत्सवेषु	=	**महोत्सवेषु**
धन्यो	+	अयम्	=	**धन्योऽयम**
होलिका	+	उत्सवः	=	**होलिकोत्सवः**
युवत्यः	+	च	=	**युवत्यश्च**

3. **पाठात् पञ्च अव्यय शब्दान् चित्वा संस्कृते वाक्यप्रयोगं कुरुत।**

उत्तरम्–

क. पुरा — **पुरा** हिरण्यकश्यपस्य पुत्रः प्रहलादः विष्णुभक्त आसीत्।

ख. यत् — हिरण्यकश्यपः होलिकाम अथयत् **यत्** त्वं प्रहलादं नीत्वा अग्नौ उपविश।

ग. च — प्रहलादः सुरक्षितः अतिष्ठत् होलिका **च** भस्मीभूता।

घ. सर्वत्र — **सर्वत्र** जनाः नवीनानि वस्त्राणि धारयन्ति।

ङ. यत्र — धन्योऽयम् उत्सवः **यत्र** सर्वे वैरभावं विहाय परस्परं कण्ठग्राहं मिलन्ति।

4. हिन्द्याम् अनुवादं कुरूत।

उत्तरम्– क. भारतदेश में अनेक उत्सव आयोजित किए जाते हैं।

ख. सभी इकट्ठे होकर रात को होलिका दहन करते हैं।

ग. होलिका प्रहलाद को अग्नि में लेकर बैठ गई।

घ. सभी लोग हर्षोल्लास के साथ रंग द्वारा खेलते हैं।

ङ. इस उत्सव पर सभी वैरभाव को छोड़कर आपस में मिलते हैं।

5. पर्यायवाची पदानि लिखत।

त्तरम्–

पुत्रः	**वत्सः**	**तनयः**	वस्त्रम्	**वसनम्**	**चीरम्**
गृहम्	**सदनम्**	**भवनम्**	अग्निः	**वह्निः**	**कृशानुः**
बालः	**शिशुः**	**बालकः**			

6. निम्नलिखितानि वाक्यानि शुद्धानि कुरुत।

उत्तरम्– क. अस्माकं भारतवर्षे विविधोत्सवाः प्रचलिताः सन्ति।

ख. अस्मिन् उत्सवे सर्वे जनाः परस्परं मिलन्ति।

ग. हिरण्यकश्यस्य पुत्रः प्रहलादः आसीत्।

घ. जनाः नूतनानि वस्त्राणि धारयन्ति।

ङ. सर्वे वैरभावं विहाय प्रेम्णा परस्परं मिलन्तिः।

7. क्रियापदानि चित्वा लिखत।

उत्तरम्– क. प्रचलितः सन्ति। ख. वर्तते। ग. कुर्वन्ति।

घ. आसीत्। ङ. भुञ्जन्ते, भोज्यान्ति। छ. विहाय, मिलन्ति।

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

15 स्वामी विवेकानन्दः

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. स्वामी विवेकानन्दस्य जन्म बङ्गप्रान्ते 1863 तमे वर्षे च अभवत्।

ख. स्वामी महाभागेन स्वामि रामकृष्णपरमहंस महोदयस्य शिष्यत्वं गृहीतम्।

ग. अस्य महाभागस्य पितुः नाम विश्वनाथदत्तः आसीत्।

घ. शिकागो नगरे 1893 तमे वर्षे विश्वधर्मसम्मेलनम् अभवत्।

ङ. स्वामी विवेकानन्दस्य उपदेशानांसारः अस्ति यत्—निर्भयः भव। शूरवीरः भव। राष्ट्रदेवः भव। विपन्नदेवः भव। नरस्य सेवा एव नारायणस्य सेवा अस्ति। सम्पूर्णः राष्ट्रः स्नेहसूत्रेण बध्नेत् इति।

2. रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. सः **महापुरुषः** आसीत्।

ख. सः बाल्यकालादेव **प्रतिभावन् धर्मजिज्ञासुः** च आसीत्।

ग. समाजस्य **भेदभावान्** निवारयितुं **जनान्** सम्बोधितवान्।

घ. नरस्य सेवा एव **नारायणस्य** सेवा अस्ति।

ङ. लोकसेवाम् उद्दिश्य **रामकृष्ण मिशन** इत्यस्य स्थापनाम् अकरोत्।

3. संस्कृते अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. स्वामी विवेकानन्दस्य बाल्यकालस्य नाम नरेन्द्रनाथः आसीत्।
ख. स्वामी महोदयेन रामकृष्ण परमहंसस्य शिष्यत्वं गृहीतम्।
ग. सः जनान् भेदभावान् निवारयितुं सम्बोधितवान्।
घ. अनेके जनाः तस्य शिष्याः अभवत्।
ङ. सः निर्धनानां रुग्णानाम् असहायजनानां सेवाम अकरोत्।
च. स्वामी विवेकानन्दः 'रामकृष्ण मिशन' नामिकायाः संस्थायाः स्थापनाम् अकरोत्।

4. निम्नलिखितानां शब्दानाम् अर्थं लिखित्वा वाक्यप्रयोगं कुरुत।

उत्तरम्– क. पितुः = **पिता का**
स्वामिनः विवेकानन्दस्य **पितुः** नाम विश्वनाथदत्तः आसीत्।
ख. शिष्यत्वम् = **शिष्यत्व**
स्वामी विवेकानन्देन रामकृष्णपरमंहसस्य **शिष्यत्वं** गृहीतम्।
ग. जनान् = **लोगों को**
सः **जनान्** भेदभावन् निवारयितुं सम्बोधितवान्।
घ. श्रोतारः = **श्रोता**
तस्मिन् सम्मेलने अनेके **श्रोतारः** आसन्।
ङ. दीनानाम् = **गरीबों का**
यूयं **दीनानां** सहायकाः भवत।
च. उद्घोषः = **घोषणा**
सः भारतीय संस्कृतेः **उद्घोषः** कृतवान्।
छ. सम्मेलने = **सम्मेलन में**
सः विश्वधर्म सम्मेलने भागं ग्रहीतुम् अगच्छत्।

5. निम्नलिखितानां शब्दानां विभक्तिं वचनं च लिखत।

उत्तरम्–

	शब्दः		विभक्तिः	वचनम्
क.	भवान्	=	**प्रथमा**	**एकवचनम्**
ख.	धर्मजिज्ञासु	=	**प्रथमा**	**एकवचनम्**
ग.	ऐक्यभावस्य	=	**षष्ठी**	**एकवचनम्**
घ.	स्नेहसूत्रेण	=	**तृतीया**	**एकवचनम्**
ङ.	दीनानाम्	=	**षष्ठी**	**बहुवचनम्**
च.	सहायतया	=	**तृतीया**	**एकवचनम्**
छ.	वर्षे	=	**सप्तमी**	**एकवचनम्**

6. विपरीतार्थकान् शब्दान् मेलयत।

उत्तरम्–

क.	स्वामी	(i)	अस्वस्थः
ख.	जन्म	(ii)	माता
ग.	धर्मः	(iii)	निर्बलः
घ.	पिता	(iv)	सेवकः
ङ.	भयः	(v)	मृत्युः
च.	स्वस्थः	(vi)	निर्भयः
छ.	सबलः	(vii)	अधर्मः

8. निम्नलिखितानां शब्दानां लिङ्गानि लिखत।

उत्तरम्– नाम	=	**नपुंसकलिङ्गम्**	महापुरुषः	=	**पुंल्लिङ्गम्**
प्रतिभा	=	**स्त्रीलिङ्गम्**	जिज्ञासा	=	**स्त्रीलिङ्गम्**
संस्कृतिः	=	**स्त्रीलिङ्गम्**	सूत्रम्	=	**नपुंसकलिङ्गम्**
राष्ट्रः	=	**पुंल्लिङ्गम्**	स्थापना	=	**स्त्रीलिङ्गम्**

9. कोष्ठकात् शुद्धम् विकल्पं चिनुत।

उत्तरम्– क. सः महाषुरूष **आसीत्**।

ख. सः विवेकानन्दः इति नाम्नः प्रसिद्धः **अभवत्**।

ग. भारतस्य प्रतिनिधिः रूपेण सः तत्र **गतवान्**।

घ. भारतीयसंस्कृत्या प्रचारं-प्रसारं च **कृतवान्**।

ङ. निर्भयः शूरवीरः-राष्ट्रदेवः **भव**।

च. बाल्कालस्य तस्य नाम नरेद्रनाथः **आसीत्**।

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

16 सङ्कल्पः

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. पाठानुसारं एतत् सत्यं यत् आलसस्य विद्या नास्ति।

ख. अद्य प्रभृतिः अहम् अलसः न भविष्यामि। समये पठिष्यामि समये च खेलिष्यामि।' इति सङ्कल्पं विमलः नयति।

ग. अधुना विमलः सर्वं कार्यं स्व सङ्कल्पानुसारं नियमपूर्वकं करोति।

घ. सः प्रतिदिनं नियमेन व्यायामं योग-अभ्यासं वा करोति। यथा समय विद्यालयं गच्छति स्वाध्यायं च करोति।

ङ. विमलस्य दिनचर्यां दृष्ट्वा पितामहः सन्तुष्टः भवति।

2. कोष्ठकात् शुद्धं विकल्पं चिनुत।

उत्तरम्– क. किं त्वं क्रीडित्वा **पठिष्यसि**?

ख. सः पठनाय विदेशं **गमिष्यति**?

ग. छात्राः लेखं **लेखिष्यन्ति**।

घ. किं प्रज्ञा खेलित्वा दुग्धं **पास्यति**?

ङ. जनकः **श्वः** आगमिष्यति।

3. एकपदेन उत्तरत।

उत्तरम्– क. सुखम्। ख. विद्या। ग. विमलम्।

घ. क्रीडित्वा। ङ. रविवासरे।

4. परस्परमेलनं कुरुत।

उत्तरम्–

क. पठ्	(i)	गत्वा
ख. कृ	(ii)	पठित्वा
ग. क्रीड्	(iii)	खादित्वा
घ. गम्	(iv)	क्रीडित्वा
ङ. खाद्	(v)	कृत्वा

(क → ii, ख → v, ग → iv, घ → i, ङ → iii)

5. **तालिकापूर्तिं कुरुत।**

उत्तरम्– क. तौ खेलिष्यतः ते खेलिष्यन्ति

ख. युवां खादिष्यथः यूयं खादिष्यथ

ग. आवां गामिष्याव: वयं गमिष्याम:

6. **निम्नलिखितैः शब्दः वाक्यानि रचयत।**

उत्तरम्– सुखार्थी — **सुखार्थी** वात्यजेत् विद्याम्।

श्लोक: — अध्यापक: छात्रं **श्लोकं** स्मारयति।

आज्ञां — आदित्य गुरो: **आज्ञां** पालयति।

रायनाथ — विमल: दशवादने **शयनाय** गच्छति।

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

17 नदी

अनुशीलनम्

1. **निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।**

उत्तरम्– क. नदी सर्वेभ्य: जीवेभ्य: जलं दत्वा जीवनं प्रददाति।

ख. जलस्य अन्यानि नामानि सन्ति— वारि, उदकम्, अम्बु:, पानीयम्, पयस्, सलिलम्, तोयम्, नीरम्, आप: जीवनं च।

ग. भारतस्य उत्तरभागे शतद्रु:, विपाशा, चन्द्रभागा, इरावती, गङ्गा, यमुना, ब्रह्मपुत्र इति नामिका: प्रमुखा: नद्य: प्रवहन्ति।

घ. भारतस्य दक्षिणभागे कृष्णा कोवेरी नद्यौ प्रवहत:।

ङ. भारतभूमे: तटप्रदेशेषु त्रय: सागरा: सन्ति।

2. **रिक्तस्थानानि पूरयत।**

उत्तरम्– क. पृथिव्यां नदी एकं **रत्नमित्व** अस्ति।

ख. नदी सर्वेभ्य: **जीवेभ्य:** जलं दत्वा **जीवनं** प्रददाति।

ग. जलं विना जीवनम् **नास्ति**। घ. भारत देशे अनेका: **नद्य:** प्रवहन्ति।

ङ. ता: नद्य: पर्वतेभ्य: **निर्झरन्ति**। च. भारतीया: जना: नदीषु **स्नानं** कुर्वन्ति।

3. **संस्कृते अनुवादं कुरुत।**

उत्तरम्– क. पृथिव्या नदी एकं रत्नम् इव अस्ति।

ख. जलं विना जीवनम् असम्भवम् अस्ति।

ग. मेघा अपि जलं वर्षन्ति।

घ. मत्स्य, कूर्म, मकरादय: इत्यादि: जलचरा: नद्यां वसन्ति।

ङ. नदी पर्वतात् निस्सरति। च. जना; एताषु नदीषु स्नानादिंक कुर्वन्ति।

4. **निम्नलिखितानां शब्दानां विभक्तिं वचनञ्च लिखत।**

उत्तरम्–

	शब्दः		विभक्तिः	वचनम्
क.	सरोवरेषु	=	**सप्तमी**	**बहुवचनम्**

ख. क्षेत्राणि	=	**प्रथमा**	**द्वितीया बहुवचनम्**
ग. भारतस्य	=	**षष्ठी**	**एकवचनम्**
घ. नद्यः	=	**प्रथमा**	**बहुवचनम्**
ङ. तटेषु	=	**सप्तमी**	**बहुवचनम्**

5. सन्धिविच्छेदं कुरुत।

उत्तरम्–

अत्यावश्यकम्	=	**अति**	+	**आवश्यकम्**
स्वजलेन	=	**स्व**	+	**जलेन**
उत्तरभागे	=	**उत्तर**	+	**भागे**
शस्यश्यामलान्	=	**शस्य**	+	**श्यामलान्**

6. सम्यक् वाक्ये (✓) इति चिह्नं नियोजयत।

उत्तरम्– क. (✓) ख. (✓) ग. (✓) घ. (✗) ङ. (✓)

7. समानार्थकान् शब्दान् लिखत

उत्तरम्–

नदी	=	**सरिता**	**निर्झरिणी**	जलम्	=	**वारि**	**उदकम्**
तडागः	=	**सरोवरः**	**जलाशयः**	पर्वतः	=	**गिरिः**	**शैलः**
जनः	=	**नरः**	**मानवः**				

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

18 गीतामृतम्

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. जनस्य अधिकारः कर्मणि भवेत्।

ख. धर्मस्य अभ्युत्थाने ईश्वरः आत्मानं सृजति।

ग. आत्मा अजरः अमरः च अस्ति।

घ. शस्त्राणि आत्मानं न छिन्दन्ति।

ङ. आत्मा शरीराणि तथैव धारयति यथा नरः जीर्णानि वस्त्राणि विहाय नवीनानि वस्त्राणि धारयति।

2. रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. **कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु** कदाचन।
मा **कर्मफल हेतुर्भूर्मा ते सङ्गो–स्त्वकर्मणि**।।

ख. परित्राणाय **साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम्।**
धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे।।

ग. वासांसि **जीर्णानि यथा विहाय,**
नवानि **गृह्णाति नरो–पराणि।**
तथा **शरीराणि विहाय जीर्णानि**
अन्यानि संयाति नवानि देही।।

3. निम्नलिखितानां शब्दानां विभक्तिं वचनञ्च लिखत।

उत्तरम्–

	शब्दः		**विभक्तिः**	**वचनम्**
क.	साधूनाम्	=	**षष्ठी**	**बहुवचनम्**
ख.	कर्मणि	=	**सप्तमी**	**एकवचम्**
ग.	फलेषु	=	**सप्तमी**	**बहुवचनम्**
घ.	पावकः	=	**प्रथम**	**एकवचनम्**

4. निम्नलिखितानां वाक्यानां हिन्द्यां अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. हमारा अधिकार केवल कर्म में होना चाहिए।
ख. धैर्यवान् सभी अवस्थाओं में समान रहते हैं।
ग. आत्मा को कोई भी नहीं मार सकता है।
घ. आत्मा भी नया शरीर धारण करती है।
ङ. आत्मा अजन्मा और नित्य सदा रहने वाली है।
च. आत्मा न तो जन्म लेता है और न मरता है।

5. सन्धिं कुरुत।

उत्तरम्–

जीर्णानि	+	अन्यानि	**जीर्णान्यन्यानि**
शाश्वतः	+	अयम्	**शाश्वतोऽयम्**
क्लेदयन्ति	+	आपः	**क्लेदयन्त्यापः**
सृजामि	+	अहम्	**सृजाम्यहम्**

6. सन्धिं विच्छेदं कुरुत।

उत्तरम्–

क.	कर्मण्येव	=	**कर्मणि**	+	**एव**
ख.	अधिकारस्ते	=	**अधिकारः**	+	**ते**
ग.	हेतुर्भू	=	**हेतुः**	+	**भू**
घ.	शाश्वतोऽयं	=	**शाश्वतः**	+	**अयम्**
ङ.	कदाचिन्नायम्	=	**कदाचित्**	+	**न+अयम्**
च.	सृजाम्यहम्	=	**सृजामि**	+	**अहम्**

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

19 राजा शिविः

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. राज्ञः नाम शिविः आसीत्।
ख. शिविः धार्मिकः करुणापरः च राजा आसीत्।
ग. एकदा तस्य परीक्षणाय इन्द्रः आगतः।
घ. इन्द्रः श्येनस्य रूपे आगतः।
ङ. कपोतस्य भारः शिवेः समतुल्यःआसीत्
च. राजा शिविः स्वमांसं तुलायां स्थापयत्।

2. रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. इन्द्रः तस्य धर्मस्य **प्रसिद्धिं परीक्षणाय** ऐच्छत्।

ख. अहं क्षुधितः **अस्मि**।

ग. नोचेदहं नूनं क्षुधया मृतो **भविष्यामि**।

घ. कपोतोऽयं **मम** शरणागतः।

3. लङ्लकारस्य क्रियापदानां वाक्यानि पूरयत।

उत्तरम्– क. श्येनरूपे राजा इन्द्रः आसीत्। ख. सः कपोतः आसीत्।

ग. अहम् इन्द्रः आसम्। घ. तदा पुष्पवृष्टिः अभवत्।

4. शुद्धम् अशुद्धं वा लिखत।

उत्तरम्– क. शुद्धम्। ख. शुद्धम्। ग. अशुद्धम्।

घ. अशुद्धम्। ङ. शुद्धम्।

5. संस्कृते अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. तस्य धर्मस्य प्रसिद्धिः यत्र तत्र सर्वत्र आसीत्।

ख. अहं क्षुधितः अस्मि।

ग. अयं कपोतः तु मम भोजनम् अस्ति।

घ. शिविः स्वयं तुलायां उपविष्टः।

ङ. स्वर्गात् पुष्पवृष्टिः जाता।

6. सन्धिविच्छेदं कुरुत।

उत्तरम्–

क. तवाङ्के	=	**तव**	+	**अङ्के**
ख. शरणागतः	=	**शरण**	+	**आगतः**
ग. नासीत्	=	**न**	+	**आसीत्**
घ. खड्गमादाय	=	**खड्गम्**	+	**आदाय**
ङ. पुष्पवृष्टिः	=	**पुष्प**	+	**वृष्टिः**

7. हिन्द्यामनुवादं कुरूत।

उत्तरम्– क. एक धार्मिक, करुणावान शिवि नाम के राजा थे।

ख. इंद्र ने उसकी परीक्षा लेनी चाही।

ग. बाज ने राजा को मनुष्य की वाणी में कहा।

घ. यह कबूतर मेरी शरण में आया है।

ङ. मैं इसे नहीं छोड़ सकता हूँ।

7. समानार्थकान् शब्दान् लिखत्।

उत्तरम्–

राजा	=	**नृपः**	अग्निम्	=	**अनलः**
मनुष्य	=	**नरः**	भोजनम्	=	**आहारम्**
अतिथि	=	**आगन्तुक**	पुष्पः	=	**सुमनः**

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

20 गृध्रमार्जारयोः कथा

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. गृध्रः विशाले वटवृक्षे वसति स्म।

ख. गृध्रः मार्जारं अवदत् ''मार्जाराः तु मांसप्रियाः भवन्ति। अत्र पक्षिशावकाः निवसन्ति। अतः अस्मात् त्वं दूरं गच्छ, अन्यथा त्वां मारयिष्यामि।''

ग. सः मार्जारः प्रतिदिनं खगशिशून् कोटरे नीत्वा खादति स्म।

घ. खगाः जरद्गवं हतवन्तः।

ङ. अज्ञात कुलशीलस्य वासो न देयः।

2. निम्नलिखितानि वाक्यानि बहुवचनानि परिवर्तयत।

उत्तरम्– क. ते तस्मै किञ्चित् आहारं यच्छन्ति स्म।

ख. खगशिशवः कोलाहलं कृतवन्त। ग. यूयं दूरं गच्छत।

घ. ते अवदन्''वयं मार्जाराः।'' ङ. वयं चन्द्रं दृष्टवन्तः।

3. निर्देशानुसारं शब्दरूपाणि लिखत।

उत्तरम्– क. खगात् खगाभ्याम् खगेभ्यः ख. शिशुम् शिशू शिशून्

ग. भये भययोः भयेषु घ. गुरवे गुरुभ्याम् गुरुभ्यः

ङ. कोटरे कोटरयोः कोटरेषु

4. संस्कृते अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. वने एकः वटवृक्षः आसीत्। ख. गृध्रस्य नाम जरद्गवः आसीत्।

ग. अहिंसा परमो धर्मः। घ. दीर्घकर्णः एकः मार्जारः आसीत्।

ङ. अज्ञाताय आश्रयो न देयः।

5. निम्नलिखितैः शब्दैः वाक्यानि रचयत।

उत्तरम्– क. आगतवान् = वटवृक्षस्य समीपे एकः मार्जारः **आगतवान्**।

ख. खगशिशु = **खगशिशुः** कोलाहलं कृतवान्।

ग. अवदत् = गृध्रःसकोयं मार्जारम् **अवदत्**।

घ. प्रतिदिनम् = मार्जारः **प्रतिदिनं** खगशिशून् खादति स्म।

ङ. खादितवान् = शनैः शनैः मार्जारः अनेकान् खगशिशून् **खादितवान्**।

6. सन्धिविच्छेदं कुरुत।

उत्तरम्– क. सोऽवदत् = **सः** + **अवदत्**

ख. तत्रागतवान् = **तत्र** + **आगतवान्**

ग. गृध्रोऽवदत् = **गृध्रः** + **अवदत्**

घ. स्वाहारात् = **स्व** + **आहारात्**

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

21 शठे शाठ्यं समाचरेत्

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. धूर्तः शृगालः अन्यैः जीवैः सह दुष्टतया आचरति स्म।

ख. दीर्घां जङ्घाम, दीर्घां ग्रीवाम्, दीर्घं मुखम्, ह्रस्वं पुच्छम्, कर्णौ नेत्रे च ह्रस्वे इति उष्ट्रस्य विचित्रतां शृगालः अपश्यत्।

ग. उष्ट्रशृगालौ नदीपारं रक्ताङ्गम् कर्कटयः त्रपुषाणि आदीन् भक्षयितुम् अगच्छताम्।

घ. उष्ट्रं शृगालस्य धूर्ततया क्रोधम् उत्पन्नम् अभवत्।

ङ. उष्ट्रः शृगालेन सह शठे शाठयवत् व्यवहारं करोति।

2. रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. सः वने एकम् **उष्ट्रम् अपश्यत्**। ख. मम उदरं सर्वदा **रिक्तं तिष्ठसि**।

ग. उष्ट्रः सहर्षं शृगालेन सह **गन्तुम्** उद्यतः अभवत्।

घ. अधुनाऽहं जले **स्नास्यामि**।

ङ. धूर्तः शृगालः **जलमध्ये** प्रवाहितः मृत्युं च अलभत्।

3. हिन्द्यां अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. एक बहुत ही धूर्त गीदड़ रहता था।

ख. एक बार उसने वन में एक ऊँट देखा। ग. यह जीव विचित्र है।

घ. क्या आप कुशल हैं?

ङ. आपका कष्ट मेरा कष्ट और आपका दुःख मेरा दुःख है।

च. हम दोनों वहाँ आनंद से खाएँगे।

4. निम्नलिखितेभ्यः वाक्येभ्यः सर्वनामपदानि चित्वा लिखत।

उत्तरम्– क. सः ख. अयं ग. अहम्, अस्य

घ. तव, मम ङ. एतत्, सः, तेन

5. पर्यायवाचि पदानि लिखत।

उत्तरम्– क. वनम् = **अरण्यम्, विपिनम्, काननम्**

ख. शृगालः = **जम्बुकः, गोमायः**

ग. नेत्रम् = **नयनम्, चक्षुः, अक्षि**

घ. नदी = **सरिता, तरङ्गिणी, तटिणी**

ङ. दीर्घ = **चिरम्, अधिकम्, उत्तुङ्ग**

च. कृषकः = **कृषीवलः, कर्षकः, हलवाहाः**

6. संस्कृते अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. सः वने एकम् उष्ट्रम् अपश्यत्।

ख. शृगालः स्व धूर्ततायाः फलम् अलभत्।

ग. अधुना त्वम् ईश्वरं स्मर।

घ. उष्ट्रः शृगालस्य प्रार्थनां न अशृणोत्।

ङ. धूर्तजनाय सुखस्य प्राप्तिः न भवति।

7. प्रत्ययान् पृथक् कुरुत।

उत्तरम्– विज्ञाय	=	**ल्यप्**	विचार्य	=	**ल्यप्**	पठन्	=	**शतृ**
गन्तुम्	=	**तुमुन्**	मत्वा	=	**क्त्वा**	सेवमानः	=	**शानच्**
उक्तवान्	=	**क्तवतु**	पठितः	=	**क्त**	कथितम्	=	**क्त**

8. वाक्यनिर्माणं कुरुत।

उत्तरम्– क. क्षेत्रेभ्यः = कृषकः **क्षेत्रेभ्यः** पशून् वारयति।

ख. स्वभावः = उष्ट्रस्य **स्वभावः** सरलः आसीत्।

ग. दूरम् = सः त्रपुषादिकं भक्षयन् **दूरम्** अगच्छत्।

घ. अधुना = **अधुना** अस्य प्रश्नस्य कः लाभ?

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

22 भ्रातृभक्तिः

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखतानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. भरतः श्रीरामम् अन्वेषयति।

ख. भरतः स्वात्मने निर्घृणः, कृतघ्नः, तुच्छः दुस्साहसी भक्तिहीनः इति शब्दान् प्रयोजयति।

ग. भरतस्य स्वरसंयोगः श्रीरामस्य हृदयं क्लेदयति।

घ. भरतः श्रीरामम् आलिङ्गति।

ङ. भरतः अन्यं श्रीरामस्य पादुकार्थं वरं याचते।

2. रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. क्व तत्र भवान् **ममार्यो रामः**?

ख. तिष्ठतु तात! अहमेव **निवेदयिष्ये पितृवचनकराय** राघवाय।

ग. इदं शरीरं **प्रह्लादय**। घ. **पितुर्नियोगात्** अहं वनमागतः।

ङ. आर्य! **अन्यमपि वरं** हर्तुमिच्छामि।

3. हिन्द्याम अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. मेरे आर्य राम कहाँ हैं?

ख. पिता की आज्ञा का पालन करने वाले राघव (राम) को मैं ही निवेदन करूँगा।

ग. अनुग्रहीत हूँ। आर्य प्रसन्न हों। घ. अभिवादन करता हूँ, मैं भरत हूँ।

ङ. जहाँ मेरी माता श्री ने आदेश दिया है वही रहे।

4. क्रियापादनि चित्वा लिखत।

उत्तरम्– क. प्रविशति। ख. निवेद्यते। ग. तिष्ठति।

घ. अभिवादये। ङ. स्थास्यामि, स्थास्यामि।

5. सन्धिविच्छेदं कुरुत।

उत्तरम्– क. ममार्यो = **मम** + **आर्यः**

ख. किमिति = **किम्** + **इति**

ग.	क्लेदयतीव	=	**क्लेदयति**	+	**इव**
घ.	मैवम्	=	**मा**	+	**एवम्**

6. निम्नलिखितानां विग्रहाणां समस्तपदं लिखत।

उत्तरम्–

	विग्रहः	**समस्तपदम्**
क.	भ्रात्रे: भक्ति:	**भ्रातृभक्तिः**
ख.	न बान्धव: यस्य	**अबान्धवः**
ग.	रामस्य पश्चात्	**अनुरामम्**
घ.	प्रिय: साहस: यस्मै स:	**प्रिय साहसः**
ङ.	राम: च लक्ष्मण: च	**रामलक्ष्मणौ**
च.	शरणम् आगत:	**शरणागतः**

7. संस्कृते अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. ममार्यो राम: कुत्र अस्ति?

ख. राम: सीता लक्ष्मणाभ्यां सह प्रविशति।

ग. आर्य! अभिवादयेऽस्मि, भरतोऽहम् अस्मि।

घ. भवतो नाम्ना एव राज्यं कृतरक्षं भविष्यति।

ङ. पितर्नियोगात् अहं वनम् आगत:।

च. अस्माकं कुलं सत्यधनं इवास्ति।

8. वाक्यनिर्माणं कुरुत।

उत्तरम्–

क.	क्व	=	**क्व** गत: भवान् मम रक्षक:।
ख.	कृतघ्न:	=	अयं जनस्तु **कृतघ्नः** अस्ति।
ग.	प्रह्लादय	=	आगच्छ, **प्रह्लादय** माम्:।
घ.	प्रयच्छ	=	मह्यं कानिचिद् फलानि **प्रयच्छ**।
ङ.	देहेन	=	**देहेन** अहं तत्र स्थास्यामि।
च.	भवान्	=	**भवान्** एव मम सहायक:।

9. निम्नलिखित क्रियापदानां धातुम्, पुरूषं लकारं च लिखत।

उत्तरम्–

	क्रियापदम्	**धातु**	**पुरूष**	**लकार**
क.	निवेघते	**निवेदय्**	**प्रथम पुरुष**	**लट् लकार**
ख.	तिष्ठतु	**तिष्ठ्**	**मध्यम पुरुष**	**लोट लकार**
ग.	निवेदयिष्ये	**निवेदय्**	**उत्तम पुरुष**	**ऌट् लकार**
घ.	भविष्याति	**भू (भव्)**	**प्रथम पुरुष**	**ऌट् लकार**

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

23 व्याकरणम्

अनुशीलनम्

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

1 षड्ऋतवः

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. भारतवर्षे षड् ऋतवः भवन्ति।

ख. सूर्यातपो वसन्ते सुखदः भवति।

ग. सर्वेषु ऋतुषु वसन्तः रम्यतमः, अतः जनाः तं ऋतुराजं कथयन्ति इति कारणेन वसन्त ऋतुः विशिष्ट भवति, चैत्रे बैशाखे च अयं ऋतुः भवति।

घ. वसन्तु, ऋतु चैत्रे बैशाखे च भवति।

ङ. ज्येष्ठे आषाढे च ग्रीष्मः ऋतुः भवति।

2. रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. भारतवर्षे प्रतिवर्षं **षड्** ऋतवः भवन्ति।

ख. **हेमन्ते** शीतस्य आधिक्यं भवति।

ग. जनाः सर्वेषु ऋतुषु वसन्तः **ऋतुराजं** कथयन्ति।

घ. शस्यानि **फलानि** च पक्वानि भवन्ति।

ङ. होलिकोत्सत्वोऽपि **वसन्ततौं** एव समायाति।

3. सम्यक् कथने (✓) इत्यस्य चिह्नं नियोजत।

उत्तरम्– क. (✗) ख. (✓) ग. (✗) घ. (✓) ङ. (✓)

4. एकस्मिन् शब्दे उत्तरं लिखत।

उत्तरम्– क. ग्रीष्म ऋतौ।

ख. वसन्तः, ग्रीष्मः, वर्षा, शरद्, हेमन्तः, शिशिरश्च।

ग. वर्षा काले। घ. ग्रीष्म ऋतुः। ङ. वसन्त ऋतुः।

5. विपरीतार्थक पदानि लिखत।

उत्तरम्–

शरद् = **ग्रीष्म**	शत्रवः = **मित्राणि**	सुखदः = **दुःखदः**
उष्णं = **शीतः**	नवानिः = **जीर्णानि**	पुष्पं = **कण्टकः**
निर्मलं = **मलिनं**	गगनं = **पातालं**	

6. निम्नलिखितनां पदानां मेलयत्।

उत्तरम्–

क. चैत्रे बैसाखे	(iii) वसन्तः
ख. ज्येष्ठे आषाढ़े	(iv) ग्रीष्म
ग. श्रावणे भाद्रपदे	(v) वर्षाः
घ. आशिवने कार्तिके	(vi) शरद्
ङ. मार्गशीर्षे पोषै	(i) हेमन्तः
च. माघे फाल्गुने	(ii) शिशिरः

7. हिन्द्याम् अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. भारतवर्ष में प्रतिवर्ष छह ऋतुएँ होती हैं।

ख. वसंत में सूरज की गर्मी सुखदायक होती है।
ग. वसंत में शत्रु भी मित्र हो जाते हैं।
घ. ग्रीष्म में सूर्य बहुत तेज होता है।
ङ. वर्षा के समय में मोर नाचते हैं।
च. आकाश में बादल घूमते हैं।

8. क्रियापदानि चित्वा लिखत।

उत्तरम्– क. भवन्ति। ख. वद। ग. प्ररोहन्ति, प्रस्फुरन्ति, विकसन्ति।
घ. भवाति। ङ. नृत्यान्ति। च. वपन्ति।
छ. आगच्छति। ज. धारयन्ति। झ. कथयन्ति।

9. विशेषणानि पृथक् कुरुत।

उत्तरम्–

षड्ऋतुवः	=	**षड्**	नवाः अंकुराः	=	**नवाः**
नवानि पल्लवानि	=	**नवानि**	ऊष्णं वातावरणम्	=	**ऊष्णं**
प्रभूतंजलं	=	**प्रभूतं**	निर्मलं गगनं	=	**निर्मलं**

10. अर्थं लिखत।

उत्तरम्–

पताति	=	**गिरता है**	कथयन्ति	=	**कहते हैं।**
धारयान्ति	=	**धारण करते हैं।**	आगच्छति	=	**आता है।**
दृश्यते	=	**दिखाई देता है।**	गर्जन्ति	=	**गरजते हैं।**
परिचरन्ति	=	**घूमते हैं।**	नृत्यन्ति	=	**नाचते हैं।**
वपन्ति	=	**बीज बोते हैं।**	अनुभूयते	=	**अनुभव होता है।**
प्ररोहन्ति	=	**प्रस्फुटित होते हैं।**	विकसन्ति	=	**खिलते हैं।**

11. निम्नलिखितानां शब्दानां वाक्ये प्रयोगम् कुरुत।

उत्तरम्–

तरुः	**तरुः** वृक्षस्य पर्यायः अस्ति।
पल्लव	वसन्ततौं नवानि **पल्लवानि** प्रस्फुरन्ति।
पक्वानिः	ग्रीष्मे शस्यानि फलानि च **पक्वानि** भवन्ति।
रम्यतमः	वसन्तः ऋतुषु **रम्यतमः**।
गुञ्जन्ति	पुष्पेषु भ्रमराः **गुञ्जन्ति**।
प्रभूतम्	वर्षातौं तडागेषु **प्रभूतं** जलं भवति।

12. संस्कृते अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. भारतवर्ष षड् ऋतवः भवन्ति।
ख. चैत्रे बैसाखे च बसन्तऋतुः भवति।
ग. बसन्ततौं नवाः पादपाः प्ररोहन्ति।
घ. ग्रीष्मे सूर्यः प्रचण्डं भवति।
ङ. सर्वत्र जलाभावः भवति।
च. होलिकोत्सव वसन्ततौं एव समायाति।
छ. त्वमपि वर्षायाः विषये किञ्चिद् वद।

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

2 दशपुत्र समं तरुः

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. संस्कृत भाषायां वृक्षस्य पर्याया: तरु:, पादप: द्रुम:, विटप:, शाखिन् इत्यादय: सन्ति।

ख. वृक्ष: सर्वेभ्य: जीवेभ्य: जीवनं यच्छति।

ग. वृक्षस्य द्वौ प्रकारौ स्त:—केचित् फलवन्त: वृक्षा: केचित् च केवलं पुष्पिता: एवं छायाप्रदा: वृक्ष:।

घ. अश्वत्थ वृक्ष: दिवानक्तं ओषजनं त्यजति।

ङ. तरु: दश्पुत्र समं अस्ति।

2. रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. वृक्ष: सर्वेभ्य: जीवेभ्य: **जीवनं** ददाति।

ख. विविधा: लता: वृक्षस्य **आश्रयं** विन्दन्ति।

ग. वृक्षस्य मुख्यत: **द्वौ प्रकारौ** स्त:।

घ. एतेषु केचित् वृक्षा: **फलवन्त: वृक्षा:** भवन्ति।

ङ. खगा: वृक्षेषु **नीड़ं** रचयन्ति।

3. हिन्द्याम् अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. एक वृक्ष दस पुत्रों के समान है। ख. वृक्ष सभी जीवों को जीवन देता है।

ग. वृक्ष हमारे जीवन के आधार हैं। घ. मधुमक्खियाँ फूलों का रस पीती हैं।

ङ. पक्षी वृक्षों पर घोंसला बनाते हैं। च. वृक्ष जीवों को आश्रय देते हैं।

4. संस्कृते अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. वृक्षै: विना जीवनं न भवति।

ख. केचित् वृक्षा: केवलं छाया प्रदा: भवन्ति।

ग. अश्वत्थ वृक्ष दिवानक्तम् ओषज्ञनं त्यजति।

घ. एतस्यत्वक् औषधिरूपेण प्रयुज्यते।

ङ. संस्कृत भाषायां वृक्षस्य अनेके पर्याया: सन्ति।

5. निम्नलिखितानां शब्दानां वाक्य प्रयोगं कुरुत।

उत्तरम्– क. वृक्ष: = **वृक्ष:** अनेकेषु रत्नेषु सर्वोत्तम: अस्ति।

ख. ददाति = वृक्ष: सर्वेभ्य: जीवेभ्य: जीवनं **ददाति**।

ग. अस्माकं = वृक्षा: **अस्माकं** जीवनस्य आधारा: सन्ति।

घ. विना = वृक्षै: **विना** जीवनं न भवति।

ङ. भवन्ति = वृक्षा: जीवन-कारका: **भवन्ति**।

च. स्त: = वृक्षस्य मुख्यत: द्वौ प्रकारौ **स्त:**।

छ. पिबन्ति = मधुमक्षिका: पुष्परसं **पिबन्ति**।

6. निम्नलिखितानां पदानां विभक्तिं वचनञ्च लिखत।

उत्तरम्–

	पदम्	विभक्तिः	वचनम्
क.	रत्नानि	**प्रथमा/द्वितीया**	**बहुवचनम्**
ख.	सर्वेभ्यः	**चतुर्थी/पञ्चमी**	**बहुवचनम्**
ग.	वृक्षस्य	**षष्ठी**	**एकवचनम्**
घ.	लतासु	**सप्तमी**	**बहुवचनम्**
ङ.	नीडम्	**द्वितीया**	**एकवचनम्**

7. संधि-विच्छेदं कुरुत।

उत्तरम्–

बहुपकुर्वन्ति	=	**बहु**	+	**उपकुर्वन्ति**
पर्यावरणस्य	=	**परि**	+	**आवरणस्य**
विशालाकाराः	=	**विशाल**	+	**आकाराः**
लघ्वाकाराः	=	**लघु**	+	**आकाराः**
दिवानक्तम्	=	**दिवा**	+	**नक्तम्**

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

3 भारतवर्षः

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. भारते षट् ऋतवः आगच्छन्ति तेषां नामानि सन्ति—वसन्तः, ग्रीष्मः, वर्षा, शरद, हेमन्तः शिशिरश्च।

ख. भारते जनानां विविधाः भाषाः, विविधाः सम्प्रदायाः, विविधं भोजनं विविधाः वेशभूषारूपी विविधता अस्ति।

ग. संस्काराणां जननी संस्कृतभाषा अस्ति।

घ. भारतीया संस्कृतिः संस्कृते निहिता अस्ति।

ङ. भारतीया संस्कृतेः मूलमन्त्रः सर्वजनहिताय सर्वजनसुखाय अस्ति?

2. रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. भारतस्य **भूभागाः** रमणीयाः सन्ति।

ख. वयम् एकं **राष्ट्रध्वजं** नमामः।

ग. भारतदेशे सर्वे ऋतवः **क्रमेण** आगच्छन्ति।

घ. भारते सर्वत्र **विविधता** अस्ति।

ङ. भारतीया संस्कृतिः **संस्कृते** निहिता अस्ति।

3. एकस्मिन् शब्दे उत्तरं ददत।

उत्तरम्– क. भारतदेशः   ख. विविधता।   ग. ऋतवः।

घ. नद्यः।   ङ. वैविध्यमयी।

4. निम्नलिखितानां शब्दानाम् उचितं मेलनं कुरुत।

उत्तरम्–

क.	विविधा:	(i)	राष्ट्रगानम्
ख.	रमणीया:	(ii)	धाराम्
ग.	एकम्	(iii)	भाषा:
घ.	एका	(iv)	भूभागा:
ङ.	सुमधुराम्	(v)	संस्कृतभाषा

5. समानार्थकान् शब्दान् लिखत।

उत्तरम्– भूखण्डा: = **भूभागा:** पर्वत: = **गिरि:** सरिता: = **नद्य:**

समग्रम् = **सकलम्** भोजनम् = **आहारम्** स्वस्था: = **निरोगा:**

6. प्रश्ननिर्माणं कुरुत।

उत्तरम्– क. क: अस्माकं देश:? ख. भारते कस्या: धारा प्रवहति?

ग. वयमेकं कं नमाम:? घ. भारते कीदृशा: भूभागा: सन्ति?

7. निम्नलिखितानां शब्दानां वाक्यप्रयोगं कुरुत।

उत्तरम्–

क. भूभाग: = भारतस्य प्रत्येक: **भूभाग:** रमणीय: अस्ति।

ख. शृङ्खला: = पर्वतानां **श्रङ्खला:** अपि रमणीया: सन्ति।

ग. विविधता = भारते सर्वत्र **विविधता** दृश्यते।

घ. सुमधुरा = भारतस्य भाषा **सुमधुरा** अस्ति।

ङ. सन्देह: = संस्कृतभाषा अनेकासां भाषाणां जननी इति नाऽत्र **सन्देह:**।

च. निरामया: = सर्वे **निरामया:** सन्तु।

छ. भद्राणि = सर्वे **भद्राणि** पश्यन्तु।

8. हिन्द्यामनुवादं कुरुत।

उत्तरम्–

क. भारत देश में रमणीय भूभाग हैं।

ख. हमारे देश में छह ऋतुएँ क्रम से आती है।

ग. भारत देश में एकता की सुमधुर धारा बहती है।

घ. संस्कृत भाषा अनेक भाषाओं की जननी है।

ङ. सभी अच्छाइयाँ (कल्याण) देखें।

9. निम्नलिखितां शब्दानां विभक्तिं वचनञ्च लिखत।

उत्तरम्–

	विभक्तिं	**वचनम्**
पर्वतेभ्य:	**चतुर्थी/पञ्चमी**	**बहुवचनम्**
मरूस्थलम्	**प्रथमा/द्वितीया**	**एकवचनम्**
देशे	**सप्तमी**	**एकवचनम्**
क्रमेण	**तृतीया**	**एकवचनम्**
जनानाम्	**षष्ठी**	**बहुवचनम्**
सम्प्रदाया:	**प्रथमा**	**बहुवचनम्**

10. अव्ययपदानि चित्वा लिखत।

उत्तरम्– क. यथा, अत्र, कुत्रचित्। ख. क्वचित् च।

ग. यथा, अत्र, च। घ. अत्र, अपि।

ङ. अत्र, न, कोऽपि। च. एव।

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

4 उद्यानम्

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. नगरे एकं मनोहरम् उद्यानम् अस्ति।

ख. लताः उद्याने सन्ति।

ग. लतासु विविधवर्णानि पुष्पाणि विकसन्ति।

घ. खगाः वृक्षेषु उपविशन्ति।

ङ. तरणं स्वास्थ्यकरम् अस्ति।

2. रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. अस्माकं नगरे एकं **मनोहरम् उद्यानम्** अस्ति।

ख. अस्मिन् उद्याने **अनेकाः वृक्षाः** सन्ति।

ग. एतत् प्रकृत्याः **अनुग्रहस्थली** अस्ति।

घ. अत्र अनेकाः **लताः** सन्ति।

ङ. उपवने वृक्षेषु खगाः **उपविष्टाः** सन्ति।

3. सम्यक् वाक्ये (✓) इत्यस्य चिह्नं नियोजयत।

उत्तरम्– क. (✓) ख. (✓) ग. (✓) घ. (✗)

ङ. (✓) च. (✓) छ. (✗)

4. सन्धि विच्छेदं कुरुत।

उत्तरम्–

क.	एकास्मिन्	**एकः**	+	**अस्मिन्**
ख.	क्रीडास्थलानि	**क्रीडा**	+	**स्थलानि**
ग.	अत्यधिकम्	**अति**	+	**अधिकम्**
घ.	बालिकाश्च	**बालिकाः**	+	**च**
ङ.	क्रीडार्थम्	**क्रीडा**	+	**अर्थम्**
च.	मधुरस्वरेण	**मधुर**	+	**स्वरेण**

5. हिन्द्याम् अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. हमारे शहर में एक मनोहर बगीचा है।

ख. यह नगर से बाहर है।

ग. यह प्रकृति की अनुग्रहस्थली है।

घ. इस उद्यान में अनेक पेड़ हैं।

ङ. यहाँ वृक्षों की छाया शीतल होती है।

च. लताओं पर विविध रंग के फूल खिलते हैं।

छ. बगीचे में पेड़ों पर पक्षी बैठते हैं।

6. समानार्थकानि पदामि लिखत।

उत्तरम्–

मनोहरम्	=	**रमणीयम्**	अद्यानम्	=	**उपवनम्**	वृक्षा:	=	**पादपा:**
पुष्पाणि	=	**कुसुमानि**	खगा:	=	**शकुन्ता:**	बाला:	=	**बालका:**
जना:	=	**मनुष्या:**	रमणीयम्	=	**मनोहरम्**	सरोवरम्	=	**तडागम्**
पङ्कजेषु	=	**कमलेषु**						

7. संस्कृते अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. अहं लखनऊ नगरम् वसामि।

ख. मम नगरे एकं मनोरहम् उद्यानम् अस्ति।

ग. अस्मिन् उद्याने अनेके सुन्दरा: सुन्दरा: वृक्षा: सन्ति।

घ. अत्र वृक्षाणां छाया शीतला भवति।

ङ. खगा: वृक्षाणां फलानि खादन्ति।

च. पिक: मधुरस्वरे कूजति।

छ. मधुमक्षिका: पुष्परसं पिबन्ति।

8. रंखाङ्कितानां पदानां मूलशब्दम् कारकम् च लिखत।

उत्तरम्–

क. नगरम्	अधिकरणकारकम्
ख. नगराद्	अपादानकारकम्
ग. उद्यानम्	अधिकरणकारकम्
घ. लता	अधिकरणकारकम्
ङ. वृक्ष:	अधिकरणकारकम्
च. पुष्पम्	अधिकरणकारकम्

9. विशेषणानि प्रथक् कुरुत।

उत्तरम्–

मनोहरं उद्यानम्	=	**मनोहरं**	रम्यस्थले	=	**रम्य**
अनेका: वृक्षा:	=	**अनेका:**	अनेका:लता:	=	**अनेका:**
विविधवर्णानि पुष्पाणि	=	**विविधवर्णानि**	मधुरस्वरेण	=	**मधुर**

10. विपरीतार्थाकान् शब्दान् लिखत।

उत्तरम्–

नगरे	=	**ग्रामे**	बहि	=	**अन्त:**	एकं	=	**अनेकं**
अत्र	=	**तत्र**	पक्षिण:	=	**पशव:**	अनेक:	=	**एक:**
फलानि	=	**शाकानि**	मधुरस्वेरण	=	**कटुस्वरेण**			

क्रियाकलाप:

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

5 सुभाषितानि

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. निश्चित ही जैसे एक पहिए से रथ की गति नहीं होती अर्थात् एक पहिए से

रथ नहीं चल सकता, वैसे ही परिश्रम के बिना भाग्य फलीभूत नहीं होता है।

ख. असाधुं साधुना जयेत्। ग. प्रियं सत्यं ब्रूयात्।

घ. प्रभाते रविः दीपकः अस्ति। ङ. सुपुत्रः कुल दीपकः भवति।

च. पिता आकाशात् उच्चतरः अस्ति।

छ. जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गात् गरीयसी भवति।

2. श्लोकान् पूरयत।

उत्तरम्– क. यथा **हि एकेन चक्रेण न रथस्य गतिः भवेत्।**
एवं **पुरुषकारेण विना दैवं न सिध्यति।।**

ख. उत्सवे **व्यसने प्राप्ते दुर्भिक्षे शत्रुसङ्कटे।**
राजद्वारे श्मशाने च यः तिष्ठति स बान्धवः।।

ग. **प्रदोषे दीपकः चन्द्रः प्रभाते दीपकः** रविः।
त्रैलोक्ये **दीपकः धर्मः सुपुत्रः कुलदीपकः।।**

3. निम्नलिखितानां शब्दानां वाक्य रचना संस्कृते कुरुत।

उत्तरम्– गतिः = एकेन चक्रेण न रथस्य **गतिः** भवेत्।

यथा = **यथा** क्रियते तथा भुज्यते।

विना = प्रभुः **विना** मूल्यमेव अमूल्यं वारि सर्वेभ्यः प्रयच्छति।

क्रोधम् = अक्रोधेन जयेत् **क्रोधम्।**

सत्यं = **सत्यं** प्रियं ब्रूयात।

रविः = प्रभाते दीपकः **रविः**।

सुपुत्रः = **सुपुत्रः** कुल दीपकः।

4. निम्नलिखितानां शब्दानां समानार्थान् शब्दान् लिखत।

उत्तरम्–

दैवम्	=	**भाग्यम्**	साधु	=	**सज्जनः**	कदर्यम्	=	**कृपणम्**
प्रभाते	=	**प्रातःकाले**	चन्द्रः	=	**रजनीपतिः**	जननी	=	**अम्बा**
सनातनः	=	**प्राचीनः**	दुर्भिक्षे	=	**अकाले**			

5. विपरीतार्थकान् शब्दान् मेलयत।

उत्तरम्–

क. विद्या	i. सुपुत्रः
ख. कुपुत्रः	ii. अधर्मः
ग. सत्यम्	iii. प्रियम्
घ. अप्रियम्	iv. असत्यम्
ङ. धर्मः	v. अविद्या

6. संस्कृते अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. पुरुषार्थं विना कार्याणि न सिध्यन्ति। ख. माता पृथिव्याः श्रेष्ठा भवति।

ग. सन्मित्राणि सङ्कटे सहायतां कुर्वन्ति। घ. वयं सदा सत्यं प्रियं च ब्रूयाम।

ङ. सुपुत्रः कुलदीपकः भवति।

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

6 दुर्गापूजा

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. दुर्गापूजा शरत्काले आश्विनमासे भवति।
ख. दुर्गाया: प्रसादेन श्रीराम: रावणं हतवान्।
ग. प्रतिमा: जले विसर्जिता: भवन्ति।
घ. देवी दुर्गा महिषासुर नामकं राक्षसं हतवती।
ङ. देवीप्रतिमा: उत्तमरीत्या सज्जितानि भवन्ति।

2. रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. **दुर्गापूजा** हिन्दूनां **महोत्सव:**आस्ति।
ख. पूजाया: आन्तिम: दिवस: **विजयादशमी** कथ्यते।
ग. जना: **नूतनानि** वस्त्राणि **धारयन्ति**।
घ. विविधानि मिष्ठान्नानि खादन्ति **खादयन्ति** च।
ङ. **देवी दुर्गा** विजयस्य प्रतीका अस्ति।

3. वाक्यप्रयोगेण संयुक्त शब्दानाम् अन्तरं स्पष्टं कुरुत।

उत्तरम्– क. धर्म:—अधर्म: :— **धर्मस्य विजय: भवति। अधर्मस्य पराजय: भवति।**
ख. हतवान—हतवती :— **श्रीराम: रावणं हतवान्। दुर्गा महिषासुरं हतवती।**
ग. खादन्ति—खादयन्ति :— **वानरा: फलानि खादन्ति। सेवका: बालान् फलानि खादयन्ति।**
घ. गच्छन्ति—आगच्छन्ति :— **जना: तत्र भ्रमणाय गच्छन्ति। भक्ता: दर्शनाय आगच्छन्ति।**
ङ. पूजिता—विसर्जिता :— **सर्वत्र दुर्गाया: प्रतिमा पूजिता भवति। कालान्तरं सा प्रतिमा विसर्जिता भवति।**

4. सम्यक् कथने (✓) इत्यस्य चिह्नं नियोजयत।

उत्तरम्– क. (✗) ख. (✓) ग. (✓) घ. (✗) ङ. (✗)

5. निम्नलिखितानि वाक्यानि शोधयत।

उत्तरम्– क. श्रीराम: रावणेन सह युद्धं कृतवान्। ख. एषा 'विजयादशमी' इति कथ्यते।
ग. बहुषु स्थलेषु विविधा: कार्यक्रमा: भवन्ति।
घ. दुर्गा आदिशक्ति: अस्ति। ङ. दुर्गाप्रसादेन धर्म: जयति।

6. संस्कृते अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. भारत: उत्सवानां देश: अस्ति। ख. राम: रावणं हतवान्।
ग. अधर्मस्यनाश: भवति, धर्मस्य विजय: भवति।
घ. दुर्गा प्रतिमाया: जले विसर्जनं भवति।

ङ. दुर्गा विजयस्य प्रतीका अस्ति।
च. देवी दुर्गा महिषासुरं हतवती।
छ. वयं मनोरञ्जकान् कार्यक्रमान् द्रक्ष्यामः।

7. हिन्द्यांनुवादं कुरत।

उत्तरम्– क. दुर्गापूजा हिंदुओं का महोत्सव है।
ख. दुर्जापूजा के विषय में अनेक कथाएँ प्रचलित हैं।
ग. उसकी कृपा से उन्होंने रावण को मारा और लंका पर विजय प्राप्त की।
घ. लोग नए वस्त्र धारण करते हैं।
ङ. दशमी के दिन ही दुर्गा की प्रतिमाएँ जल में विसर्जित होती हैं।

8. निम्नलिखितानां शब्दानां वाक्य रचना संस्कृते कुरुत।

उत्तरम्–

भवति	=	मातृपितृ भक्तिः सर्वदा लाभकारी **भवति**।
अनेका	=	पुष्पेषु अनेकाः भ्रमराः गुञ्जन्ति।
हतवान्	=	श्रीरामः रावणं **हतवान्**।
प्राप्तवान्	=	श्रीरामः लङ्कायां विजयं **प्राप्तवान्**।
कृतवान्	=	श्रीरामः दुर्गायाः दशदिनानि यावत् पूजां **कृतवान्**।
सर्वत्र	=	वसन्ततौं **सर्वत्र** प्रसन्नता एव प्रसन्नता प्रसरति।
आदिशक्तिः	=	दुर्गा **आदिशक्तिः** जगज्जनी च अस्ति।

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

7 आचार्यः चाणक्यः

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. मौर्यवंशस्य संस्थापकः चन्द्रगुप्तः आसीत्।
ख. चाणक्यस्य जन्म पाटलिपुत्र जनपदस्य 'चणय' इति ग्रामे अभवत्।
ग. चाणक्यस्य माता तं पठनार्थं तक्षशिला विश्वविद्यालये प्रेषितवती।
घ. चाणक्यः एकः महान् समाजसेवी देशभक्तः च आसीत्।
ङ. राज्ञः धनानन्दस्य अपमानेन चाणक्यः तस्य विनाशाय निश्चयम् अकरोत्।

2. हिन्द्याम् अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. चाणक्य प्रतिभाशाली थे। ख. चंद्रगुप्त की माता मुरा थीं।
ग. सेल्यूकस चंद्रगुप्त से पराजित हो गया।
घ. चाणक्य ने राजनीति की पुस्तक लिखी।
ङ. चाणक्य चंद्रगुप्त को तक्षशिला ले गए।

3. उचितेभ्यः पदेभ्यः रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. चन्द्रगुप्तः **मौर्यवंशस्य** संस्थापकः आसीत्।
ख. **आचार्यः चाणक्यः** धनानन्दस्य विनाशाय निश्चयम् अकरोत्।

ग. चाणक्य: **एकं क्रीडन्तं** बालकम् अपश्यत्।

घ. चाणक्य: चन्द्रगुप्तं **तक्षशिलाम्** अनयत्।

ङ. सिकन्दरस्य सेनापति: **सेल्यूकात:** आसीत्।

4. निम्नलिखितानां क्रियापदानां धातु: लकार: पुरुष वचनानां विभाजनं कृत्वा तालिकां पूरयत।

उत्तरम्–

क्रियापद	धातु:	लकार:	पुरुष:	वचनम्
अभवत्	**भू**	**लङ्**	**प्रथम:**	**एकवचनम्**
अजयत्	**जि**	**लङ्**	**प्रथम:**	**एकवचनम्**
अकरोत्	**कृ**	**लङ्**	**प्रथम:**	**एकवचनम्**
पठन्ति	**पठ्**	**लट्**	**प्रथम:**	**बहुवचनम्**
अलिखत्	**लिख्**	**लङ्**	**प्रथम:**	**एकवचनम्**

5. सन्धिविच्छेदं कुरूत।

उत्तरम्–

चासीत्	=	**च + आसीत्**	अतीव	=	**अति + इव**
अद्यापि	=	**अद्य + अपि**	यद्यपि	=	**यदि + अपि**

क्रियाकलाप:

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

8 ताजप्रासादभ्रमणम्

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. विद्यालयस्य छात्रा: अध्यापकै: सह आगरानगरं ताजप्रासाददर्शनाय आगच्छन्ति।

ख. सर्वे छात्रा: उच्चस्वरेण अवदन् यत् पश्यत तत्र स्थितं ताजप्रासादम्।

ग. ताजप्रासादस्य चतुर्कोणेषु वृत्ताकारा: स्तम्भा: सन्ति।

घ. ताजप्रासाद: संगमरमर नामख्यं पाषाणखण्डेषु निर्मित:।

ङ. छात्रा: चतुर्होरापरान्ते प्रत्यागच्छन्।

2. उचितेषु शब्देषु रिक्तस्थानानि पूरयत पुन: हिन्द्यामनुवादं च कुरुत।

उत्तरम्– क. दूरात् एव ताजप्रासादस्य **गुम्मदं** दृष्ट्वा छात्रा: **प्रसन्ना:** अभवन्।
दूर से ही ताजमहल के गुंबद को देखकर छात्र खुश हो गए।

ख. कुल्याम् उभयत: **हरितोद्यानेषु** विविध वृक्षा: सन्ति।
नहर के दोनों ओर हरे-भरे बागों में अनेक वृक्ष हैं।

ग. ताजप्रासाद: 'संगमरमर' नामाख्यं **पाषाणाखण्डेषु** निर्मितम् अस्ति।
ताजमहल संगमरमर नामक प्रसिद्ध पत्थर के टुकड़ों से बना है।

घ. यमुना तटे स्थित: अद्य प्रभृति **त्रिशतवर्ष** पूर्वं निर्मित:।
यमुना के तट पर स्थित आज से तीन सौ वर्ष पहले बना है।

ङ. अयं **ताजप्रासाद:** अद्यापि मनोहारी वर्तते।
यह ताजमहल आज भी मन को हरता है।

3. निम्नलिखितानां शब्दानां वाक्य-रचनां संस्कृते कुरुत।

उत्तरम्– क. अवतीर्य = बसयानात् **अवतीर्य** वयं ताजप्रासादं प्रति अगच्छाम।

ख. दर्विकावर्तिकाया = **दर्विकावर्तिकाया** प्रकाशे मया वस्तूनि दृष्टानि।

ग. दर्शनेषु = तेषां **दर्शनेषु** वयं तत्परा: आस्म।

घ. मुदिता: = ताजप्रासादं दृष्टवा बायं **मुदिता:** स्म।

ङ. निर्मितम् = ताजप्रासाद: त्रिशतवर्ष पूर्वं **निर्मितम्**।

4. निम्नलिखितानि वाक्यानि बहुवचने परिवर्तयत।

उत्तरम्– क. बालिका: ताजप्रासादं पश्यन्ति स्म। ख. छात्रा: शुल्कवाहनात् अवतरन्।

ग. ता: अध्यापकै: सह विद्यालयात् निर्गच्छन्ति।

घ. कानि सायं भविष्यन्ति?

5. सन्धिविच्छेदं कुरुत।

उत्तरम्– क. महोत्सव: = **महा + उत्सव:** ख. महेश: = **महा + ईश**

ग. नेति = **न + इति** घ. परोपकार = **पर + उपकार:**

ङ. सप्तर्षि: = **सप्त + ऋषि:**

क्रियाकलाप:

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

9 आयुर्वेदस्य महत्त्वम्

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखतानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. आयुर्वेद, धनुर्वेद, गन्धर्ववेद: अर्थवेदाश्च चत्वार: उपवेदा: सन्ति।

ख. प्रथम उपवेदस्य नाम आयुर्वेद: अस्ति।

ग. आयुर्वेदस्य प्रसिद्धा: आचार्या: धन्वन्तरि चरक-सुश्रुत-वाग्भटटादय: सन्ति।

घ. वात-पित्त-कफ इति त्रय: दोषा: शरीरे भवन्ति।

ङ. मनुष्य: समुचित-पथ्य-पालनेन सर्वथा स्वस्थ: भवति।

2. रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. श्व: **सामान्य ज्ञान स्पर्धा** भविष्यति।

ख. चत्वार: **वेदा:** सन्ति। ग. **आयुर्वेदे** रोगस्य निदानमस्ति।

घ. समुचित **पथ्यपालनेन** मनुष्य: सर्वथा स्वस्थ: भवति।

ङ. अधुनाहं **स्पर्धाया:** कृते सज्जितोऽस्मि।

3. संस्कृते अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. आचार्यवर! नमामि। ख. कृपया भवान् सहायतां करोतु।

ग. किं त्वं जानासि वेदा: कति सन्ति?

घ. आयुर्वेदस्य आरम्भ: कदा अभवत्?

ङ. आयुर्वेदे रोगस्य निदानम् अस्ति।

च. अधुना अहं स्पर्धाया: कृते सज्जित: अस्मि।

4. एकस्मिन् शब्दे उत्तरं ददत।

उत्तरम्– क. चत्वारः। ख. चत्वारः। ग. आयुर्वेदः।
घ. धन्वन्तरिः। ङ. त्रिफला।

5. निम्नलिखितानां शब्दानां विभक्तिम्, वचनं लिङ्गं च लिखत।

उत्तरम्–

क.	चत्वारः	=	**प्रथमा**	**बहुवचनम्**	**पुंल्लिङ्गम्**
ख.	उपवेदाः	=	**प्रथमा**	**बहुवचनम्**	**पुंल्लिङ्गम्**
ग.	स्वास्थ्यलाभाय	=	**चतुर्थी**	**एकवचनम्**	**पुंल्लिङ्गम्**
घ.	शतवर्षाणि	=	**प्रथमा**	**बहुवचनम्**	**नपुंसकलिङ्गम्**
ङ.	पथ्यपालनेन	=	**तृतीया**	**एकवचनम्**	**पुंल्लिङ्गम्**

6. सन्धिविच्छेदं कुरुत।

उत्तरम्–

क.	नाधिकम्	=	**न + अधिकम्**
ख.	आयुर्वेदानुसारम्	=	**आयुर्वेद + अनुसारम्**
ग.	विदेशेष्वपि	=	**विदेशेषु + अपि**
घ.	अधुनाऽहम्	=	**अधुना + अहम्**
ङ.	मिथ्याहारेण	=	**मिथ्या + आहारेण**

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

10 सुवचनानि

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. वह माता शत्रु है और पिता वैरी है जिसने अपने बच्चे को नहीं पढ़ाया। वह (बिना पढ़ा हुआ बालक) सभा के बीच में उसी प्रकार सुशोभित नहीं होता है जैसे हंसों के बीच में बगुला।)

ख. चन्द्रचन्दनयोः मध्ये शीतला साधु सङ्गतिः। ग. शुष्कवृक्षाः मूर्खश्च न नमन्ति।

घ. मनुष्य का गहना रूप है, रूप का गहना गुण है। गुण का गहना ज्ञान है और ज्ञान का गहना क्षमा है।

ङ. अपठितः बालः सभामध्ये न शोभते।

2. एकस्मिन् शब्दे उत्तरं ददत।

उत्तरम्– क. सभामध्ये। ख. विद्याम्। ग. सुफलाः।
घ. गुणिनः। ङ. साधवः।

3. निम्नलिखितान् श्लोकान् पूरयत।

उत्तरम्– क. माता **शत्रुः पिता वैरी येन बालो न पाठितः**।
न **शोभते सभामध्ये हंसमध्ये बको** यथा।

ख. उद्यमेन **हि सिद्ध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः**।
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः।

ग. शैले शैले **माणिक्यं मौक्तिकं न गजे गजे**।

साधवः न हि सर्वत्र चन्दनं न वने वने।।

घ. नरस्याभरणम् **रूपं रूपास्याभरणं गुणः**।

गुणस्याभरणं ज्ञानं ज्ञानस्याभरणं क्षमा।।

4. निम्नलिखितानां वाक्यानां हिन्द्यामनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. वह माता शत्रु है और पिता शत्रु है जिसने अपने बच्चे को नहीं पढ़ाया है।

ख. आलसी को विद्या कहाँ और विद्याहीन को धन कहाँ?

ग. परिश्रम से ही कार्य सिद्ध होते हैं, केवल इच्छाएँ करने करने से नहीं।

घ. फलों से युक्त पेड़ झुकते हैं गुणों से युक्त लोग झुकते हैं।

ङ. मनुष्य का गहना रूप है, रूप का गहना गुण है।

5. पाठात् विपरीतार्थकान् शब्दा चित्वा लिखत।

उत्तरम्–

क. प्राज्ञाः	=	**मूर्खाः**	ख. अवगुणः	=	**सगुणः**
ग. परिश्रमी	=	**अलसः**	घ. धनिकस्य	=	**अधनस्य**
ङ. उष्णम्	=	**शीतलम्**	च. मित्रम्	=	**शत्रुः**

6. पाठात् विशेषण पदानि चित्वा लिखत।

उत्तरम्–

विशेषण	**शब्दाःविशेष्य शब्दाः**
सुफलाः	वृक्षाः
गुणिनो	जनाः
सुप्तस्य	सिंहस्य
शीतलं	चन्दनम्
शीतला	साधु–सङ्गतिः

7. निम्नलिखितानां शब्दानां वाक्यप्रयोगं कुरुत।

उत्तरम्– क. नमन्ति = गुणिनो जनाः **नमन्ति**।

ख. सिध्यन्ति = कार्याणि उद्यमेन एव **सिध्यन्ति**।

ग. पाठितः = तौ पितरौ शत्रुभ्यां स्व बालः न **पाठितः**।

घ. प्रविशन्ति = सुप्तस्य सिंहस्य मुखे मृगाः न **प्रविशन्ति**।

ङ. सर्वत्र = साधवः **सर्वत्र** न भवन्ति।

8. संस्कृते अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. अमित्रं जनं सुखं न लभते। ख. चन्दनवृक्षः शीतलः भवति।

ग. केवलम् इच्छया कार्याणि न सिध्यन्ति।

घ. गुणिनः जनाः नम्राः भवन्ति। ङ. सज्जनाः दुर्लभाः भवन्ति।

च. चन्दनवृक्षः सुलभः न भवति। छ. पश्रिमेण कार्याणि सिध्यन्ति।

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

11 बुद्धेः चातुर्यम्

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. राजोद्यानं सम्राट् अकबर: मुख्य अमात्य बीरबलश्च विहारार्थम् अगच्छताम्।

ख. काकान् दृष्ट्वा अकबर: बीरबलम् अवदत् यत् बोधय मम राज्ये कति काका: सन्ति इति।

ग. सम्राट अकबर: बीरबलाय पुरस्कारं यच्छति यतोहि स: बीरबलस्य बुद्धि चातुर्थं स्वीकरोति।

घ. यथा रजकस्य गर्दभ: वस्त्राणां भारं वहति तथैव: त्वमपि वहसि इत्युक्त्वा अकबर: बीरबलम् दृष्ट्वा उपाहसत्।

ङ. बीरबलेन अकबरं तस्य वचनं स्मारितं तु तदा बीरबल: अनेकान् उपहारान् लब्धवान्।

2. रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. सरोवरस्य निकटे स: **अनेकान् काकान्** अपश्यत्।

ख. विस्मित: सम्राट् **तूष्णीम्** अतिष्ठत्।

ग. अकबर: बीरबलस्य **बुद्धेः चातुर्यं** स्वीकरोति।

घ. विनोदप्रिय: अकबर: तं दृष्ट्वा **उपाहसत्**।

ङ. तस्मै अनेकान् **उपहारान्** अयच्छत्।

3. निम्नलिखितानां शब्दानां विच्छेदं कुरुत।

उत्तरम्–

क.	विहाराय	=	**व् + इ + ह् + आ + र् + आ + य् + अ**
ख.	काकान्	=	**क् + आ + क् + आ + न्**
ग.	कारयतु	=	**क् + आ + र् + अ + य् + अ + त् + उ**
घ.	पुरस्कारम्	=	**प् + उ + र् + अ + स् + क् + आ + र् + अ + म्**
ङ.	ग्रीवा	=	**ग् + र् + ई + व् + आ**

4. संस्कृते अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. बोधय मम राज्ये कति काका: सन्ति?

ख. सरोवरस्य निकटे ते अनेकान् काकान् अपश्यन्।

ग. भवान् काकानां गणनां कारयतु।

घ. वस्त्राणि धृत्वा बीरबल: तत्र अतिष्ठत्।

ङ. अहं त्वयि अति प्रसन्न: अस्मि।

5. एकस्मिन् शब्दे उत्तरं ददत।

उत्तरम्– क. अकबरबीरबलौ। ख. सरोवरम्।

ग. गर्दभ:। घ. उपहारान्।

6. निम्नलिखितानां शब्दानां त्रिषु वचनेषु रूपाणि लिखत।

उत्तरम्–

विभक्ति:		एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
क. अमात्य: (द्वितीया)	=	**अमात्यम्**	**अमात्यौ**	**अमात्यान्**

ख.	सरोवर: (षष्ठी)	=	**सरोवरस्य**	**सरोवरयोः**	**सरोवराणाम्**
ग.	गणना (तृतीया)	=	**गणनया**	**गणनाभ्याम्**	**गणनाभिः**
घ.	राज्य: (पञ्चमी)	=	**राज्यात्**	**राज्याभ्याम्**	**राज्येभ्यः**
ङ.	ग्रीवा (चतुर्थी)	=	**ग्रीवायै**	**ग्रीवाभ्याम्**	**ग्रीवाभ्यः**
च.	वचनम् (प्रथमा)	=	**वचनम्**	**वचने**	**वचनानि**

7. निम्नलिखितानां शब्दानां वाक्य रचना संस्कृते कुरुत।

उत्तरम्– सह = सीता रामेण **सह** वनं गतवती।

मम = **मम** भ्रातु: नाम अतुल: अस्ति।

भवतां = **भवतां** गृहे कति: जना: सन्ति?

तर्हि = यदि गृहं न गच्छसि **तर्हि** कुत्र गच्छसि?

अत्र = रमेश: **अत्र** आगच्छति।

वयं = वयं पुस्तकानि पठाम:।

अपि = रमा **अपि** नृत्यति।

अहं = **अहं** आपणं गच्छामि।

8. हिन्द्यां अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. तालाब के पास उसने अनेक कौओं को देखा।

ख. सम्राट ने बीरबल से पूछा।

ग. आप कौओं की गिनती करवाइए।

घ. बीरबल ने विश्वास से कहा।

ङ. बोलो, ऊँट की गर्दन टेढ़ी क्यों हैं।

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

12 समयस्य महत्ता

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. संसारे मानवजीवनं दुर्लभम् अस्ति।

ख. मानवजीवने समयस्य महत्वम् सर्वाधिकम् अस्ति।

ग. विनष्ट: समय: केनापि उपायेन पुन: लब्धुं न शक्यते इति समयस्य समय: कस्यापि प्रतिक्षां न करोति।

घ. समय: कस्यापि प्रतिक्षां न करोति।

ङ. के छात्रा: समयस्य सदुपयोगं कृत्वा अध्ययनं कुर्वन्ति ते स्वजीवने सफला: भवन्ति।

च. ये जना: कदापि समयस्य दुरुपयोगं न कुर्वन्ति, सदैव कार्यसंलग्ना: भवन्ति ते सुखेन तिष्ठन्ति।

2. रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. मानवजीवने **समयस्य** बहु महत्त्वं वर्तते।

ख. समयः कस्यापि **प्रतीक्षां** न करोति।

ग. केचिद् तु **निरन्तरम् आलस्ये** तिष्ठन्नेव सन्ति।

घ. कर्मवीराः सर्वत्र **श्रेष्ठपदं** लभन्ते।

ङ. एवं समयस्य सदुपयोगः **मानवानां** कल्याणाय भवति।

3. सम्यक् कथने (✓) इति चिह्नं नियोजयत।

उत्तरम्– क. (✓) ख. (✗) ग. (✓) घ. (✓) ङ. (✗)

4. निम्नलिखितेषु वाक्येषु आगतान् क्रियाशब्दान् चित्वा लिखत।

उत्तरम्– क. गृहीत्वा, जानाति ख. लब्धुं, शक्यन्ते ग. प्रयतितव्यं, भवेत

घ. यापयन्ति ङ. भवति

5. निम्नलिखितानां शब्दानां विभक्तिम्, वचनं लिङ्गञ्च लिखत।

उत्तरम्–

	शब्दः		विभक्तिः	वचनम्	लिङ्गम्
क.	संसारे	=	**सप्तमी**	**एकवचनम्**	**पुंल्लिङ्गम्**
ख.	वस्तूनि	=	**प्रथमा/द्वितीया**	**बहुवचनम्**	**नपुंसकलिङ्गम्**
ग.	बहुमूल्यम्	=	**प्रथमा/द्वितीया**	**बहुवचनम्**	**नपुंसकलिङ्गम्**
घ.	प्रतीक्षा	=	**प्रथमा**	**एकवचनम्**	**स्त्रीलिङ्गम्**
ङ.	रुग्णाः	=	**प्रथम**	**बहुवचनम्**	**पुंल्लिङ्गम्**

6. सन्धिं कुरुत।

उत्तरम्–

सत्	+	उपयोगः	=	**सदुपयोगः**	पुनः	+	अपि	=	**पुनरपि**
केन	+	अपि	=	**केनापि**	वृथा	+	एव	=	**वृथैव**
इतः	+	ततः	=	**इतस्ततः**	एकस्य	+	अपि	=	**एकस्यापि**
कस्यः	+	अपि	=	**कस्योऽपि**	दुर	+	उपयोगः	=	**दुरुपयोग**
बहु	+	अमूल्यम्	=	**बहुमूल्यम्**					

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

13 सुदासः

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्ननाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. सरोवरे एकं विकसितं पद्यम् अवशिष्टम् आसीत्।

ख. भगवान् बुद्धः एकस्य विशालवृक्षस्य छायायाम् उपविष्टः आसीत्।

ग. बुद्धदेवस्य आनने दिव्यानन्दः नेत्रयोः च अपारा करुणा आसीत्।

घ. सुदासः बुद्धदेवम् अवदत् —"प्रभो! तव चरणधूल्याः एकं कणं वाञ्छामि।"

2. रिक्त स्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. सरोवरे केवलम् एकं **विकसितं पद्यम्** अवशिष्टम् आसीत्।

ख. एतत् मनोहरं कमलं **बुद्धदेवाय** समर्पयिष्यामि।

ग. अहं एतस्मै **कमलाय दशस्वर्णमुद्राः** दास्यामि।

घ. पुष्पं गृहीत्वा **बुद्धस्य** दर्शनाय सः वेगेन अधावत्।

ङ. तव **चरणधूल्याः** एकं कणं वाञ्छामि।

3. एकस्मिन् शब्दे उत्तरं ददत।

उत्तरम्– क. शिशिरशीतेन। ख. सुदासः।

ग. एकास्वर्णमुद्रा। घ. दशास्वर्णमुद्रा।

4. निम्नलिखितान् शब्दार्थान् मेलयत।

उत्तरम्– क.	शीतेन	i.	बैठा
ख.	मालाकारः	ii.	हँसकर
ग.	विचिन्त्य	iii.	माली
घ.	उपविष्टः	iv.	ठंड से
ङ.	विहस्य	v.	सोचकर

5. रञ्जितपदानां समानार्थकशब्दान् लिखित्वा वाक्यानि पुनः लिखत।

उत्तरम्– क. शिशिरस्य शीतेन सर्वे तरवः शुष्काः अभवन्।

ख. सुदासः अचिन्तयत् यत् एतत् कुसुमं राज्ञे दास्यामि।

ग. कालान्तरे एकः श्रेष्ठी तत् पुष्पं क्रेतुम् अवाञ्छत्।

घ. आशीर्वादरूपेण अहं प्रभूतं वित्तं प्राप्स्यामि।

7. निम्नलिखितेभ्यः शब्देभ्यः प्रत्ययान् पृथक् कुरुत।

उत्तरम्–

नीत्वा	=	**क्त्वा**	गन्तुम्	=	**तुमुन**	विहस्य	=	**ल्यप्**
विकसितुम्	=	**तुमुन**	आदाय	=	**ल्यप्**	दत्त्वा	=	**क्त्वा**
क्रेतुम्	=	**तुमुन**	गृहीत्वा	=	**क्त्वा**	विचिन्त्य	=	**ल्यप्**
उपविष्टः	=	**क्त**						

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

14 दीपावली

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. दशरथः अयोध्यायाः राजा आसीत्।

ख. लङ्काधिपतिः राजा रावणः सीताम् अपाहरत्।

ग. जनाः अस्मिन् अवसरे गृहाणि सुधया लिम्पन्ति। ते गृहाणि चित्रैः सज्जीकुर्वन्ति। नवीनानि वस्त्राणि धारयन्ति रात्रौ च लक्ष्मीपूजनं कुर्वन्ति।

घ. दीपावली उत्सवः कार्तिकमासस्य कृष्ण पक्षस्य अमावस्यायाः दिवसे मान्यते।

ङ. दीपावली उत्सवः सत्यस्य असत्यस्योपरि विजयस्य प्रतीकः अस्ति।

2. रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. भारतवर्षः **पर्वणां** देशः अस्ति।

ख. अत्र प्रतिवर्षम् अनेके **उत्सवाः** मान्यन्ते।

ग. केचन राष्ट्रियाः **उत्सवाः** सन्ति।

घ. अयोध्यायाः राजा **दशरथः** अस्ति।

ङ. ते निजगृहाणि दीपैः **अलङ्करणैश्च** सुशोभितवन्तः।

च. बालकाः **चाकचिक्यानि** दहन्ति।

3. निम्नलिखितानां शब्दानां वाक्य रचना संस्कृते कुरुत।

उत्तरम्– पर्वणां = भारतवर्ष **पर्वणां** देशः अस्ति।

केचन = **केचन** उत्सवाः राष्ट्रीयाः उत्सवाः सन्ति।

श्रुयते = **श्रूयते** यत् पुरा अयोध्यायाः राज दशरथः आसीत्।

हत्वा = श्रीरामः रावणं **हत्वा** लंकायां विजयं प्राप्तवान्।

उत्सवं = श्रीरामस्य विजयस्य स्मरणाय प्रतिवर्षं दशम्यां तिथौ एनम् **उत्सवं** मान्यन्ते।

कुर्वन्ति = कृषकाः कृषि कार्याणि **कुर्वन्ति**।

अद्यापि = ताजप्रसादः **अद्यापि** मनोहारी वर्तते।

4. हिन्द्यामनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. यहाँ प्रतिवर्ष अनेक उत्सव मनाए जाते हैं।

ख. यह उत्सव कार्तिकमास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या के दिन मनाया जाता है।

ग. सुना जाता है कि प्राचीन काल में अयोध्या के राजा दशरथ थे।

घ. उनके पुत्र श्रीराम चौदहवर्ष तक वन में रहे।

ङ. लंकाधिपति रावण ने श्रीराम की पत्नी सीता को हर लिया।

च. श्रीराम ने रावण को मारा।

छ. लोग रात को लक्ष्मी–पूजन करते हैं।

5. संस्कृते अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. दीपावली कार्तिकमासस्य अमावस्यायां मान्यते।

ख. अयं हिन्दूनाम् उत्सवः अस्ति।

ग. अस्मिन्नेव दिने श्रीरामः अयोध्यां प्रत्यागच्छत्।

घ. दीपावल्याः पूर्वं जनाः स्वगृहाणि साधुतया सज्जी कुर्वन्ति।

ङ. जनाः अस्मिन् दिने नूतन नूतन वस्त्राणि धारयन्ति।

च. ते रात्रौ लक्ष्म्याः पूजां कुर्वन्ति।

छ. वस्तुतः दीपावल्याः उत्सवः सत्यस्य असत्यस्योपरि विजयस्य प्रतीकः अस्ति।

6. सन्धि-विच्छेदं कुरुत।

उत्तरम्– क. एषूत्सवेषु = **एषु** + **उत्सवेषु**

ख. प्रमुखोत्सवः = **प्रमुख** + **उत्सवः**

ग. वनेऽवसत् = **वने** + **अवसत्**

घ. लंकाधिपतिः = **लंका** + **अधिपतिः**

7. विग्रहं कुरुत समासस्य च नामानि लिखत।

उत्तरम्– क. लंकाधिपतिः = **लंकायाः अधिपतिः षष्ठी तत्पुरुषः समासः**

ख. प्रतिवर्षम् = **प्रत्येकं वर्षम् अव्ययीभाव समासः**

ग. अयोध्यावासिनः = **अयोध्यायाः वासिनः षष्ठी तत्पुरुषः समासः**

घ. लक्ष्मीपूजनम् = **लक्ष्म्याः पूजनम् षष्ठी तत्पुरुषः समासः**

8. सम्यक् कथने (✓) इति चिह्नं नियोजयत।

उत्तरम्– क. (✓) ख. (✓) ग. (✗) घ. (✓)

9. चित्राणि दृष्ट्वा रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. **सिंहः मृगस्य** पृष्ठे धावति। ख. **छात्राः** विद्यालयं गच्छन्ति।

ग. **सरोवरे** कमलं विकसति। घ. **शुकाः आकाशे** उत्पतन्ति।

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

15 नीलः श्रृगालः

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. श्रृगालः वने वसति स्म।

ख. रजकस्य गृहे सः एकस्मिन् नीलरसपूणे पात्रे अपतत्।

ग. श्रृगालस्य सुन्दरं वर्णं दृष्ट्वा वचनं च श्रुत्वा पशवः तं नमस्कारं कृतवन्तः। तस्य आदेशेन च वने भ्रमणं भोजनादिकं च कर्तुमारब्धवन्तः।

घ. श्रृगालवृन्दस्य वचनं श्रुत्वा सः अपि उत्थाय उच्चस्वेरण शब्दं कर्तुमारभत।

2. रेखाङ्कितानि पदानि आधृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत।

उत्तरम्– क. क्षुधापीड़ितः सः कं प्रति अगच्छत्?

ख. केभ्यः भीतः सः वेगेन अधावत्?

ग. कान् दृष्ट्वा सः प्रसन्नः अभवत्?

घ. श्रृगालः वने किं कर्तुम् आरब्धवान्?

ङ. किं श्रुत्वा पशवः आश्चर्यचकिताः अभवन्?

3. कोष्ठकेषु दत्तेषु शब्देषु उचितां विभक्तिं संयोज्य वाक्यानि पूरयत।

उत्तरम्– क. कुक्कुरः **जले** अपतत्।

ख. कुत्रापि **जनानां** कलहः न भवेत्।

ग. बहवो जनाः ग्रामेषु बहवो च **नगरेषु** वसन्ति।

घ. वन्यपशवः **वने** भ्रमन्ति।

ङ. अहं **राजपदे** नियुक्तः अस्मि।

4. उदाहरणमनुसृत्य वाक्यानुसारम् अन्यं वाक्यं रचयत।

उत्तरम्– क. कुक्कुरः मार्जारं प्रति अधावन्।

ख. लोमशा कस्यचित् रजकस्य गृहं प्राविशत्।

ग. श्रृगालाः अपि अन्यत्र अगच्छन्।

घ. अद्यप्रभृति अहं युष्माकं सेनापति अस्मि।

ङ. एकदा सः सिंहवृन्दस्य कोलाहलम् अश्रृणोत्।

5. अधोलिखितानि वाक्यानि घटनाक्रमेण लिखत।

उत्तरम्– क. एकस्मिन् वने एकः शृगालः वसति स्म।

ख. नीलरसपात्रे पतनात् सः अकथयत्— ''अहं युष्माकं राजा अस्मि''।

ग. सर्वे सिंहादयः तं नमस्कारं कृतवन्तः।

घ. तेन विस्मृतं यत् सः वस्तुतः शृगालः एव।

ङ. सो—पि उत्थाय उच्चस्वरेण शब्दं कर्तुमारभत।

च. तस्य शब्दं श्रुत्वा वन्यपशवः ज्ञातवन्तः यत् अयं शृगालः एव।

छ. अहो, अनेन शृगालेन वयं वञ्चिताः।

ज. व्याघ्रः तं वञ्चकं शृगालं व्यापादयामास।

6. निम्नलिखितानां शब्दानाम् उचितं मेलनं कुरुत।

उत्तरम्–

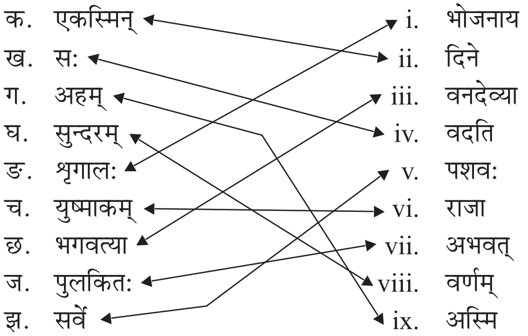

7. निम्नलिखितानां शब्दानां त्रिषु वचनेषु रूपाणि लिखत।

उत्तरम्–

	विभक्तिः		एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
क.	शृगालः (द्वितीया)	=	**शृगालम्**	**शृगालौ**	**शृगालान्**
ख.	पशुः (तृतीया)	=	**पशुना**	**पशुभ्याम्**	**पशुभिः**
ग.	राजन् (प्रथमा)	=	**राजा**	**राजानौ**	**राजानः**
घ.	वनम् (षष्ठी)	=	**वनस्य**	**वनयोः**	**वनानाम्**
ङ.	सुन्दरम् (सप्तमी)	=	**सुन्दरे**	**सुन्दरयोः**	**सुन्दरेषु**
च.	शब्दः (चतुर्थी)	=	**शब्दाय**	**शब्दाभ्याम्**	**शब्देभ्यः**

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

16 सन्मित्रम्

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. मित्रं मनसि वचसि च शुद्धं भवति।

ख. त्याग भावः, सुख दुःखयो समत्वम्, प्रेमः, सहानुभूतिः, सत्यम्, परहित सम्पादनम्, विश्वासः इत्येते मित्रस्य दिव्यागुणाः भवन्ति।

ग. पङ्गु अन्धयोः मैत्री कथा प्रसिद्धा।

घ. एकदा ग्रामे अग्निकाण्डः अभवत्।

2. एकस्मिन् शब्दे उत्तरत लिखित।

उत्तरम्– क. उद्यानम्। ख. मित्राणि। ग. सुदाम्नः। घ. श्रीरामः।

3. संस्कृते अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. अहं उद्यानं गन्तुम् इच्छामि। ख. तत्र मम मित्रम् अस्ति।

ग. सुदामा श्रीकृष्णश्च मित्रे आस्ताम्।

घ. अहं चलितुं समर्थः अस्मि त्वं च द्रष्टुं समर्थः असि।

ङ. तदा तौ उपायम् अचिन्तयताम्। च. एषा कथा तु अतिरुचिकरा अस्ति।

4. धातुं प्रत्ययं च योजयत।

उत्तरम्–

हस्	+	तुमुन्	=	**हसितुम्**	कृ	+	तुमुन्	=	**कर्तुम**
पा	+	तुमुन्	=	**पातुम**	प्रच्छ्	+	तुमुन्	=	**प्रष्टुम**
खाद्	+	तुमुन्	=	**खादितुम्**	दृश्	+	तुमुन्	=	**द्रष्टुम्**

5. निम्नलिखितानां शब्दानां मूलपदानां, विभक्तिं वचनं च लिखत।

उत्तरम्–

	शब्दः		**मूलशब्दः**	**विभक्तिः**	**वचनम्**
क.	मित्रतायाः	=	**मित्रम्**	**पञ्चमी/षष्ठी**	**एकवचनम्**
ख.	गुणान्	=	**गुणः**	**द्वितीया**	**बहुवचनम्**
ग.	ग्रामात्	=	**ग्रामः**	**पञ्चमी**	**एकवचनम्**
घ.	मित्रे	=	**मित्रम्**	**सप्तमी**	**एकवचनम्**

6. निम्नलिखितानि वाक्यानि लोट्लकारे परिवर्तयत।

उत्तरम्– क. अर्पणः उद्यानं गच्छतु। ख. भवान् रामेण सह वदतु।

ग. त्वं कथां कथय। घ. अहं ग्रामं गच्छानि।

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

17 भोजनं शरीररक्षकम्

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. शरीरम् अन्नमयः कोशः कथ्यते।

ख. चणकः, तण्डुलम् गोधूमः, द्विदलम्, यवः, मुद्गः, माषः इत्यादिकम् अन्नंभोजनम् अस्ति।

ग. भोजनशास्त्रनिष्कर्षे उक्तं यत् शाकाहारी मनुष्यः दीर्घायुः भवति। मांसाहारिणः जीवनम् अल्पतरम्।

घ. ओदनः द्विदलं रोटिका च भारतस्य मुख्यं भोजनम्।

ङ. हितभुक् मितभुक् शाकभुक्–भोजनशास्त्राणां सर्वानुसन्धान निष्कर्षः इति वचनम् आजीवनं पालनीयम्।

2. रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. शरीरम् **अन्नमयकोशः** कथ्यते।
ख. शाकाहारी मनुष्यः **दीर्घायुः भवति**।
ग. बहुश नागरिकाः **रोटिकाः** खादन्ति।
घ. मधु **रक्तशोधकम्** उच्यते।
ङ. स्वस्थे नीरोगे **अकुण्ठितं मस्तिष्कं** तिष्ठति।
च. **धर्मार्थ** काममोक्षाणाम् आरोग्यं मूलम् उत्तमम्।

3. सम्यक् कथने (✓) इति चिह्नं नियोजयत।

उत्तरम्– क. (✗) ख. (✓) ग. (✗) घ. (✓)
ङ. (✓) च. (✓) छ. (✓)

4. सन्धिविच्छेदं कुरुत।

उत्तरम्–

उक्तञ्च	=	**उक्तं**	+	**च**
नगराञ्चले	=	**नगर**	+	**अञ्चले**
अवश्यमेव	=	**अवश्यम्**	+	**एव**
सदैव	=	**सदा**	+	**एव**
तक्रादिकम्	=	**तक्र**	+	**आदिकम्**
शरीरमाद्यम्	=	**शरीरम्**	+	**आद्यम्**

5. संस्कृते अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. नवीनतम्, दुग्धम्, तक्रम, घृतम् इत्यादिकं पेयम् अस्ति।
ख. मांसाहारः मनुष्याय उत्तम भोजनं नास्ति।
ग. मद्यपानं शरीरं नाशयति।
घ. रोगरहिते मस्तिष्के सुमेधाः मेधा सदविचाराः च आयान्ति।
ङ बालाः मिष्टान्नानि प्रेम्णा खादन्ति।
च. बालेभ्यः दुग्धम् अमृतं मन्यते।
छ. रात्रौ दधि न भोक्तव्यम्।

6. निम्नलिखितानां पदानां विभक्तिम्, वचनं लिङ्गञ्च लिखत।

उत्तरम्–

	पदम्		विभक्तिः	वचनम्	लिङ्गम्
क.	शरीर	=	**प्रथमा**	**एकवचनम्**	**नपुंसकलिङ्गम्**
ख.	मनुष्यैः	=	**तृतीया**	**बहुवचनम्**	**पुंल्लिङ्गम्**
ग.	रोटिकाः	=	**प्रथमा**	**बहुवचनम्**	**स्त्रीलिङ्गम्**
घ.	स्फूर्तिम्	=	**द्वितीया**	**एकवचनम्**	**स्त्रीलिङ्गम्**
ङ.	मेधा	=	**प्रथमा**	**एकवचनम्**	**स्त्रीलिङ्गम्**
च.	औषधम्	=	**प्रथमा**	**एकवचनम्**	**नुपंसकलिङ्गम्**

7. हिन्द्यामनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. शरीर अन्न से निर्मित कहलाता है।
ख. यह सब शाकाहारी मनुष्यों का भोजन है।

ग. शाकाहारी मनुष्य दीर्घायु होता है।
घ. मांसाहारियों का जीवन बहुत कम होता है।
ङ. बच्चे मिठाई रुचिपूर्वक खाते हैं।
च. हे इंद्र! तुम मुझे मेधा (बुद्धि) से युक्त करो।
छ. शहद रक्तशोधक कहलाता है।

8. निम्नलिखितेषु वाक्येषु आगतानि क्रियापदानि रेखाङ्कितानि कुरुत।

उत्तरम्– क. शरीरम् अन्नमय: कोश: **कथ्यते**।
ख. शाकाहार: निरामिष: एवं मनुष्यै: **भोक्तव्य**:।
ग. सर्वविधं व्यञ्जनं भारते विशेषत: उत्तरभारते अधिकं **प्रचलितम्**।
घ. कश्चित् शष्कुली खादितुम् अधिकम् **इच्छति**।
ङ. अत्र मिष्टान्नमपि **विक्रीयते**।

क्रियाकलाप:

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

18 सूक्तय:

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानां उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. अविवेक: परमापदां पदम् अस्ति। ख. श्रद्धावान् ज्ञानं लभते।
ग. सर्वत्र विद्वान् पूज्यते। घ. लोभ: पापस्य कारणम् अस्ति।
ङ. अनर्था: छिद्रेषु बहुली भवन्ति।

2. अर्थम् लिखत।

उत्तरम्– क. थोड़ी (अधकचरी) विद्या भयानक है।
ख. समय को बर्बाद करने पर विद्या कहाँ?
ग. लालच पाप का कारण है।
घ. विवेकहीनता घोर आपदाओं की जननी है।

3. संस्कृते अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. विदुष: सर्वत्र पूजां भवति। ख. अल्पविद्या भयङ्करी भवति।
ग. सन्तोष एव परमं धनम्। घ. अस्माकम् आचरणम् साधु स्यात्।
ङ. श्रद्धावान् ज्ञानं प्राप्नोति। च. समय: अमूल्य: अस्ति।

4. हिन्द्यामनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. आचरण सबसे बड़ा धर्म है।
ख. अच्छाई-बुराई संगति से उत्पन्न होती है।
ग. श्रद्धालु ज्ञान पाता है।
घ. त्रुटियों से मुसीबतें बढ़ जाती है।

5. प्रदत्तानां पदानाम् अर्थं लिखत वाक्यानि च रचयत।

उत्तरम्– क. कारणम् = **कारण** — लोभ: पापस्य **कारणम्**।

ख.	कुतः	=	**कहाँ**	—	अलसाय विद्या **कुतः**।
ग.	भुज्यते	=	**भोगा जाता है**	—	यथा क्रियते तथा **भुज्यते**।
घ.	सर्वत्र	=	**सब जगह**	—	विद्वान् **सर्वत्र** पूज्यते।
ङ.	लभते	=	**पाता है।**	—	श्रद्धावान् ज्ञानं **लभते**।

6. निम्नलिखितानां पदानां स्व वाक्येषु प्रयोगं कुरुत।

उत्तरम्– क. संसर्गजा = **संसर्गजा** दोष गुणाः **भवन्ति**।

ख. पदम् = अविवेकः परमापदां **पदम्**।

ग. छिद्रेषु = **छिद्रेषु** अनर्थाः भवन्ति।

घ. श्रद्धावान् = **श्रद्धावान्** ज्ञानं लभते।

ङ सर्वत्र = ईश्वरः **सर्वत्र** अस्ति।

7. पदानाम् उचितं मेलन कुरूत।

उत्तरम्–

क.	विद्वान्	(i)	तथा भुज्यते
ख.	आचारः	(ii)	भयङ्करी
ग.	यथा क्रियते	(iii)	कुतो विद्या
घ.	अल्पविद्या	(iv)	सर्वत्र पूज्यते
ङ.	क्षणत्यागे	(v)	परमो धर्मः

(क → iv, ख → v, ग → i, घ → ii, ङ → iii)

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

19 मूर्खः भृत्यः

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. भृत्यः आज्ञाकारी परं मूर्खः आसीत्।

ख. धनिकस्य पुत्रः भृत्यं बिडालशावकम् आनेतुम् आदिशति।

ग. भृत्यः दुग्धं पात्रं दोरकेण बद्ध्वा कर्षित्वा च आनयति।

घ. धनिकः निराशो भूय वदति यत् भो महापण्डित, दूरम् अपसर, कृष्णं भवतु ते मुखम्।

ङ. भृत्यः मुखं कज्जलेन लिम्पति।

2. रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. तस्य एकः **आज्ञाकारी** परं **मूर्खः** भृत्यः आसीत्।

ख. धनिकः तं **लवणम्** आनेतुम् आदिशत्।

ग. भविष्ये वस्तूनि **मञ्जूषायाम्** एवम् आनेतव्यानि।

घ. **कृष्णं** भवतु ते मुखम्।

ङ. धनिकः **स्वभालं** हस्तेन ताडयति।

3. निम्नलिखितानि वाक्यानि संस्कृते लिखत।

उत्तरम्– क. कस्यचित् धनिकस्य एकः मूर्खः भृत्यः आसीत्।

ख. सः भृत्यः स्व स्वामिनः आज्ञाः पालनं करोति स्म।
ग. धनिक तं हटटात् लवणमानेतुं अकथयत्।
घ. धनिकः तम् अबोधयत् यत् लवणे पात्रे स्थापयित्वा आनेतव्यम्।
ङ. भृत्यः स्वमुखं कृष्णं कृत्वा धनिक समक्षम् उपस्थितः अभवत्।

4. निम्नलिखितानां शब्दानां विभक्तिम्, वचनं लिङ्गञ्च लिखत।

उत्तरम्–

क.	दोरकेण	=	**तृतीया**	**एकवचनम्**	**नपुंसकलिङ्गम्**
ख.	धनिकस्य	=	**षष्ठी**	**एकवचनम्**	**पुंल्लिङ्गम्**
ग.	आपणात्	=	**पञ्चमी**	**एकवचनम्**	**नपुंसकलिङ्गम्**
घ.	लवणम्	=	**प्रथमा**	**एकवचनम्**	**नपुंसकलिङ्गम्**
ङ.	मञ्जूषायाम्	=	**सप्तमी**	**एकवचनम्**	**स्त्रीलिङ्गम्**
च.	भृत्याय	=	**चतुर्थी**	**एकवचनम्**	**पुंल्लिङ्गम्**

5. मञ्जूषायाः सम्यक् अव्ययप्रयोगं कुरुत।

उत्तरम्– क. **कस्मिंश्चित्** देशे एकः नृपः आसीत्।
ख. ते अपठन् **परम्** उत्तीर्णाः न अभवन्।
ग. **कदापि** असत्यं मा वद।
घ. **यथा** परिश्रमं **तथा** फलम्।
ङ. सत्यम् **एव** जयते।
च. सः विद्यालयात् **बहिः** गच्छति।

6. निर्देशानुसारं लकारपरिवर्तनं कुरुत।

उत्तरम्– क. भृत्यः लवणम् आनेतुं गमिष्यति।
ख. सः भृत्यम् आदिशत्।
ग. सः मूर्खः भविष्यति।
घ. पशून् दोरकेण बद्ध्वा आनयतु।
ङ. त्वं दुग्धम् आनयसि।

7. विपरीतार्थानां शब्दानां परस्परं मेलनं कुरुत।

उत्तरम्–

क.	लवणम्	i.	निकटम्
ख.	मूर्खः	ii.	नूतनवस्त्रम्
ग.	धनिकः	iii.	पण्डितः
घ.	भृत्यः	iv.	शीतलम्
ङ.	जीर्णवस्त्रम्	v.	निर्धनः
च.	उष्णम्	vi.	स्वामी
छ.	दूरम्	vii.	मधुरम्

8. सन्धिं कुरुत।

उत्तरम्–

तथा	+	एव	=	**तथैव**
कदा	+	अपि	=	**कदापि**
अत्र	+	अन्तरे	=	**अत्रान्तरे**
सम्	+	लिप्य	=	**संलिप्य**
प्रति	+	आगच्छति	=	**प्रत्यागच्छति**
यदि	+	अपि	=	**यद्यपि**
प्रति	+	एक	=	**प्रत्येक**

9. निम्नलिखितानां शब्दानां वाक्य रचना संस्कृते कुरुत।

उत्तरम्– भृत्य: = **भृत्य:** लवणम् आनेतुम् आपणम् अगच्छत्।

धनिक: = एकदा **धनिक:** भृत्यं लवणम् आनेतुम् आदिशत्।

बुद्धिप्रयोगं = धनिकस्य भृत्य: **बुद्धिप्रयोगं** कदापि करोति स्म:।

मञ्जूषा = **मञ्जूषा:** शब्दानि चित्वा वाक्यानि पूरयत।

अपसर = निराश: भूत्वा धनिक: भृत्यं अवदत्यत् दूरम् **अपसर**।

क्रियाकलाप:

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

20 गुरुभक्त:

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. आरुणि: महर्षे: धौम्यस्य आश्रमे अधीते स्म।

ख. गुरु: आरुणिं केदारखण्डं रक्षितुम आदिशत्।

ग. आरुणे: स्वयमेव केदारखण्डे शयिते जलस्य प्रवाहोरुद्धोऽभवत्।

घ. गुरु अवदत् यत् — ''वत्स! त्वं मम अभूतपूर्व: शिष्य:। कल्याणं ते भवतु। सर्वे वेदा: सर्वाणि शास्त्राणि च तव प्रतिभान्तु। अयं हि मम आशीर्वाद:।''

ङ. आरुणि: गुरो: प्रसादेन अल्पेनैव कालेन सर्वा: विद्या: अशिक्षत्।

2. रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. पुरा एक: **धौम्य:** नामक: महर्षि: आसीत्।

ख. तत्र सर्वान् जलमार्गान् **मृत्तिकया** अबद्धनात्।

ग. मृत्तिका जलस्य वेगेन **तत्र स्थातुं न** अशक्नोत्।

घ. ततो जलस्य **प्रवाह:** अवरुद्धोऽभत्।

ङ. सर्वे वेदा: सर्वाणि **शास्त्राणि** च तव प्रतिभान्तु।

3. सन्धिविच्छेदं कुरुत।

उत्तरम्–

क. महर्षि:	=	**महा + ऋषि:**	ख. विद्यार्थी	=	**विद्या + अर्थी**
ग. स्वयमेव	=	**स्वयम् + एव**	घ. संस्थित:	=	**सम् + स्थित:**
ङ. आशीर्वाद:	=	**आशी: + वाद:**	च. प्रत्यवदत्	=	**प्रति + अवदत्**
छ. अल्पेनैव	=	**अल्पेन + एव**			

4. संस्कृते अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. पुरा धौम्य: नामक: ऋषि: आसीत्।

ख. तस्य आश्रमे बहव: विद्यार्थिन: अध्ययनं कुर्वन्ति स्म।

ग. तेषु एक: आरुणि नामक: शिष्य: अपि आसीत्।

घ. महर्षि: आरुणि केदारखण्डं बद्धुम् अप्रेषयत्।

ङ. मृत्तिकया जलवेगम् आरुणि: रोद्धुं न अशक्नोत।

च. गुरो: कृपया आरुणि सर्वा: विद्या: अप्राप्नोत्।

5. हिन्द्याम् अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. तब आरुणि स्वयं ही वहाँ लेट गया।

ख. उसके बाद जल का प्रवाह रुक गया।

ग. वैसे रहते हुए वह दिन बीत गया।

घ. तो हम सभी वहाँ जाते हैं जहाँ वह आरुणि गया।

ङ. आवाज सुनकर आरुणि मेंड से उठकर गुरु के सामने उपस्थित हुआ।

च. वत्स! तुम मेरे अभूतपूर्व शिष्य हो। तुम्हारा कल्याण हो।

6. सम्यक् कथने (✓) इत्यस्य चिह्नं नियोजयत।

उत्तरम्– क. (✗) ख. (✗) ग. (✗) घ. (✓) ङ. (✓)

7. निम्नलिखितानां शब्दानां विभक्तिं वचनञ्च लिखत।

उत्तरम्–

	शब्दः		विभक्तिः	वचनम्
क.	सर्वान्	=	**द्वितीया**	**बहुवचनम्**
ख.	जलस्य	=	**षष्ठी**	**एकवचनम्**
ग.	सर्वाणि	=	**प्रथमा**	**बहुवचनम्**
घ.	प्रसादेन	=	**तृतीया**	**एकवचनम्**
ङ.	अस्मि	=	**तृतीया**	**एकवचनम्**

8. तालिकां पूरयत।

उत्तरम्–

विभक्तिः	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमा	सः	**तौ**	ते
द्वितीया	**तम्**	तौ	**तान्**
तृतीया	तेन	**ताभ्याम्**	तैः
चतुर्थी	**तस्मै**	ताभ्याम्	तेभ्यः
पञ्चमी	तस्मात्	**ताभ्याम्**	**तेभ्यः**
षष्ठी	तस्य	तयोः	तेषाम्
सप्तमी	**तस्मिन्**	तयोः	**तेषु**

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

21 व्याकरणम्

विद्यार्थी स्वयं करें।

1 विश्वबंधुत्व

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. विश्व सर्वान् जनान् प्रति बंधुत्वस्य भावः एव विश्वबन्धुत्वम् इति कथ्यते।

ख. विश्वबंधुत्वम् एव दृष्टौ निधाय केनापि मनीषिणः निर्दिष्टम्—
अयं निजः परोवेति गणना लघुचेतसाम्
उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुंबकम्।।

ग. विगतयोः द्वयोः विश्वयुद्धयोः विनाशलीलां सर्वे जानन्ति।

घ. सर्वेषु मानवेषु समानं रक्तं प्रवहति।

2. रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. भावनैषा **अपरिहार्या** आवश्यकता।

ख. अस्य प्रधान कारणं **विश्वबंधुत्वस्य** अभावः एव।

ग. विगतयोः द्वयोः **विश्वयुद्धयोः** विनाशीलां सर्वे जानन्ति एव।

घ. एकः देशः अन्येन देशेन सह **बंधुतायाः** व्यवहारं कुर्यात्।

ङ. संसारे सर्वेषु जनेषु समानं **रक्तं** प्रवहति।

च. सर्वत्र **प्रेम्णः** बंधुत्वस्य च अभावो वर्तते।

3. संस्कृते अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. जनान् प्रति बंधुत्वस्य भावः एव विश्वबंधुत्वं कथ्यते।

ख. एषा भावना अपरिहार्या आवश्यकता वर्तते।

ग. सर्वत्र प्रेम्णः बंधुत्वस्य च अभावो वर्तते।

घ. मानवः चन्द्रा दिग्रहेषु गंतुं समर्थः अस्ति।

ङ. जीवने शान्ति दुर्लभा जाता।

4. निम्नलिखितानां पदानां वचनम् विभक्तिं च लिखत।

उत्तरम्–

	शब्द रूप	वचन	विभक्ति
क.	बंधुत्वस्य	**एकवचनम्**	**षष्ठी**
ख.	ग्रहेषु	**बहुवचनम्**	**सप्तमी**
ग.	अखिले	**एकवचनम्**	**सप्तमी**
घ.	देशानाम्	**बहुवचनम्**	**षष्ठी**
ङ.	याभ्याम्	**द्विवचनम्**	**चतुर्थी/पञ्चमी**
च.	व्यवहारम्	**एकवचनम्**	**द्वितीया**

5. निम्नलिखितानां शब्दानां वाक्य-प्रयोगं कुरुत।

उत्तरम्– क. विश्वस्य — **विश्वस्य** आदि ग्रन्थाः चत्वारः वेदाः संस्कृत भाषायाम् एव सन्ति।

ख. साम्राज्यम् — अखिले विश्वे अशान्तेः **साम्राज्यं** व्याप्तम् अस्ति।

ग. दुर्बलानाम् — व्यायामेन **दुर्बलानाम्** शरीरं नीरोगं भवति।

घ. परस्परम् — जना: **परस्परं** कलहं न कुर्यु:।

ङ. देशा: — सबल **देशा:** दुर्बलानां देशानाम् उपरि आक्रमणं न कुर्यु:।

च. शांति — जीवने प्रेम्ण: विना **शान्ति:** सुलभा न जाता।

6. निम्नलिखितान् शब्दान् मेलयत।

उत्तरम्–

क. बंधुत्वस्य भाव:	(i) आकाशे
ख. निज: परोवेति गणना	(ii) संतर्तुम्
ग. वसुधैव कुटुंबकेन	(iii) विश्वबंधुत्वम्
घ. वायुयानेन	(iv) लघुचेतसाम्
ङ. जलपोतेन	(v) उदारचरितानाम्

7. सम्यक कथने (✓) चिह्नं नियोजयत।

उत्तरम्– क. (✓) ख. (✗) ग. (✗) घ. (✗) ङ. (✓)

8. हिन्द्यांअनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. सभी लोगों का हित और सभी लोगों का सुख भाईचारे के बिना संभव नहीं है।

ख. ऐसी भावना निश्चित रूप से आवश्यक है।

ग. संसार में कलह और अशांति का साम्राज्य फैला हुआ है।

घ. मनुष्य के प्रति भाईचारे का आचरण करना चाहिए।

ङ. एक देश दूसरे देश के साथ भाईचारे का व्यवहार करे।

क्रियाकलाप:

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

2 विद्यार्थीजीवनम्

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. कस्यापि जनस्य जीवनयात्राया: निर्वाहनिर्धारणं तस्य विद्यार्थी जीवने एव भवति। तदा स: यादृशं वृंत समुपचिनोति तेनैव जीवन यात्राया: निर्वाह–निर्धारणं भवति।

ख. सर्वाणि सुखानि विहाय विद्याध्ययनमेव छात्रस्य कर्तव्यं स्यात्।

ग. आत्मविश्वास: विद्यार्थिन: जीवनस्य मुख्य: उद्देश्य: अस्ति।

घ. काकवत् चेष्टा बकवत् ध्यानम् श्वानवत्, निद्रा, अल्पहारं, गृहत्यागं चेति विद्यार्थिन: पञ्चलक्षणानि सन्ति।

ङ. ब्रह्मचर्यपालनं सर्वश्रेयस्करं विद्यार्थिनां कृते।

2. रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. छात्र जीवनं **मानवजीवनस्य स्वर्ण**–कालम् अस्ति।

ख. **विद्याध्ययनं** विद्यार्थीजीवनस्य प्रथमं कर्तव्यम् अस्ति।

ग. समयस्य **दुरुपयोग:** कदापि न करणीय:।

घ. विद्यार्थी सदैव **काकवत्** चेष्टां कुर्यात्।

ङ. विद्यार्थिना **स्वल्पाहारः** एव करणीयः।

3. हिन्द्यां अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. विद्या के अध्ययन का काल ही तपस्या का काल है।

ख. विद्या का अध्ययन ही छात्र का कर्तव्य होना चाहिए।

ग. गुरुओं की सेवा उनका परम कर्तव्य है।

ङ. आत्मविश्वास विद्यार्थी के जीवन का मुख्य उद्देश्य है।

च. विद्यार्थी हमेशा कौए की तरह चेष्टा करे।

4. सन्धिविच्छेदं कुरुत।

उत्तरम्–

क.	यतश्च	=	**यतः**	+	**च**
ख.	तेनैव	=	**तेन**	+	**एव**
ग.	तथैव	=	**तथा**	+	**एव**
घ.	दुरुपयोग:	=	**दुः**	+	**उपयोग**
ङ.	परमोन्नतिम्	=	**परम**	+	**उन्नतिम्**

5. विपरीतार्थकान् शब्दान् लिखत।

उत्तरम्–

निर्माणम्	=	**विनाशः**	उन्नतिम्	=	**अवनतिः**	प्रथमम्	=	**अन्त्य**
सुखानि	=	**दुःखानि**	सदुपयोग:	=	**दुरुपयोगः**	ज्ञानम्	=	**अज्ञानम्**
गुरु:	=	**शिष्यः**	अल्पम्	=	**दीर्घम्**	मुख्य:	=	**गौणः**
मानम्	=	**अपमानम्**						

6. निम्नलिखितानां शब्दानां वाक्य-प्रयोगं कुरुत।

उत्तरम्–

क.	यादृशम्	=	छात्रः अस्मिन् काले **यादृशम्** वृतं समुपचिनोति, तेनैव सः स्व जीवनयात्राया निर्वाहं करोति।
ख.	सदैव	=	**सदैव** सत्यं वद।
ग.	सेवा	=	गुरुणां **सेवा** छात्राणां परम कर्तव्यं वतर्ते।
घ.	आलस्यम्	=	**आलस्यम्** कदापि न कर्तव्यम्।
ङ.	कदापि	=	समयस्य दुरुपयोग: **कदापि** न करणीयः।

7. बहुवचने परिवर्तयत।

उत्तरम्–

अस्मिन्	=	**एषु**	काले	=	**कालेषु**	जीवनस्य	=	**जीवनानाम्**
नियमम्	=	**नियमान्**	गुरुणा	=	**गुरुभिः**	सुखम्	=	**सुखानि**
छात्रात्	=	**छात्रेभ्यः**	याचकाय	=	**याचकेभ्यः**	तस्मात्	=	**तेभ्यः**
हे रमा!	=	**हे रमाः!**						

8. संस्कृते अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. विद्यार्थी जीवनं मानव जीवनस्य स्वर्णकालम् अस्ति।

ख. विद्याध्ययनं विद्यार्थी जीवनस्य प्रथमं कर्तव्यम् अस्ति।

ग. विद्याध्ययन काल: एव तपस्याकाल: वर्तते।

घ. गुरूणाम् आज्ञापालनं तेशां परमं कर्तव्यं वर्तते।

ङ. समयस्य दुरुपयोग: कदापि न करणीय।

च. विद्यार्थिना स्वल्याहारः एव करणीयः।

9. क्रियापदानि रेखाङ्कितानि कुरुत लिखत च।

उत्तरम्–	क. विद्याध्ययनकाले परिश्रमेण पठित्वा स्व लक्ष्यं प्राप्नुत।	**पठित्वा, प्राप्नुत**
	ख. सर्वदा गुरोः आज्ञां मत्वां अध्ययनं कुरुत।	**मत्वा, कुरुत**
	ग. कदापि समयस्य दुरुपयोगः न करणीयः।	**करणीयः**
	घ. स्व कर्तव्यं पालयन एवं विद्यार्थी उन्नतिं प्राप्नोति।	**पालयन, प्राप्नोति**
	ङ. सः स्व जीवन यात्रायाः निर्वाहं करोति।	**करोति**

10. निम्नलिखितानां पदानां वचनम् विभक्तिं च लिखत।

उत्तरम्–	**पदानां**	**वचन**	**विभक्ति**
	क. मानवजीवस्य	**एकवचनम्**	**षष्ठी**
	ख. जीवनयात्रायाः	**एकवचनम्**	**पञ्चमी/षष्ठी**
	ग. अनुशासने	**एकवचनम्**	**सप्तमी**
	घ. गुरूणां	**एकवचनम्**	**तृतीया**
	घ. आत्मविकासाय	**एकवचनम्**	**चतुर्थी**

11. निम्नलिखितानां शब्दान् मेलयन।

उत्तरम्–	क. विद्यार्थी जीवनम्	(i)	तपस्याकालः
	ख. विद्याध्ययनम्	(ii)	स्वर्णकालम्
	ग. वकः	(iii)	निद्रा
	घ. श्वान	(iv)	ध्यानः
	ङ. अल्पः	(v)	चेष्टा
	च. काकवत्	(vi)	आहारी

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

3 जगतगुरुः शङ्कराचार्यः

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानां उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. केरले कालडी नामकः ग्रामः अस्ति।

ख. शङ्करस्य पिता बाल्ये एवं दिवंगतः।

ग. सः गोविन्द पदाचार्येभ्यः संन्यासं गृहीतवान्।

घ. माता स्व पुत्रं मकरेण गृहीतम् अपश्यत्।

ङ. शङ्कराचार्यस्य 'भज गोविन्दं' इति गीतं प्रसिद्धम्।

2. रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. शङ्करस्य **बाल्ये** एव पिता **दिवंगतः**।

ख. माता पुत्रस्य **प्रार्थनां** न स्वीकृतवती।

ग. यथा तुभ्यं **रोचते** तथा **कुरु**।

घ. अत्रान्तरे बहवः **जनाः** तस्य **शिष्याः** अभवन्।

ङ. एवञ्च सः **द्वात्रिंशे वयसि** ब्रह्मभावम् उपगतः।

3. संस्कृते अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. शङ्कराचार्य माता आर्याम्बा पिता च शिवगुरुः आस्ताम्।

ख. स्नानाय नदीं गतः शङ्कराचार्य मकरः गृहीतवान्।

ग. बहवः जनाः शङ्कराचार्यस्य शिष्याः अभवन्।

घ. शङ्कराचार्यः चत्वारः मठान् स्थापयत्।

ङ. शङ्कराचार्यस्य मृत्यु द्वात्रिंरो वयसि अभवत्।

4. हिन्द्यामनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. शङ्कराचार्य के बचपन में ही पिता स्वर्गवासी हो गये थे।

ख. शङ्कराचार्य की माता इनका विवाह करना चाहती थीं।

ग. नदी के जल में मगरमच्छ द्वारा शङ्कर का पैर पकड़ा गया।

घ. शङ्कराचार्यस्य का 'भज गोविन्दम' गीत बहुत प्रसिद्ध है।

ङ. बत्तीसे वर्ष में शङ्कराचार्य ब्रह्मभाव में लीन हो गए।

5. सन्धिं कुरुत।

उत्तरम्–

क.	जन्मन	+	एव	=	**जन्मनैव**
ख.	कुलः	+	उचिताः	=	**कुलोचिताः**
ग.	तम्	+	अनुगृहीतवती	=	**तमनुगृहीवती**
घ.	निः	+	अगच्छत्	=	**निर्गच्छति**
ङ.	पुनः	+	अपि	=	**पुनरपि**

6. निम्नलिखितानां शब्दानां वाक्य-प्रयोगं कुरुत।

उत्तरम्– क. दिवंगतः = शङ्कराचार्यस्य पिता बाल्ये एवं **दिवंगतः**।

ख. अधीतवान् = शङ्कराचार्यः कुलोचिताः विद्या शीघ्रमेव **अधीतवान्**।

ग. प्रयच्छ = शङ्करः मातरमवदत् अम्बा संन्यासग्रहणाय अनुमतिं **प्रयच्छ**।

घ. परीक्षणाय = अद्वैत सिद्धान्तरस्य **परीक्षणाय** श्रीशङ्करः चत्वारः मठान् स्थापयत्।

ङ. पाहि = इह संसारे **पाहि** मुरारे।

7. निम्नलिखितानां श्लोकार्थम् लिखत।

उत्तरम्– हे मूढ़मति! गोविंद (ईश्वर) को भज, गोविंद को भज, गोविंद को भज। दिन, रात, सायं प्रातः, शिशिर और वसंत फिर आते हैं। समय खेलता है, आयु जा रही है, फिर भी मनुष्य जीने की आशा नहीं छोड़ता है। हे मूढ़मति! गोविंद को भजो।

8. विपरीतार्थकानि पदानि लिखत।

उत्तरम्–

ग्रामे	=	**नगरे**	जन्म	=	**मृत्यु**	समीपे	=	**दूरे**
विद्या	=	**अविद्या**	यथा	=	**तथा**	प्रातः	=	**सायम्**
उच्चैः	=	**नीचैः**	देशं	=	**विदेशं**	जननं	=	**मरणम्**
रोचते	=	**अरुचिः**	कष्टेन	=	**सुखेन**	शिष्या	=	**गुरूः**

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

4 अपूर्वः त्यागः

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. पन्ना बालनृपस्य उदयसिंहस्य धात्री आसीत्।

ख. उदयः शिशुः आसीत् अतः राजपूतप्रमुखैः एकं दूरस्थं सम्बन्धिनं बनवीरं तस्य संरक्षकः नियुक्तम्।

ग. बनवीरात् उदयं रक्षितुं पन्ना तं प्रासादात् बहिः अप्रेषयत्।

घ. युवा भूत्वा उदयः बनवीरं युद्धे निहत्य चित्तौडदेशस्य राजा अभवत्।

2. रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. महाराणा **सङ्ग्रामसिंहः** देवलोकम् अगच्छत्।

ख. तस्य इदं **घृणितं** विचारं **पन्नाधात्र्या** ज्ञातम्।

ग. तस्याः स्वपुत्रः **चन्दनः** अपि समवयसः **आसीत्**।

घ. तर्हि अहं **निष्कण्टकं** राज्यं **करिष्यामि**।

ङ. सः एव **'उदयपुर'** नगरम् **अस्थापयत्**।

3. हिन्द्यांनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. महाराणा संग्रामसिंह देवलोक (मृत्य) को प्राप्त हो गये।

ख. पुत्र उदयसिंह अभी बच्चा ही था।

ग. बालक राजा का पोषण पन्ना नाम की एक धाय कर रही थी।

घ. रक्त के प्यासे बनवीर ने पूछा।

ङ. धन्य है ऐसी स्वामी भक्ति, यह अपूर्व त्याग।

4. घटनाक्रमानुसारं वाक्यानि लिखत।

उत्तरम्– क. राणा सङ्ग्रामसिंहस्य स्वर्गवासः अभवत्।

ख. तस्य शिशु पुत्रः उदयसिंहः राज्ञः पदे अभिषिक्तः।

ग. राज्यस्य कृते बनवीरः उदयम् हन्तुम् ऐच्छत्।

घ. पन्ना स्वपुत्रम् उदयस्य स्थाने अस्थापयत्।

ङ. चन्दनः हतः उदयः च सुरक्षितः निर्गतः।

च. धन्यः पन्नाधात्र्याः अनुपमः त्यागः।

5. उचितैः धातुरूपैः रिक्तस्थानं पूरयत।

उत्तरम्–

क.	लट्	कृ	**करोति**	कुरुतः	कुर्वन्ति
ख.	लृट्	स्था	स्थास्यति	**स्थास्यतः**	**स्थास्यन्ति**
ग.	लङ्	अस्	आसीत्	**आस्ताम्**	**आसन्**
घ.	लोट्	गम्	**गच्छतु**	**गच्छताम्**	गच्छन्तु
ङ.	विधिलिङ्	भू	**भवेत्**	भवेताम्	**भवेयुः**

6. संस्कृते अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. महाराणा सङ्ग्रामसिंहः देवलोकम् अगच्छत्।

ख. उदयसिंहः अधुना शिशुः एव आसीत्।

ग. पन्नाधात्र्याः एकः पुत्रः आसीत्।

घ. चित्तौड़ नामकं स्थानं राजस्थान-प्रदेशे अस्ति।

ङ. धन्या इदृशी स्वामिभक्तिः अपूर्वश्च त्यागः।

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

5 अनुशासनस्य महत्त्वम्

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. संसारेऽस्मिन् अनुशासनस्य महत्त्वं वर्तते।

ख. विद्याध्ययनकाले अनुशासनस्य साम्राज्यम् अस्ति।

ग. ये छात्राः गुरोः अनुशासने परिश्रमेण विद्यायाः अध्ययनं कुर्वन्ति ते सदा सफलतां प्राप्नुवन्ति।

घ. गृहे, विद्यालये, सेनायाम् सर्वत्रैव अनुशासनस्य आवश्यकता वर्तते।

ङ. लोके यदि अनुशासनं न स्यात् तर्हि सर्वदा अव्यवस्था भविष्यति।

2. रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. अस्मिन् संसारे **अनुशासनस्य** महत्त्वं वर्तते।

ख. **विद्याध्ययनकाले** तु **अनुशासनस्य** साम्राज्यम् एव अस्ति।

ग. विद्यालये **गुरवः** अनुशासनं कुर्वन्ति।

घ. अनुशासनं **सामाजिक जीवने** परम् आवश्यकम्।

ङ. अनेनैव इहलोकस्य **कल्याणं** जायते।

3. सन्धिविच्छेदं कुरुत।

उत्तरम्–

क.	सर्वत्रैव	=	**सर्वत्र**	+	**एव**
ख.	राष्ट्रेऽपि	=	**राष्ट्रे**	+	**अपि**
ग.	विद्याध्ययनम्	=	**विद्या**	+	**अध्ययनम्**
घ.	श्रेयोऽभिलाषी	=	**श्रेयः**	+	**अभिलाषी**
ङ.	पुनश्च	=	**पुनः**	+	**च**

4. निम्नलिखितानां शब्दानां वाक्य-प्रयोगं कुरुत।

उत्तरम्–

क.	सर्वत्र	=	अनुशासनस्य **सर्वत्र** महत्वं वर्तते।
ख.	गुरवः	=	विद्यालये **गुरवः** अनुशासनं स्थापयन्ति।
ग.	अभ्यासः	=	बाल्यकालात् एव अनुशासनस्य **अभ्यासः** करणीयः।
घ.	यदि	=	जीवने **यदि** अनुशासनं भवति तर्हि मनुष्यः सफलतां लभते।
ङ.	कल्याणम्	=	अनुशासने एव मानवस्य **कल्याणम्** अस्ति।

5. संस्कृते अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. अस्मिन् संसारे अनुशासनस्य सर्वत्र महत्त्वम् अस्ति।
ख. विद्यालये अनुशासनम् अति आवश्यकम् अस्ति।
ग. मानव जीवने अनुशासनस्य महत्तवम् अवलोक्यते।
घ. बाल्यकालात् एव अनुशासनस्य अभ्यास: कर्तव्य:।
ङ. सामाजिक जीवने अपि अनुशासनं परम् आवश्यकं वर्तते।

6. हिन्द्यामनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. मानव जीवन में अनुशासन का महत्त्व बहुत आवश्यक है।
ख. जो छात्र परिश्रम करते हैं, वे ही जीवन में सफल होते हैं।
ग. यदि अनुशासन न हो तो विद्यार्थी उद्‌दंड हो जाए।
घ. बचपन से ही अनुशासन का अभ्यास करना चाहिए।
ङ. इसी से इस लोक का कल्याण हो सकता है।

7. निम्नलिखितानां पदानां वचनम्, लिङ्गं विभक्तिं च लिखत।

उत्तरम्–

	पदम्		वचनम्	लिङ्गम्	विभक्तिः
क.	संसारे	=	**एकवचनम्**	**पुंल्लिङ्गम्**	**सप्तमी**
ख.	गुरो:	=	**एकवचनम्**	**पुंल्लिङ्गम्**	**पञ्चमीषष्ठी**
ग.	अनुशासनात्	=	**एकवचनम्**	**नपुंसकलिङ्गम्**	**पञ्चमी**
घ.	संस्कृते:	=	**एकवचनम्**	**स्त्रीलिङ्गम्**	**पञ्चमीषष्ठी**

8. निम्नलिखितानां पदानामर्थान् लिखत।

उत्तरम्–

वर्तते	=	**है**	कुर्वन्ति	=	**करते हैं।**
प्राप्नुवन्ति	=	**प्राप्त करते हैं।**	अवलोक्यते	=	**दिखाई देता है।**
कुरूत:	=	**(दो) करते हैं।**	कुर्यु:	=	**करना चाहिए (करें)।**
भवेयु	=	**होने चाहिए (होंवे)**	पश्यन्ति	=	**देखते हैं।**
भविष्यति	=	**होगा।**	तिष्ठेयु	=	**रहने चाहिए (रहें)**
तर्हि	=	**तो**	स्यात्	=	**होना चाहिए।**

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

6 विचित्रं जगत्

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. वयं जन्तुशालायां जन्तूनां विचित्रतां प्रत्यक्षम् अनुभविष्याम:।
ख. जलजीवनविषये इदं ज्ञातुं वैज्ञानिकानाम् औत्सुक्यं वर्तते यत् ते कथं जलेषु निवसन्ति कथं च स्वसन्ततिं पालयन्ति।
ग. अस्मिन् संसारे मानवा:, मृगा:, कीटा:, खगा:, वृक्षा:, पादपा: च सर्वे

अन्योन्याश्रिता:।

घ. पादपानाम् वृक्षाणाम् कुसुमानां वैभवं वैचित्र्यं च दृष्टिपथम् आगमिष्यति।

ङ. भयावहा: सिंहा:, चित्रका: व्याघ्रा: च भयम् उत्पादयन्ति।

2. रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. **विशालम्** इदं जगतम् **विचित्रं** च।

ख. मानवात् ऋते विविधा: **प्राणिनः** अत्र निवसान्ति।

ग. कचित् **उष्ण प्रदेशेषु** वसन्ति, केचित् शीतलस्थलेषु।

घ. **पृथिव्याः** भागद्वयं **जलम्** अस्ति।

ङ. रमणीया हि सृष्टि एषा **विलक्षणा** च।

3. एकस्मिन् शब्दे उत्तरं ददत।

उत्तरम्– क. रम्यम्। ख. प्राणिन:। ग. सौम्या:। घ. पृथिव्या:।

ङ. अद्भुतम्। च. रमणीया। छ. सन्ततिम्।

4. सन्धि विच्छेदं कुरूत।

उत्तरम्–

क.	जन्तुशालां	=	**जन्तु**	+	**शालां**
ख.	ह्रस्वाकारा	=	**ह्रस्व**	+	**आकारा**
ग.	स्थलवासिन:	=	**स्थल**	+	**वासिनः**
घ.	निवासानुकूल	=	**निवास**	+	**अनुकूल**
ङ.	शीतलस्थलेषु	=	**शीतल**	+	**स्थलेषु**
च.	शोघकार्यं	=	**शोध**	+	**कार्यं**
छ.	घासक्षेत्रेषु	=	**घास**	+	**क्षेत्रेषु**

5. संस्कृते अनुवादं करुत।

उत्तरम्– क. इदं जगत् विशालं विचित्रं च वर्तते।

ख. इयं विविधता इदं जगत् रम्यं करोति।

ग. जन्तूनां विचित्रतां प्रत्यक्षम् अनुभविष्यति।

घ. क्वचित् सौम्या: पक्षिण: कूजन्ति।

ङ. क्वचित् भयावहा: पशव: गर्जन्ति।

च. पृथिव्या भागद्वयं जलम् अस्ति।

छ. खलु एषा सृष्टि: रमणीया विचित्रा च अस्ति।

6. निम्नलिखितानां पदानां वचनम् विभक्तिं च लिखत।

उत्तरम्–

पदानां	**विभक्तिं**	**वचनम्**
मानवात्	**पञ्चमी**	**एकवचनम्**
घासक्षेत्रेषु	**सप्तमी**	**बहुवचनम्**
वृक्षाणाम्	**षष्ठी**	**बहुवचनम्**
हिमप्रदेशेभ्य:	**चतुर्थी/पञ्चमी**	**बहुवचनम्**

7. शब्दार्थान् मेलयत।

उत्तरम्– क. भवान् **(v) आप**

ख.	क्वाचित्	(vi)	**कहीं**
ग.	प्रति	(iv)	**की ओर**
घ.	केचित्	(iii)	**कुछ**
ङ.	मकराः	(ii)	**मगरमच्छ**
च.	कदाचित्	(i)	**कभी**

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

7 सुभाषितानि

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. दिवसे तथा करणीयं येन रात्रौ सुखेन तिष्ठेत् तथैव युवावस्थायां तादृशानि कार्याणि करणीयानि येन वृद्धत्वे सुखी भवेत्।

ख. परोक्षे कार्यहन्तारं प्रत्यक्षे प्रियवादिनं च तादृशं मित्रं वर्जयेत।

ग. कार्याणि उद्यमेन सिध्यन्ति।

घ. विचक्षणाः वर्तमान काले वर्तयन्ति।

ङ. यत्र धनिकः श्रोत्रियो, राजा, नदी, वैद्यश्च न भवेयुः तत्र वासं न कारयेत्।

च. सर्पस्तु काले दशति परं दुर्जनः पदे पदे।

2. निम्नलिखितान् श्लोकान् पूरयत।

उत्तरम्– क. उद्यमेन **हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः**।
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः।।

ख. परोक्षे **कार्यहन्तारं प्रत्यक्षे प्रियवादिनम्**।
वर्जयेत्तादृशं मित्रं विषकुम्भं पयोमुखम्।।

ग. गते **शोको न कर्तव्यो भविष्यं नैव** चिन्तयेत्।
वर्तमानेन कालेन वर्तयन्ति विचक्षणाः।।

3. कोष्ठकेषु दत्तेषु पदेषु उचितां विभक्तिं प्रयुज्य रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. मधुरं फलं परिश्रमेण मिलति।

ख. तत्र वासः न कार्यः यत्र पर्यावरणं दूषितं भवेत्।

ग. परोक्षे निन्दकं मित्रं वर्जयेत्।

घ. सर्वेषु पक्षिषु गृद्धः क्रूरः भवति।

ङ. कार्याणि दिवसे एवं पूरणीयानि।

4. निम्नलिखितानि क्रियापदानि प्रयुज्य वाक्यानि रचयत।

उत्तरम्–

क.	चलति	=	गजः शनैः शनैः **चलति**।
ख.	वसेत्	=	यत्र सज्जनाः न भवेयुः तत्र न **वसेत्**।
ग.	वर्तयन्ति	=	सज्जनाः सर्वैः सह सुमधुरं **व७र्तयन्ति**।
घ.	कुर्यात्	=	कदापि असत्यभाषणां न **कुर्यात्**।

ङ. दशति = सर्पः कालेन **दशति** परं खलः पदे पदे।

5. निम्नलिखितानां मेलनं कुरुत।

उत्तरम्– क. सुप्तस्य **(vi) सिंहस्य**

ख. वृद्धः **(vii) सुखी भवेत्**

ग. सर्पः **(v) दशति कालेन**

घ. वर्तयन्ति **(ii) विचक्षणाः**

ङ. गते **(iii) शोको न कर्त्तव्यः**

च. उद्यमेन **(i) हि सिध्यन्ति**

छ. क्रूरतरः **(iv) खलः**

6. रञ्जितानि पदानि आधृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत।

उत्तरम्– क. मृगाः कुत्र न प्रविशन्ति? ख. यत्र न कः तत्र वासं न कारयेत्?

ग. कार्याणि कथं न सिध्यन्ति? घ. कदा शोको न कर्तव्यः?

ङ. दुर्जनः कदा दशति?

7. निम्नलिखितानां शब्दानां समानार्थकान् शब्दान् लिखत।

उत्तरम्–

दिवसः	=	**वासरः**	रात्रिः	=	**निशा**
उद्यमः	=	**परिश्रमः**	मृगः	=	**पशुः**
राजा	=	**नृपः**	दुर्जनः	=	**खलः**

8. निम्नलिखितानां श्लोकान् हिन्द्यामनुवादं कुरूत।

उत्तरम्– हिंदी अनुवाद–

क. परिश्रम से ही कार्य पूरे होते हैं इच्छाओं से नहीं। क्योंकि सोए हुए शेर के मुँह में पशु स्वयं प्रवेश नहीं करते हैं, उसे भी परिश्रम करना ही पड़ता है।

ख. पीठ पीछे कार्य को नष्ट करने वाले और सामने प्रिय (मीठा) बोलने वाले ऐसे मित्र को उसी प्रकार से छोड़ देना चाहिए जिस प्रकार से मुख पर दूध लगे हुए विष से भरे घड़े को छोड़ दिया जाता है।

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

8 कन्याकुमारीतः पत्रम्

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. प्रज्ञा एतत् पत्रं कन्याकुमारीतः लिखति।

ख. भारतस्य पूर्वस्यां दिशि बङ्गोपसागरः अस्ति।

ग. प्रख्यातः राष्ट्रभक्तः युवा संन्यासी स्वामी विवेकानन्दः आसीत्।

घ. विवेकानन्दः मातृभूमेः सेवायै आत्मानं समर्पयितुं सङ्कल्पितवान्।

ङ. अपरस्मिन् शिलाखण्डे तिरुवल्लुवरस्य तमिलकवेः प्रतिमा अस्ति।

2. निर्देशानुसार उचितेभ्यः शब्देभ्यः रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. मम मित्रेण अनेकानि पुस्तकानि **क्रेतव्यानि**।

ख. सर्वे गुरुजना: **सेवनीया:**।

ग. अस्माभि: कक्षायां न **हसितव्यम्**।

घ. मया संस्कृतस्य विषये एका रचना **पठनीया**।

ङ. सर्वदा शुद्धं जलं **पातव्यम्**।

च. वर्षासमये गृहे **स्थातव्यम्**।

3. सम्यक् उत्तरे (✓) इति चिन्हं नियोजयत।

उत्तरम्– क. चरणम्, ख. विवेकानन्दशिला, ग. अरबसागरे,

घ. तिरुवल्लुवरस्य, ङ. ध्यानम्।

4. असम्बद्धान् शब्दान् अवगम्य असम्बद्धताया कारणं च ज्ञापयत।

उत्तरम्–

क.	कुत्र	—	स्थानवाचक, शेष सभी कालवाचक
ख.	पाठयति	—	प्रेरणार्थक क्रिया, शेष सभी सामान्य क्रिया
ग.	समुद्र	—	पुंल्लिङ्ग संज्ञावाची, शेष सभी नपुंसकलिङ्ग वाची
घ.	धनवान्	—	संज्ञावाची, शेष सभी क्रियावाची
ङ.	आगन्तुम	—	तुमुन् प्रत्यय युक्त, शेष सभी 'क्त्वा' प्रत्यय युक्त

5. क्रियापदानाम् अर्थं लिखत।

उत्तरम्–

प्रणमामि	=	**प्रणाम करता हूँ**	निवेदयामि	=	**निवेदन करता हूँ**
लिखामि	=	**लिखता हूँ**	मन्यते	=	**माना जाता है**
कथ्यते	=	**कहलाता है।**	गच्छन्ति	=	**जाते हैं।**
भवाति	=	**होता है**	अवलोकितवन्त:	=	**देखा**
कृतवान	=	**किया**	चिन्तयामि	=	**सोच रहा हूँ**
प्रस्थास्याम:	=	**प्रस्थान करेंगे**	दर्शयिष्यामि	=	**दिखाऊँगा**

6. संस्कृते अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. अहं कनयाकुमायित: पत्रं लिखमि।

ख. तस्मिन् मन्दिरे कुमारीदेव्या: एका प्रतिमा अस्ति।

ग. विविधेभ्य: स्थानेभ्य: तीर्थयात्रिण: अत्रायान्ति।

घ. अस्यां शिलायाम् उपविश्य विवेकानन्द: ध्यानमकरोत्।

ङ. वयम् अस्मात् श्व: प्रस्थानं करिष्याम:।

च. अस्माभि: विवेकानन्दस्य साहित्यं पठितव्यम्।

छ. पर्यटनाय वयं तत्र गमिष्याम:।

ज. वयं ग्रीष्मावकाशे कन्याकुमारीं चलेम।

7. हिन्द्यामनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. हिमालय भारत की रक्षा करता है।

ख. स्वामी विवेकानंद ने कन्याकुमारी में तपस्या की।

ग. पूर्णिमा में वहाँ का दृश्य बहुत सुंदर होता है।

घ. मैं पिता जी के साथ यहाँ घूमने आई हूँ।

ङ. यह स्थान मेरे घर से अधिक दूर नहीं है।

8. निम्नलिखितानां शब्दानां स्व-वाक्येषु प्रयोगं कुरूत।

उत्तरम्– क. कन्या कुमारी = **कन्याकुमारी** भारतमातु: पवित्रं चरणं मन्यते।

ख. छात्रै: = स: **छात्रै** सह नदीतटं अगच्छत्।

ग. त्रयाणाम = कन्याकुमार्याम् हिन्दमहासागर:, बङ्गोपसागर: अरब सागरश्च त्रयाणाम् समुद्राणाम्।

घ. एकस्मिन् = **एकस्मिन्** वने एक: सिंह: वसति स्म।

ङ. सूर्यास्तम् = सायम् पश्चिमदिशि **सूर्यास्तं** भवति।

च. पूर्णिमा = **पूर्णिमा** तिथौ पूर्णचन्द्रस्य दर्शनं भवति।

क्रियाकलाप:

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

9 मुनिः मूषकश्च

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. मुनि: वने स्वाश्रमे तप: करोति स्म।

ख. मुनि: मूषकस्य चिकित्सा कृत्वा पालनमकरोत्।

ग. मुनि: बिडालं कुक्कुरे अत: परिवर्तितवान् यतोहि स: कुक्कुरात् भीत्वा मुने: समीपम् अधावत्।

घ. व्याघ्र: अचिन्तयत् यत् यावत् अयं मुनि: जीवति तावत् सर्वे जना: मम विषये एवमेव वदिष्यन्ति। एतेन मम अपकीर्ति: भवति। मुने: कारणात् जना: मम मूलं रूपं स्मरन्ति। यदि अहं मुनिं खादामि तर्हि कोऽपि मम मूलरूपं न बोधिष्यति।

ङ. मुनि: व्याघ्रस्य भावं ज्ञात्वा 'पुनर्मूषको भव' इति शापं दत्तवान्। परिणामत: व्याघ्र: पुन: मूषकरूपेण परिवर्तित:।

2. रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. स: वने **स्वाश्रमं** निर्माय तप: करोति स्म।

ख. मुनि: **मूषकं** बिडालमकरोत्।

ग. इदानीं स: **कुक्कुर:** निर्भयेन यत्र तत्र भ्रमति स्म।

घ. मुनि: पुन: **मूषकोभव** इति शापं दत्तवान्।

ङ. व्याघ्र: पुन: **मूषकरूपेण** परिवर्तित:।

3. निम्नलिखितानां पदानां कारकाणि लिखत।

उत्तरम्–

वने	=	**अधिकरण कारकम्**	काकस्य	=	**संबंध भावम्**
मुखात्	=	**अपादान कारकम्**	मूषकं	=	**कर्म कारकम्**
बिडालस्य	=	**संबंध भावम्**	आशीर्वादेन	=	**करण कारकम्**
मम	=	**संबंध भावम्**			
मुने:	=	**अपादान कारकम/संबंध भावाम्**			

4. निम्नलिखितानां शब्दानां वाक्यप्रयोगं कुरुत।

उत्तरम्– क. निर्माय = वृक्षशाखायां चटका गृहं **निर्माय** वसति।

ख. कृत्वा = एतत् कार्यं पूर्णं **कृत्वा** एव भोजनं करणीयम्।

ग. विज्ञाय = सर्वं वृत्तान्तं **विज्ञाय** श्रीकृष्ण: हस्तिनापुरं प्रति प्राचलत्।

घ. धावित्वा = शशक: **धावित्वा** बिले प्रविशत्।

ङ. ज्ञात्वा = उत्तर **ज्ञात्वा** रोहन: आचार्य समीपम् अगच्छत्।

च. विचिन्त्य = किञ्चिद् **विचिन्त्य** वैभव: देवस्य सहायताम् अकरोत्।

5. सन्धिविच्छेदं कुरुत।

उत्तरम्–

क. पालनमकरोत्	=	**पालनम्**	+	**अकरोत्**
ख. मूषकमिव	=	**मूषकम्**	+	**इव**
ग. बिडालमकरोत्	=	**बिडालम्**	+	**अकरोत्**
घ. पुनर्मूषको	=	**पुनः**	+	**मूषको**
ङ. समीपमागच्छत्	=	**समीपम्**	+	**आगच्छत्**

6. संस्कृते अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. वने एक: मुनि: निवसति स्म। ख. तस्य शरीरं क्षत-विक्षतम् आसीत्।

ग. मुनि: तस्य चिकित्सां कृत्वा पालनम् अकरोत्।

घ. मुनि एनं व्याध्रम् अकरोत्। ङ. व्याघ्र: पुन: मूषकरूपेण परिवर्तित:।

7. हिन्द्यामनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. उस आश्रम में बहुत से मुनि निवास करते थे।

ख. वन में पेड़ भी होते हैं।

ग. आश्रम का वातावरण शांत और शुद्ध था।

घ. वृक्षों पर पक्षी रहते हैं।

ङ. मुनि फल खाते हैं और तपस्या करते हैं।

8. क्रियापदानाम् अर्थं लिखत।

उत्तरम्–

आसीत्	=	**था।**	करोति	=	**करता है।**
खादितुम	=	**खाने के लिए।**	प्रविशत्	=	**प्रवेश किया।**
दृष्ट्वा	=	**देखकर।**	आगच्छत्	=	**आ गया।**
ज्ञात्वा	=	**जानकर।**	पश्यति	=	**देखता है।**
वदन्ति	=	**बोलता है।**	अकरोत्	=	**किया।**
स्मरन्ति	=	**याद करते हैं।**	खादामि	=	**खाता हूँ।**

9. निम्नलिखितेभ्य: शब्देभ्य: प्रत्ययान् पृथक कुरुत।

उत्तरम्–

दृष्टवान्	=	**दृश् + क्तवतु**	कृत्वा	=	**कृ + क्त्वा**
खादितुम्	=	**खाद् + तुमुन**	विज्ञाय	=	**वि + ज्ञा + ल्यप्**
दृष्ट्वा	=	**दृश् + क्त्वा**	कृतवान्	=	**कृ + क्तवतु**
पृष्टवान्	=	**प्रच्छ् + क्तवतु**	ज्ञात्वा	=	**ज्ञा + क्त्वा**

10. दश जन्तूनां संस्कृतनामानि लिखत।

उत्तरम्– 1. धेनु: 2. वृषभ: 3. अजा 4. मृग 5. महिषी

6. उष्ट्रः 7. गजः 8. अश्वः 9. कुक्कुरः 10. शृगालः

11. शब्दार्थान् मेलयत्।

उत्तरम्– क. तत्र **(iv) वहाँ**

ख. श्रुत्वा **(v) सुनकर**

ग. कृत्वा **(i) करके**

घ. दृष्ट्वा **(iii) देखकर**

ङ. ज्ञात्वा **(ii) जानकर**

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

10 वीरवरः अब्दुलहमीदः

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. अब्दुल हमीदः 1933 तमे ई० वर्षे उत्तरप्रदेशस्य गाजीपुरजनपदे 'धाम्पुरम्' इति ग्रामे जन्म अलभत्।

ख. बाल्यकाले अब्दुलहमीदस्य अभिरुचिः मल्लविद्यायां यष्टिकाचालने लक्ष्यभेदे च आसीत्।

ग. अब्दुलहमीदः 1954 तमे ई० वर्षे दिसम्बरमासस्य सप्तमे दिनाङ्के भारतीय सेनायां प्रवेशं प्राप्तवान्।

घ. भारतपाकिस्तान युद्धे अब्दुल हमीदः स्वप्राणानां भयं त्यक्त्वा कन्दुकस्य क्रीडनम् इव अद्भुतं युद्धकौशलं प्रदर्शितवान्।

ङ. पाकिस्तानसैनिकानां तृतीयेन टैङ्केन प्रक्षिप्तेन एकेन गोलकेन अब्दुलहमीदः वीरगतिं प्राप्तवान्।

2. रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. प्राचीनकालादेव भारतभूमौ असङ्ख्याः **रणवीराः** जन्म अलभन्त।

ख. अस्माकं देशे अब्दुलहमीदस्य नाम **बहुश्रद्धया** स्मर्यते।

ग. अतः सतताभ्यासात् **आसुक्रीडासु** अयं परमकुशलः अभवत्।

घ. 1965 तमे ई० वर्षे **पाकिस्तानदेशः** अस्माकं देशे आक्रमणम् अकरोत्।

ङ. अयं शूरवीरः भारतीयानां कृते **स्मरणीयः, वन्दनीयः अनुकरणीयः** च अस्ति।

3. संस्कृते अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. भारत धरा शूरवीराणां जननी अस्ति।

ख. असङ्ख्यवीशाः भारत भूमौ जन्म अलभन्त।

ग. अस्य पारिवारिकी स्थितिः अतिसामान्या आसीत्।

घ. अब्दुल हीमद वीरगतिं प्राप्तवान्।

ङ. शूरवीरः सर्वेषां भारतीयानां कृते अनुकरणीयः वन्दनीयः च अस्ति।

4. निम्नलिखितेभ्य: शब्देभ्य: प्रत्ययान् पृथक् कुरुत।

उत्तरम्– कृत:	=	**कृ + क्त**	प्राप्तवान्	=	**प्र + आप् + क्तवतु**
लिखित:	=	**लिख् + क्त**	पठितुम्	=	**पठ् + तुमुन्**
प्रदत्ता:	=	**प्र + दा + क्त**	त्यक्त्वा	=	**त्यज् + क्त्वा**
प्रदर्शितवान्	=	**प्र + दृश् + क्तवतु**	प्राप्तवान्	=	**प्र + दा + क्त**

5. निम्नलिखितान् शब्दान् मेलयत।

उत्तरम्–

क. भारत:	**(v)**	**आर्यावर्त:**
ख. वसुन्धरा	**(iv)**	**धरा**
ग. जननी	**(vi)**	**माता**
घ. विश्व:	**(ii)**	**संसार:**
ङ कुशल:	**(i)**	**प्रवीण:**
च. निरुद्धा	**(iii)**	**अवरुद्धा**

6. निम्नलिखितानि वाक्यानि संशोधयत।

उत्तरम्– क. भारतवसुन्धरा अस्माकं जननी अस्ति।

ख. पाकिस्तान देश: भारतदेशे आक्रमणम् अकरोत्।

ग. अमेरिकादेशस्य पक्षपात: सर्वविदित: अस्ति।

घ. धन्य: स: वीर:। ङ.अब्दुलहमीद: वीरगतिं प्राप्तवान्।

7. हिन्द्यामनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. हमारी धरती हमारी माता है।

ख. असंख्य रणवीरों ने भारत भूमि पर जन्म प्राप्त किया।

ग. अब्दुल हमीद की पारिवारिक स्थिति बहुत सामान्य थी।

घ. निरंतर अभ्यास से इन खेलों में ये बहुत प्रवीण हो गए।

ङ. 1965 ई० में पाकिस्तान देश ने हमारे देश पर आक्रमण किया।

8. क्रियापदानां धातुव: लिखत।

उत्तरम्– अस्ति	=	**अस्**	अलभन्त	=	**लभ्**	स्मर्पते	=	**स्मृ**
अभवत्	=	**भू (भव्)**	आसीत्	=	**अस्**	अलभत्	=	**लभ्**
अकरोत्	=	**कृ**	कृत:	=	**कृ**	क्रीडनम्	=	**क्रीड्**

9. निम्नलिखितानां पदानां स्ववाक्येषु प्रयोगं कुरूत।

उत्तरम्–

क. जननी	=	भारतभूमि: अस्माकं **जननी** अस्ति।
ख. अति	=	काक: पिपासया **अति** आकुल: अभवत्।
ग. अयं	=	**अयं** शुक: अस्ति।
घ. अस्माकं	=	**अस्माकं** भारतदेशे षट् ऋतव: भवन्ति।
ङ. वन्दनीय:	=	अब्दुल हमीद: भारतीयानां कृते **वन्दनीय:** अस्ति।

क्रियाकलाप:

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

11 सर्पमण्डूकयोः कथा

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. दुर्मुखः सर्पः अति जीर्णतया आहारम् अन्वेषणे अपि असमर्थः आसीत्।

ख. मण्डूकः सर्पं पृच्छति यत्—किमिति अद्य त्वम् आहारं नान्विष्यसि।

ग. चंद्रदेव नाम स्व पुत्रं मृतम् अवलोक्य मूर्च्छितः कौण्डिन्यः पृथिव्यां लुलोट।

घ. जयदेव कौण्डिन्य बोधयति यत्—''अरे कौण्डिन्य! मूढोऽसि तेन एवं प्रलपसि विलपसि च। श्रृणु, यथा महोदधौ काष्ठं च काष्ठं समेयाताम् समेत्य च व्यपेयाताम् तद्वद् भूतसमागमः। तथा पञ्चभिः निर्मिते देहे पुनः पञ्चतत्वं गते का परिवेदना! तद् भद्र! आत्मानम् अनुसन्धेहि, शोकचर्चा च परिहर'' इति।

ङ. मण्डूकराजः सर्पमाह यत् अस्मदाज्ञया भेकान् भक्षय।

च. शत्रौ कदापि न विश्वसितव्यम्।

2. रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. आसीत् **जीर्णोद्याने दुर्मुखो** नाम्नः सर्पः।

ख. गच्छ भद्र! मम **मन्दभाग्यस्यप्रश्नेन** किं तव?

ग. यथा महोदधौ **काष्ठं** च काष्ठं **समेयातां** समेत्य च व्यपेयाताम् तद्वद् भूत समागमः।

घ. अथो **ब्राह्मणशापाद् मण्डूकान्** वोढुं तिष्ठामि।

ङ. ततः असो मण्डूकराजः **सर्पस्य** पृष्ठम् **आरूढवान्**।

च. ''अस्मदाज्ञया **भेकान्** भक्षय''। ''ततो गृहीतोऽयं **महाप्रसादः**'' इति उक्त्वा क्रमशो मण्डूकान् खादितवान्।

4. सन्धिं कुरुत।

उत्तरम्–

क.	सः	+	अपि	=	**सोऽपि**
ख.	दुः	+	दैवात्	=	**दुर्दैवात्**
ग.	तत्र	+	आगत्य	=	**तत्रागत्य**
घ.	सरः	+	तीरे	=	**सरस्तीरे**
ङ.	भुजङ्गः	+	अवदत्	=	**भुजङ्गोऽवदत्**
च.	यः	+	तिष्ठति	=	**यस्तिष्ठति**

5. सन्धिविच्छेदं कुरुत।

उत्तरम्–

क.	नान्विष्यसि	=	**न**	+	**अन्विष्यसि**
ख.	वनेऽपि	=	**वने**	+	**अपि**
ग.	महोदधौ	=	**महा**	+	**उदधौ**
घ.	ततोऽसौ	=	**ततः**	+	**असौ**
ङ.	दूरादेव	=	**दूरात्**	+	**एव**
च.	किमिति	=	**किम्**	+	**इति**

5. हिन्द्याम् अनुवाद कुरूत।

उत्तरम्– क. उजड़े हुए बाग में दुर्मुख: नाम का साँप रहता है।

ख. जयदेव नाम का स्नातक बोला।

ग. पाँच तत्वों में चले जाने पर कैसा दु:ख।

घ. मूर्च्छित होकर कौण्डिन्य पृथ्वी पर लेट गया।

ङ. निर्मोही का घर ही तपोवन होता है।

6. निम्नलिखितानां पदानां लिङ्गम्, विभक्तिं वचनञ्च लिखत।

उत्तरम्–

	पदम्		लिङ्गम्	विभक्तिः	वचनम्
क.	जीर्णतया	=	**स्त्रीलिङ्गम्**	**तृतीया**	**एकवचनम्**
ख.	रागिणाम्	=	**पुंल्लिङ्गम्**	**षष्ठी**	**बहुवचनम्**
ग.	बान्धवा:	=	**पुंल्लिङ्गम्**	**प्रथमा**	**बहुवचनम्**
घ.	मण्डूकान्	=	**पुंल्लिङ्गम्**	**द्वितीया**	**बहुवचनम्**
ङ.	रात्रिषु	=	**स्त्रीलिङ्गम्**	**सप्तमी**	**बहुवचनम्**

7. संस्कृते अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. दूरादेव केनचित् मण्डूकेन दृष्ट: पृष्ट च। ख. अधुना तव प्रश्नेन किं लाभ:?

ग. सर्वे बान्धवा:, मित्राणि तत्रागत्य उपविष्टा:।

घ. निवृत्तरागस्य गृहम् अपि त पोवनम् भवति।

8. निम्नलिखितानां पदानां स्ववाक्येषु प्रयोगं कुरुत।

उत्तरम्–

सर्प:	=	**सर्प:** दशति कालेन दुर्जन: तु पदे पदे।
सरस्तीरे	=	**सरस्तीरे** अनेका: वृक्षा: अपि सन्ति।
अद्य	=	**अद्य** वयं उद्यानकार्यं करिष्याम::।
तव	=	किम् एतत् **तव** पुस्तकम्?
सर्वथा	=	समयस्य सदुपयोग: **सर्वथा** करणीय:।
तत्र	=	स: **तत्र** न अगच्छत्।
गृहं	=	अहं **गृहं** गच्छामि।
उक्तवा	=	''महापङ्के पतितो असि अतस्त्वामुत्यापयामि'' इति उक्त्वा तेन सिंहेन अधृत: स्म।

क्रियाकलाप:

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

12 व्यायामः

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. अस्मिन् संसारे अनेकानि सुखानि सन्ति। तद्यथा पुत्र–सुखम्, पत्नी–सुखम्, धन–सुखम् शरीर–सुखं च।

ख. बालका: सरलं व्यायामं कुर्वन्ति।

ग. व्यायामेन शरीरं नीरोगं भवति। अनेन शरीरे रक्तस्य सञ्चार: सम्यग् भवति। रक्तस्य निर्माणं व्यायामेन भवति। व्यायामेनाङ्गा स्वस्थानि भवन्ति, बुद्धिर्निर्मला भवति, चेत: प्रसादमधिगच्छति। अनेन अस्माकं जठराग्नि: प्रदीप्ता भवति।

घ. स्वास्थ्यं विना किमपि न भवितुमर्हति।

ङ. क्रीडनेन व्यायामो भवति अनुशासनस्य च भावना वर्धते।

2. रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. अस्मिन् संसारे अनेकानि **सुखानि** सन्ति।

ख. शरीरसुखम् एतेषु सर्वेषु **श्रेष्ठम्** अस्ति।

ग. स्वास्थ्यं विना सर्वाणि **सुखानि निरर्थकानि** सन्ति।

घ. जना: तस्य आदरं न **कुर्वन्ति**।

ङ. स्वास्थ्यलाभाय जना: **व्यायामं** कुर्वन्ति।

च. युवान: **धावनं** कुर्वन्ति।

छ. क्रीडनेन तेषां **अनुशासनस्य भावना** वर्धते।

3. हिन्द्यामनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. स्वास्थ्य लाभ के लिए लोग व्यायाम करते हैं।

ख. स्वास्थ्य के बिना सभी सुख निरर्थक है।

ग. स्वस्थ व्यक्ति अपना हित साधता है।

घ. यही उनका श्रेष्ठ व्यायाम है।

ङ. रक्त का निर्माण व्यायाम से होता है।

च. व्यायाम से शरीर नीरोग होता है।

4. संस्कृते अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. अस्मिन् संसारे अनेकानि सुखानि सन्ति।

ख. शरीर-सुखं एतेषु सर्वेषु श्रेष्ठम् सुखं अस्ति।

ग. स्वास्थ्यं विना सर्वाणि सुखानि निरर्थकानि एव सन्ति।

घ. स्वास्थ्यलाभाय जना: व्यायामं कुर्वन्ति।

ङ. व्यायामस्य अनेके: प्रकारा: भवन्ति।

च. भ्रमणमपि श्रेष्ठ: व्यायाम: अस्ति।

5. सम्यक् वाक्यस्य समक्षे (✓) इत्यस्य चिह्नं नियोजयत।

उत्तरम्– क. (✓) ख. (✓) ग. (✓) घ. (✗)

ङ. (✗) च. (✓) छ. (✓) ज. (✓)

6. समानार्थक पदानि लिखत।

उत्तरम्–

संसारे	=	**विश्वे**	अनेकानि	=	**असङ्ख्य**	पत्नी	=	**भार्या**
सर्वेषु	=	**सर्वत्र**	श्रेष्ठम्	=	**उत्कृष्ट:**	जन:	=	**नर:**
शरीर	=	**देह:**	ज्ञानं	=	**विवेक:**	आदरं	=	**सम्मानम्**
वृद्धा:	=	**अनुभवीजना:**	पुत्र	=	**तनय**	निरोगं	=	**रोगरहितम्**

7. सन्धि-विच्छेदं कुरुत।

उत्तरम्–

नाऽद्रियते	=	**न**	+	**आद्रियते**
व्यायामस्याऽनेका:	=	**व्यायामस्य**	+	**अनेका:**

व्यायामेनाङ्गानि	=	**व्यायामेन**	+	**अङ्गानि**
मल्लादिकम्	=	**मलय**	+	**आदिकम्**

8. निम्नलिखितानां पदानां स्ववाक्येषु प्रयोगं कुरुत।

उत्तरम्– क. अधिगच्छति = चेतः प्रसादम् **अधिगच्छति**।

ख. अङ्गानि = व्यायामेन **अङ्गानि** स्वस्थानि भवन्ति।

ग. कुर्वन्ति = बालकाः सरलं व्यायामं **कुर्वन्ति**।

घ. चेतः = सतसङ्गतिः **चेतः** प्रसादयति कीर्तिं चदिक्षु तनोति।

ङ. युवानः = **युवानः** धावनं कुर्वन्ति।

च. वर्धते = क्रीडनेन ज्ञानं **वर्धते**।

9. निम्नलिखितानां पदानां विभक्तिं वचनम् च लिखत।

उत्तरम्–

पदानां		**विभक्तिः**	**वचनम्**
व्यायामस्य	=	**षष्ठी**	**एकवचनम्**
पादकन्दुकम्	=	**प्रथमा/द्वितीया**	**एकवचनम्**
क्रीडनेन	=	**तृतीया**	**एकवचनम्**
स्वस्थानि	=	**प्रथमा/द्वितीया**	**बहुवचनम्**
लाभाः	=	**प्रथमा**	**बहुवचनम्**

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

13 डॉ0 राजेन्द्र प्रसादः

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. डॉ० राजेन्द्रप्रसादस्य जन्म 1884 तमे वर्षे दिसम्बर मासस्य तृतीय दिनाङ्के अभवत्।

ख. इण्ट्रेन्स परीक्षायां राजेन्द्र प्रसादः प्रथमं स्थानं प्राप्तवान्।

ग. राजेन्द्र महोदयः निष्ठावान्, उत्साही, परिश्रमी, स्वतन्त्रतासङ्ग्राम सेनानी च आसीत्।

घ. डॉ० राजेन्द्र प्रसादः भारतीय संस्कृतेः प्रशंसकः आसीत्।

ङ. डॉ० राजेन्द्रमहोदयस्य जीवनमन्त्रौ सत्यं सरलता च आस्ताम्।

2. रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. डॉ० राजेन्द्रप्रसादस्य जन्म **1884** तमे वर्षे दिसम्बर मासस्य तृतीयदिनाङ्के बिहारस्य **सारणमण्डले** 'जीरादेई' ग्रामेऽभवत्।

ख. सर्वे तस्य **योग्यतया विद्वत्तया** च मुग्धाः आसन्।

ग. **सः एम०ए०, एल०एल०बी०** परीक्षयोरपि **सर्वप्रथमं** स्थानं प्राप्तवान्।

घ. महापुरुषाणां जन्म **आत्मसुखाय** न भवति।

ङ. राजेन्द्रप्रसादः स्वभावेन सरलः **मधुरभाषी च आसीत्**।

3. हिन्द्यामनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. देशरत्न डॉ० राजेंद्र प्रसाद आरंभ से ही बहुत मेधावी थे।

ख. डॉ० राजेंद्र जी के कार्यकाल में देश की उत्तम प्रगति थी।

ग. पढ़ाई समाप्त करके वह शुरू में कोलकाता में उसके बाद पटना शहर में उच्च न्यायालय में वकील बने।

घ. वकीलों में डॉ० राजेंद्र जी की प्रतिष्ठा उत्तम थी।

ङ. महापुरुषों का जीवन आत्मासुख के लिए नहीं होता है।

च. इनका जीवन सभी के लिए अनुकरणीय है।

4. संस्कृते अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. डॉ० राजेन्द्र प्रसादः स्वतन्त्रभारतस्य प्रथमः राष्ट्रपतिः आसीत्।

ख. तस्मिन् समये देशस्य उत्तमा प्रगतिरासीत्।

ग. तस्य कार्यकालः दशवर्षाणामासीत्।

घ. सर्वे तस्य योग्यतया विद्वत्तया च मुग्धाः आसन्।

ङ. अधिवक्तृषु तस्य प्रतिष्ठा उत्तमा धनार्जनम् अत्यधिकं चास्ताम्।

च. सः स्वतन्त्रतासङ्ग्रामसेनानी आसीत्।

5. सन्धिंविच्छेदं कुरुत।

उत्तरम्–

अध्यापकोऽपि	=	**अध्यापकः**	+	**अपि**
सत्याग्रहम्	=	**सत्य**	+	**आग्रहम्**
अस्माभिरेव	=	**अस्माभिः**	+	**एव**
किञ्चित्	=	**किम्**	+	**चित्**
स्वागतम्	=	**सु**	+	**आगतम्**
अत्यधिकम्	=	**अति**	+	**अधिकम्**
स्थानमलभत्	=	**स्थानम्**	+	**अलभत्**
परीक्षयोरपि	=	**परीक्षयोः**	+	**अपि**

6. निम्नलिखितानां पदानां विभक्तिम् वचनञ्च लिखित।

उत्तरम्–

		विभाक्तिम्	**वचनम्**
क.	भारतस्य	**षष्ठी**	**एकवचनम्**
ख.	देशस्य	**षष्ठी**	**एकवचनम्**
ग.	सारणमण्डले	**सप्तमी**	**एकवचनम्**
घ.	विद्यालये	**सप्तमी**	**एकवचनम्**
ङ.	पटनानगरे	**सप्तमी**	**एकवचनम्**
च.	परीक्षायाम्	**सप्तमी**	**एकववनम्**
छ.	विद्वत्तया	**तृतीया**	**एकवचनम्**

7. मूल धातवः लिखत।

उत्तरम्–

असीत्	=	**अस्**	अभवत्	=	**भू (भव्)**	आसन्	=	**अस्**
आस्ताम्	=	**अस्**	भवति	=	**भू (भव्)**	अकरोत्	=	**कृ**

8. मिम्नलिखितानां पदानाम् अर्थं लिखत वाक्यानि च रचयत।

उत्तरम्– क. आदौ = **शुरू में**

डॉ० राजेन्द्र प्रसादः **आदौ** कोलकातायां उच्च न्यायालये अधिवक्ता अभवत्।

ख. देशरत्नम = **देश का रत्न**

देशरत्न डा० राजेन्द्रप्रसादः स्वतन्त्र भारतस्य प्रथम राष्ट्रपतिः आसीत्।

ग. प्रगतिरासीत = **प्रगति थी**

डॉ० राजेन्द्र प्रसादस्य समये देशस्य उत्तमा **प्रगतिरासीत्**।

घ. अलङ्कृतवान् = **सुशोभित किया**

डॉ० राजेंद्र प्रसादः देशस्य प्रथमं राष्ट्रपतिपदं अलङ्कृतवान्।

ङ. प्रारब्धवान = **शुरू किया।**

गान्धि महोदयः बिहारस्य चम्पारणे आङ्लशासनस्य विरुध्य आन्दोलनं **प्रारब्धवान्।**

च. मधरभाषी = **मीठा बोलने वाला**

डॉ० राजेंद्र प्रसादः **मधुरभाषी** आसीत्।

9. निम्नलिखित शब्दान् संशोधयत्।

उत्तरम्–

देसरतनम्	=	**देशरत्नम्**	उततमा	=	**उत्तमा**
ग्रामेअभवत्	=	**ग्रामेऽभवत**	परारम्भकालतः	=	**प्ररम्भकालतः**
कोलकत्ता	=	**कोलकाता**	धनआर्जनम	=	**धनार्जनम्**
अधिवकता	=	**अधिवक्ता**	प्रतीषठा	=	**प्रतिष्ठा**
धनआर्जनम	=	**धनार्जनम्**	भुक्मपः	=	**भूकंपः**
सङ्गाम	=	**सङग्राम**	आनदलोने	=	**आन्दोलने**

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

14 सुवचनानि

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. सत्सङ्गतिः जनानां धियः जाड्यं हरति, वाचि सत्यं सिञ्चति, मानम् उन्नयति, पापं दूरी करोति, चेतः प्रसादयति, कीर्तिं च दिक्षु प्रसारयति।

ख. सज्जनः शान्तिम् आप्नुयात्।

ग. पयोदानां स्थितिः उच्चैः भवति।

घ. नीचैः विघ्न भयेन किमपि कार्यं न प्रारभ्यते।

2. रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. दानात् गौरवं प्राप्यते न तु **वित्तस्य** सञ्चयात्।

ख. **मुनिवराः** कन्दैःफलैः कालं क्षपयन्ति।

ग. सत्सङ्गतिः **कीर्तिं** दिक्षु तनोति।

घ. पुरुषस्य परं निधानं **सन्तोष** एव भवति।

3. निम्नलिखितानि वाक्यानि लृट्लकारे परिवर्तयत।

उत्तरम्– क. विद्यार्थी सुखं त्यक्ष्यति। ख. पयोधीनाम् अध: स्थिति: भविष्यति।
ग. तौ बुद्धिमन्तौ भविष्यत:। घ. ते शतवर्षाणि जीविष्यन्ति।
ङ. वयं देवालयं गमिष्याम:।

4. निम्नलिखितयोः श्लोकयोः हिन्द्यामनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– अनुवाद–

क. निम्न लोग बाधाओं के डर से किसी कार्य को प्रारंभ ही नहीं करते हैं, मध्यम लोग कार्य प्रारंभ करके विघ्नों के भय से बीच में ही छोड़ देते हैं। किंतु उत्तम लोग किसी कार्य को प्रारंभ करने के बाद बार-बार विघ्नों के द्वार प्रताड़ित होने पर भी बीच में नहीं छोड़ते हैं, अर्थात् उसे पूरा करके ही हटते हैं।

ख. साँप हवा को पीते हैं और वे दुर्बल नहीं होते हैं, सूखी घास के खाने से हाथी बलवान होते हैं। कंद फलों को खाकर मुनिगण समय बिताते हैं, इसलिए व्यक्ति का संतोष ही सबसे बड़ा खजाना है।

5. एकस्मिन् शब्दे उत्तरं ददत।

उत्तरम्– क. विद्याम्। ख. गौरवम्। ग. शान्त:।
घ. शुष्कतृणै:। ङ. उत्तमजना:।

6. संधि-विच्छेद कुरुत।

उत्तरम्–

विद्यार्थिन:	=	**विद्या**	+	**अर्थिनः**
सुखार्थिन:	=	**सुख**	+	**अर्थिनः**
पापमपाकरेति	=	**पापम्**	+	**अपाकरोति**
प्रारब्धमुत्तमजना:	=	**प्रारब्धम्**	+	**उत्तमजनाः**
मानोन्नतिं	=	**मान**	+	**उन्नतिं**

7. निम्नलिखितानां पदानां विभक्तिं वचनं च लिखत।

उत्तरम्–

पदाना	**विभक्ति**	**वचन**
शान्तिम्	**द्वितीया**	**एकवचनम्**
बन्धनेभ्य:	**चतुर्थी/पञ्चमी**	**बहुवचनम्**
पायोधीनाम्	**षष्ठी**	**बहुवचनम्**
विघ्नभयेन	**तृतीया**	**एकवचनम्**
दानात्	**पञ्चमी**	**एकवचनम्**

8. निम्नलिखितानाम् अव्ययानां स्ववाक्येषु प्रयोगं कुरुत।

उत्तरम्–
क. कुत: = त्वं **कुतः** आयासि?
ख. तु = अहं **तु** चलचित्रं द्रष्टुं गच्छामि।
ग. उच्चै: = सिंह: **उच्चैः** गर्जति।
घ. अध: = वृक्षस्य **अधः** पथिक: शेते।
ङ. पुन: = इदं कार्यं **पुनः** कुरू।
च. खलु = **खलु** सज्जना: प्राबन्धं कार्यं मध्ये न विरमन्ति।

9. अर्थम् लिखत।

उत्तरम्–

कुत:	=	**कहाँ से**	सुखार्थिन:	=	**सुख चाहने वाला**
अध:	=	**नीचे**	पयोधीनाम्	=	**समुद्रों की**
क्षपयन्ति	=	**बिताते हैं**	धियो	=	**बुद्धि की**
दिक्षु	=	**सभी दिशाओं में**	हरति	=	**दूर करती है**

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

15 कुम्भकारस्य चातुर्यम्

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. भोज: अतीव निपुण: विद्वान् प्रजापालकशचासीत।

ख. राजसभां प्राप्य सा प्रथमत: राजानं नमति पुनश्च वदतियत् देव! मृत्तिकाया: खनने मम पति: निधानकलशम् अपश्यत्। स: तस्य रक्षणाय तत्रैव अस्ति। एतन्निवेदनाय एव अहमागता।

ग. कुम्भकार: मृत्तिकाया: खनने निधानकलशं पश्यति।

घ. ''एतानि रत्नानि नक्षत्राणि खलु'' कुम्भकार: राजानं प्रति वदति।

ङ. कुम्भकारस्य वार्तां श्रुत्वा राजा निधानकलशं तस्मै एव ददाति।

2. कोष्ठकेषु दत्तयोः विकल्पयोः उचितं विकल्पं चित्वा वाक्यानि पूरयत।

उत्तरम्– क. मम भर्ता क्षेत्रे **मृत्तिकाम्** खनति। ख. कुम्भकारस्य पत्नी बहु **प्रसन्ना** अभवत्।

ग. कोलाहलं श्रुत्वा **चौराः** पलायिता:। घ. कुम्भकार: **क्षेत्रे** धनं रक्षति।

ङ. रत्नानां प्रभया **के** चकिता: न भवन्ति?

3. निम्नलिखितानां शब्दानां विभक्तिम्, वचनं लिङ्गञ्च लिखत।

उत्तरम्–

	शब्दः		**विभक्तिः**	**वचनम्**	**लिङ्गम्**
क.	नगर्याम्	=	**सप्तमी**	**एकवचनम्**	**स्त्रीलिङ्गम्**
ख.	पत्नी	=	**प्रथमा**	**एकवचनम्**	**स्त्रीलिङ्गम्**
ग.	ताम्	=	**द्वितीया**	**एकवचनम्**	**स्त्रीलिङ्गम्**
घ.	प्रभया	=	**तृतीया**	**एकवचनम्**	**स्त्रीलिङ्गम्**
ङ.	रत्नानि	=	**प्रथमा**	**बहुवचनम्**	**नुपंसकलिङ्गम्**

4. हिन्द्यामनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. एक बार किसी कुम्हार की पत्नी राजभवन जाकर द्वारपाल से बोली।

ख. कुम्हार सभा में जाता है और राजा से निवेदन करता है।

ग. उसकी बात सुनकर राजा कलश लाने के लिए सेवक को उसके साथ भेजता है।

घ. राजा कलश में रत्नों को देखता है।

ङ. उसकी वह बात सुनकर राजा ने वह पात्र कुम्हार को ही दे दिया।

5. रञ्जितानि पदानि अधिकृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत।

उत्तरम्– क. कुम्भकारस्य पत्नी कुत्र गच्छति? ख. कः राजसभायां प्रविशति?
ग. सेवकः किम् आनयति? घ. राजा तया सह कं प्रेषयति?
ङ. भोजः निधानकलशं कस्मै यच्छति?

6. संस्कृते अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. राजा भोजः विद्वान् प्रजापालकश्चासीत्।
ख. द्वारपालः राजसभायां प्रविशति। ग. नृपः द्वारपालम् आदिशति।
घ. सः तस्य रक्षणाय तत्रैव अस्ति। ङ. भवान् भूतले चन्द्रः इव वर्तते।

7. निम्नलिखितानां शब्दानां वाक्य प्रयोगं कुरुत।

उत्तरम्–

विद्वान्	=	राजा भोजः अतीव निपुणः **विद्वान्** च आसीत।
इच्छामि	=	"अहं नृपस्य दर्शनम् **इच्छामि**।" इति कुम्भकारस्य पत्नी द्वारपालं वदति।
पृच्छति	=	द्वारपालं तां **पृच्छति**—"नृपेण तव किं कार्यं?"
वदति	=	कुम्भकारस्य पत्नी द्वारपालं **वदति**—"नृपस्य अग्रे एव वदिश्यति।"
निवेदयति	=	शङ्कराचार्य **निवेदयति**—"मात! संन्यासः मह्यं रोचते तदर्थम् अनुमतिं प्रयच्छ।"
प्रेषयति	=	पुत्रः मातरं पत्रं **प्रेषयति**।
आदिशति	=	राजा भोजः निधानकलशम् आनेतुम् सेवकं **आदिशति**।

8. निम्नलिखित क्रियापदानां धातु लकार, पुरुष वचनाञ्च लिखत।

उत्तरम्–

	क्रिया शब्द	धातु	लकार	पुरुष	वचन
क.	निवेदयाति	**नि+ विद**	**लट् लकार**	**प्रथम पुरुष**	**एकवचनम्**
ख.	आसीत्	**अस्**	**लङ् लकार**	**प्रथम पुरुष**	**एकवचनम्**
ग.	वदति	**वद्**	**लट् लकार**	**प्रथम पुरुष**	**एकवचनम्**
घ.	पश्यति	**पश्य् (दृश्)**	**लट् लकार**	**प्रथम पुरुष**	**एकवचनम्**
ङ.	अयच्छत्	**यच्छ्**	**लङ् लकार**	**प्रथम पुरुष**	**एकवचनम्**

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

16 पर्यावरणम्

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. अनाहारदशा अनावृष्ट्या भवति।
ख. प्रदूषणस्य मुख्यतः चत्वारि क्षेत्राणि सन्ति–भूमिः, वायुः, जलं ध्वनिश्च।
ग. शस्यक्षेत्रेषु उर्वरकाणाम् अत्यधिक प्रयोगेण कारणेन शस्यक्षेत्राणां भूमिः प्रदूषिता भवति।

घ. नगराणां मलिनपदार्थानां नदीषु निष्कासनेन उद्योगेभ्यः विषाक्तानाम् अवशिष्टानां क्षेपणेन च जले प्रदूषणं वर्धते।

2. दत्तैः शब्दैः रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. वृक्षाणां निरन्तरं **कर्तनं** भवति।

ख. विस्फोटकाना प्रक्षेपणैः वायोः **प्रदूषणं** भवति।

ग. द्रुतगामिनां यानानां ध्वनिना **आकाशः** प्रदूषितो भवति।

घ. मलिनानां विषाक्तानां च पदार्थानां निष्कासनं **नदीषु** न करणीयम्।

ङ. मलिनतायाः परिष्कारे **सहयोगः** करणीयः।

3. पठ् धातोः लट्लकारस्य रूपं लिखत

उत्तरम्–

पठति	पठतः	पठन्ति
पठसि	पठथः	पठथ
पठामि	पठावः	पठामः

4. सम्यक् कथने (✓) चिह्नं नियोजयत।

उत्तरम्– क. (✗) ख. (✗) ग. (✓) घ. (✓) ङ. (✓) च. (✗)

5. निम्नलिखितानां शब्दानां विपरीतार्थकान् शब्दान् चिनुत।

उत्तरम्–

क. अतिवृष्टिः	(आवृष्टिः, **अनावृष्टिः**, अधिवृष्टिः)
ख. आगतः	(**स्वागतः**, अनागतः, समागतः)
ग. अनिश्चितता	(**निश्चितता**, अतिचिन्तता, दुश्चिन्तता)
घ. प्राचीनाः	(पुरातनाः, **नवीनाः**, पुराणाः)
ङ. न्यूनम्	(नवीनम्, निम्नम्, **अधिकम्**)

6. रेखाङ्कितानां शब्दानां संशोधनं कुरुत।

उत्तरम्– क. शिक्षकः छात्रं पाठयति।

ख. माता शिशवे दुग्धं पाययति।

ग. बालकः चित्राणि द्रष्टुम् इच्छति।

घ. पितामह मन्दिरात् आगम्य खादति।

ङ. सीता रामेण सह वनं गतवती।

7. वाक्यप्रयोगेण क्रियाणाम् अन्तरं स्पष्टं कुरुत।

उत्तरम्–

	सामान्य क्रिया	प्रेरणार्थक क्रिया
क.	पठति–बालकः पुस्तकं पठति।	पाठयति–शिक्षकः गणितं पाठयति।
ख.	देवः फलं खादति।	माता भिक्षुकं भोजनं खादयति।
ग.	रमा गृहस्य कार्यं करोति।	लता देवस्य गृहकार्यं कारयति।
घ.	प्रज्ञा कथां श्रृणोति।	पितामही कथां श्रावयति।
ङ.	दर्शकः नाटकं पश्यति।	चित्रकारः चित्रं दर्शयति।
च.	बालः जलं पिबति।	जनः पिपासितान् जलं पाययति।

8. संस्कृते अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. यथा समयं वर्षा न भवति।

ख. ऋतुचक्रस्य स्थितिः अनिश्चिता अस्ति।

ग. भीषण वन्यया विपुलं धनं जीवनं च नश्यति।

घ. एतस्याः दुर्दशायाः कारणं किम् अस्ति?

ङ. वनं वृक्षाश्च संरक्षणीयाः।

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

17 राजा भोजः

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. ज्योतिषीमहोदयस्य भविष्यवाणी आसीत् यत् अयं बालकः अतीव भाग्यवान्। वयस्कः भूत्वा एषः महान् नृपः भविष्यति। सर्वस्मिन् विश्वे एतस्य नाम प्रसरिष्यति।

ख. भोजः अतीव न्यायप्रियः, विद्वान्, उदारः, प्रजापालकः, लोकप्रियश्च नृपः आसीत्।

ग. सर्वे शिष्याः आचार्याः च अतः चकिताः अभवन् यतोहि ते विचारयन्ति स्म यत् अयं ज्योतिषी महोदयः आश्रमं प्रथमवारमेव आगतः। अनेन कथं ज्ञातं यत् सः कुमारः वस्तुतः राज्ञः पुत्रः अस्ति।

घ. बालकः वक्र-दन्तानां कारणात् भाग्यस्य अवलम्बनात् वा राजा भवितुं न इच्छति स्म अपितु स्वशक्त्या पराक्रमेण च राजा भवितुम् इच्छति स्म अतः सः स्वदन्तौ अभिनत्।

2. कोष्ठकात् उचितं विकल्पं चित्वा रिक्तस्थानं पूरयत।

उत्तरम्– क. **सूर्याय** नमः।

ख. **गुरुम्** प्रति गत्वा बालकः अध्ययनं करोति।

ग. **मित्रेण** सह छात्रः विद्यालयं गच्छति।

घ. आचार्यः **शिष्याय** पुरस्कारं ददाति।

ङ. **अभ्यासम्** विना विद्या न भवति।

3. निम्नलिखित क्रियापदानां धातु, लकार, पुरुष,वचनाञ्च लिखत।

उत्तरम्–

	क्रियापद	धातु	लकार	वचन
क.	अभवन्	**भू (भव्)**	**लङ् लकारः**	**प्रथमपुरुषः बहुवचनम्**
ख.	भाविष्यामि	**भू (भव्) लृट् लकारः**	**उत्तम पुरुषः**	**एकवचनम्**
ग.	नश्यति		**नश् लट् लकारः**	**प्रथम पुरुषः एकवचनम्**
घ.	सन्ति	**अस् लट् लकारः**	**प्रथम पुरुषः**	**बहुवचनम्**
ङ.	अकरोत्	**कृ लङ् लकारः**	**प्रथम पुरुषः**	**एकवचनम्**

4. समानार्थकान् शब्दान् मेलयत।

उत्तरम्–

क.	प्रसिद्धः	**(iii)**	**प्रख्यातः**
ख.	दृष्ट्वा	**(i)**	**अवलोक्य**
ग.	आचार्यः	**(v)**	**गुरुः**
घ.	रक्तः	**(ii)**	**रुधिरः**
ङ.	उद्यमम्	**(iv)**	**प्रयासम्**

5. एकपदेन उत्तरत।

उत्तरम्– क. ज्योतिषी। ख. भोज। ग. प्रस्तरखण्डेन।
घ. प्राङ्गणम्। ङ. वक्रदन्तौ।

6. संस्कृते अनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. अयं बालकः अतीव भाग्यवान् अस्ति।
ख. सर्वस्मिन् संसारे एतस्य नाम प्रसरिष्यति।
ग. कुमारः वस्तुतः राज्ञः पुत्रः अस्ति।
घ. सः बालकः अपि आश्चर्यविमूढः आसीत्।
ङ. स्वशक्त्या पराक्रमेण च राजा भविष्यामि।

7. निम्नलिखितानां शब्दानां वाक्यप्रयोगं कुरुत।

उत्तरम्– क. दृष्ट्वा = स्वगृहं **दृष्ट्वा** सुदामा आश्चर्यचकितः जातः।
ख. आचार्य = **आचार्यः** शिष्यान् पाठयति।
ग. मुखं = नासिकायाः अधः मुखं अस्ति।
घ. भाविष्यामि = बालकस्य उत्तरम् आसीत—"गुरुदेव! अहं स्वशक्त्या पराक्रमेण च राजा **भविष्यमि**।"

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

18 कः बुद्धिमत्तमः?

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. राजा कृष्णदेवरायः तेनालीरामात् अपृच्छत् यत् तेनालीराम! सर्वेषु वर्गेषु कस्य वर्गस्य जनाः बुद्धिमत्तमाः भवन्ति? इति।
ख. व्यापारिणः शिखा मानसम्मानस्य प्रतिष्ठायाः च चिह्नम् आसीत्।
ग. तदा नृपः क्रुद्धः अभवत् यदा व्यापारी नापितं कथयति यत् अधुना एषा शिखा महाराजस्य सम्पत्ति। महाराजस्य शिखाकर्तनं भवति इति विचार्य एव शिखाकर्तनं कुर्याः।
घ. क्रुद्धं नृपं दृष्ट्वा व्यापारी स्वर्णमुद्राः गृहीत्वा सत्वरं बहिः धावति।
ङ. व्यापारिवर्गस्य जनाः बुद्धिमत्तमाः आसन्।

2. रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. सभाजनाः **स्व स्वस्थानेषु** उपविशन्ति। ख. ततः **सिध्यतु** स्वकथनम्।
ग. एषा तु मम **धर्मचिह्नम्**।
घ. राजाज्ञया **व्ययस्य** क्षतिपूर्तिः भविष्यति। ङ. तव कथनम् एव **सत्यं** प्रमाणितम्।

3. निम्नलिखितानां रञ्जितपदानां विशेषणपदानि कानि? लिखत।

उत्तरम्– क. बुद्धिमत्तमाः। ख. चिरकालेपोषिता।
ग. तीक्ष्णतमा। घ. प्रमुखः।

4. एकस्मिन् शब्दे उत्तरं ददत।

उत्तरम्– क. कृष्णदेवरायः। ख. पञ्च।
ग. नापितः। घ. नहि।

5. उचितैः विशेषणपदैः रिक्त स्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. एतत् पुष्पं तेषु पुष्पेषु **सुन्दरतम्** अस्ति।
ख. मम मित्रं वीणावादने **कुशलो** अजायत्।
ग. मम विद्यालयः तव विद्यालयात् **विशाल तरः**।
घ. तव वाटिका मम वाटिकायाः **शोभनतरा**।
ङ. एषः अश्वः सर्वेषु अश्वेषु **तीव्रतमः** धावति।

6. कः वदति?

उत्तरम्– क. राजगुरुः। ख. व्यापारी।
ग. राजा कृष्णदेवरायः। घ. तेनालीरामः।

7. निम्नलिखितानां शब्दानां स्व वाक्येषु प्रयोगं कुरुत।

उत्तरम्– क. पण्डितानां = ''**पण्डितानां** बुद्धिः एव तीक्ष्णतमा।'' इति राजा कृष्ण देवः वदति।
ख. व्यापारीणां = ''**व्यापारीणां** बुद्धिः हि तीक्ष्णतमा भवति।'' इति तेनालीरामः वदति।
ग. स्थानेषु = सभाजनाः स्व स्व **स्थानेषु** उपविशन्ति।
घ. तीक्ष्णतरा = पण्डितानां बुद्धेः व्यापारीणां बुद्धिः हि **तीक्ष्णतरा** भवति।
ङ. आज्ञापयति = तेनालीरामः वदति—''यद् **आज्ञापयति** महाराज!''

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

19 वृद्धः कपोतः

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. कपोताः अरण्ये दानान् अन्वेषयन्ति उदरपूर्तिं च कुर्वन्ति स्म।
ख. कपोताः विपुला अन्नराशिं दृष्ट्वा प्रमुदिताः भवन्ति।
ग. ते व्याधस्य जालात् मूषकस्य साहाय्येन मुक्ताः अभवन्।
घ. जालात् मुक्ताः कपोताः मूषकम् अवदन् यत—''धन्यवादः मित्रमूषक! अद्य भवतः कृपया अस्माकं जीवनं सुरक्षितम्'' इति।

2. रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. एकः वृद्धः कपोतः **दलस्य** नेता **संरक्षकश्च** आसीत्।
ख. आकाशे अनेकान् **कपोतान्** वीक्ष्य सः अतीव **प्रसन्नः** अभवत्।
ग. वृद्धः कपोतः **प्राज्ञः** आसीत्।
घ. त्याज्यं न धैर्यं **विधुरेऽपि** काले।

ङ. भवत: कृपया अस्माकं **जीवनं** सुरक्षितम्।

3. विपरीतार्थकान् शब्दान् मेलयत।

उत्तरम्– क. प्राज्ञ: **(iv) मूर्खः**

ख. आदाय **(v) दत्त्वा**

ग. मुक्ता: **(ii) बद्धाः**

घ. प्रमुदिता: **(iii) दुःखिताः**

ङ. आगत्य **(i) गत्वा**

4. एकस्मिन् शब्दे उत्तरं ददत।

उत्तरम्– क. वने। ख. वृद्धकपोत:। ग. तण्डुलकणान्। घ. स्वनेतारम्।

ङ. प्रमुदिता:। च. लोभवशात्। छ. मूषक:। ज. मूषकस्य।

5. प्रश्ननिर्माणं कुरुत।

उत्तरम्– क. इदानीं कस्य न काऽपि चिन्ता?

ख. कपोता: कस्य जाले बद्धा: अभवन्?

ग. मूषक: कथं जालम् अकृन्तत्?

घ. कस्मात् मुक्ता: कपोता: प्रसन्ना: अभवन्?

ङ. आज्ञा केषां हि पालनीया?

6. कोष्ठकात् उचितं पदं चित्वा वाक्यानि पूरयत।

उत्तरम्– क. एक: वृद्धकपोत: कपोतानां संरक्षक: **आसीत्**।

ख. स: कपोतान् **अवदत्**। ग. यूयं तत्र किम् **अपश्यत्**?

घ. वयं तण्डुलराशिम् **अपश्याम**। ङ. अहं कपोतानां जालम् **अकृन्तम्**।

7. क: कं वदति?

उत्तरम्– क. वृद्धकपोत: अन्यान् कपोतान् ख. कपोता: मूषकम्

ग. कपोता: स्वनेतारम्

8. प्रकृति-प्रत्यय संयोगेन वाक्यानि पूरयत।

उत्तरम्– क. तण्डुलराशिं **दृष्ट्वा** कपोता: प्रसन्ना: अभवन्।

ख. विद्यालयस्य कार्यं **कृत्वा** स: दूरदर्शनम् अपश्यत्।

ग. सर्वे क्रिकेट् प्रतियोगितां **द्रष्टुम्** उत्सुका: आसन्।

घ. गुरुम् **उपगम्य** अहम् अपृच्छम्।

ङ. किञ्चित् **विचिन्त्य** स: माम् अवदत्।

9. विपरीतार्थक पदानि लिखत।

उत्तरम्–

एक:	= **अनेक:**	वृद्ध:	= **युवा**	तत्र	= **अत्र**
सायंकाल	= **प्रात:काल**	तदा	= **यदा**	भय	= **निर्भय:**
समीपे	= **दूरे**	मित्रं	= **शत्रु:**	मुक्ता:	= **बद्धा:**

क्रियाकलाप:

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

20 राज्ञः जिज्ञासा

अनुशीलनम्

1. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

उत्तरम्– क. वर्तमानः समयः सर्वोत्तमः समयः। ख. सर्वोत्तमः जनः निकटस्थःजनः।
ग. साक्षात् पुरतः वर्तमानं कार्यं सर्वोत्तमं कार्यं।
घ. राज्ञः अङ्गरक्षका आश्रमात् किञ्चिद्दूरे अतिष्ठन्।
ङ. राज्ञः यतेश्च प्रयासेन आहतः स्वस्थः अभवत्।

2. रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. नगरात् बहिः एकस्मिन् **आश्रमे एकः यतिः** वसति स्म।
ख. प्रश्नानाम् उत्तराय राजा **तत्रागच्छत्**।
ग. आश्रमात् किञ्चिद्दूरे तस्याश्वः **अङ्गरक्षकाश्च अतिष्ठन्**।
घ. सः एकाकी **सामान्यवेशेन** आश्रममगच्छत्।
ङ. यतिः आश्रमे उद्यानकार्यं **करोति स्म**।

3. निर्देशानुसारं शब्दरूपैः रिक्तस्थानानि पूरयत।

उत्तरम्– क. **कर्मणा** एव मनुष्यः परिचितः भवति। ख. **राजा** नगरात् **आयाति** बहिः।
ग. **भवतः** अङ्गरक्षकाः मां आहतं कृतवन्तः।
घ. सः उद्यान- **कर्मणि** लग्नः आसीत्। ङ. एकः **राजा** आसीत्।

4. निम्नवाक्येषु (✓) वा (✗) चिह्नं नियोजयत।

उत्तरम्– क. (✗) ख. (✗) ग. (✗) घ. (✓) ङ. (✗)

5. सन्धिविच्छेदं कुरुत।

उत्तरम्– क. सर्वोत्तमः = **सर्व + उत्तमः** ख. अङ्गरक्षकाश्च = **अङ्गरक्षकाः + च**
ग. तस्योदरे = **तस्य + उदरे** घ. प्रत्यागमनस्य = **प्रति + आगमनस्य**
ङ. क्षुरिकाघातः = **क्षुरिका + आघातः**
च. रक्तस्रावोऽपि = **रक्तस्रावः + अपि**

6. संस्कृते अनुवादनं कुरुत।

उत्तरम्– क. सर्वोत्तमः जनः कः? ख. सः एकाकी सामान्य वेशेषण आश्रममगच्छत्।
ग. अपराह्नसमयः आसीत्। घ. भवान् मयि दयां करोतु।

7. हिन्द्यामनुवादं कुरुत।

उत्तरम्– क. तब कोई व्यक्ति दौड़ता हुआ वहाँ आया।
ख. उसके पेट में चाकू से हुआ घाव था।
ग. राजा ने संन्यासी के साथ मिलकर शीध्र उसका उपचार किया।
घ. दोनों के अधिक प्रयास से उसका रक्तस्राव रुक गया।
ङ. भाग्य से उसके प्राण बच गए।

8. निम्नलिखितानां शब्दानां स्व वाक्येषु प्रयोगं कुरुत।

उत्तरम्– क. सर्वोत्तमः = **सर्वोत्तमः** समयः कः?
ख. त्रयः प्रश्ना = एकदा राज्ञः मनसि **त्रयः प्रश्नाः** आगतः।

ग.	यातिः	=	तदा**यतिः** आश्रमे उद्यानकार्यं करोति स्म।
घ.	अपृच्छत्	=	राजा यतिं त्रयः प्रश्नाः **अपृच्छत्**।
ङ.	उद्यानकार्यं	=	राजा अपि यतिना सह **उद्यानकार्यम्** अकरोत्।

9. निम्नलिखितानां पदानां विभक्तिं वचनाञ्च लिखत।

उत्तरम्–

पदानां	**विभक्तिं**	**वचनम्**
क. पण्डितान्	**द्वितीया**	**बहुवचनम्**
ख. उत्तरैः	**तृतीया**	**बहुवचनम्**
ग. नगरात्	**पञ्चमी**	**एकवचनम्**
घ. सामान्यवेशेण	**तृतीया**	**एकवचनम्**
ङ. आश्रमे	**सप्तमी**	**एकवचनम्**
च. प्रश्नान्	**द्वितीया**	**बहुवचनम्**

10. शब्दार्थान् मेलयत।

उत्तरम्–

क. अपृच्छत्	(i) नहीं हुआ
ख. नाभवत्	(ii) करता है।
ग. गच्छत्	(iii) नहीं बोले
घ. करोति	(iv) पूछे
ङ. नावदत्	(v) गया

(क → iv, ख → i, ग → v, घ → ii, ङ → iii)

11. विपरीतार्थकानि पदानि लिखत।

उत्तरम्–

नागरात्	=	**ग्रामात्**	राजा	=	**प्रजा**
तत्र	=	**अत्र**	प्रश्नाः	=	**उत्तराणि**
सन्धयाकालः	=	**प्रातःकालः**	तदा	=	**यदा**
मिलित्वा	=	**पृथक भूत्वा**	विश्रामं	=	**कार्येसंलग्ना**
शत्रुणा	=	**मित्रेण**	निर्गतः	=	**आगतः**
ज्ञातम्	=	**अज्ञातम्**	वर्तमानं	=	**प्राचीनं**

12. रेखाङ्कितानां पदानां कारकाणि लिखतम्।

उत्तरम्– क. कर्म कारकम् ख. अधिकरण कारकम् ग. करण कारकम्
घ. करण कारकम् ङ. करण कारकम् च. कर्म कारकम्

13. पर्यायवाचिपदानि लिखत।

उत्तरम्–

राजा	=	**नृपः, भूपतिः**	जनः	=	**नरः, मानवः**
यति	=	**सन्यासी, योगी**	उद्यानम्	=	**उपवन, वाटिका**
अश्वः	=	**तुरंग, घोटकः**	शत्रु	=	**अरि, रिपुः**

क्रियाकलापः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

21 व्याकरणम्

विद्यार्थी स्वयं करें।